@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 4 जुलाई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 240 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ई-रिक्शा को रोक देने वाली ऐप्स स्टोर से हटाई गई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ई-रिक्शा को दूर से रोक देने वाली ऐप्स को ऐप स्टोर से हटवा दिया है। साथ ही ऐप स्टोर को इस संबंध में सावधानी बरतने को भी कहा गया है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने बीएटी-बीएमएस, लोसिगी और इपोच-आई-इओन ऐप्स को हटाने का आदेश दिया है,

जिनका कथित तौर पर बैटरी से चलने वाले वाहनों को दूर से निष्क्रिय करने के लिए दुरुपयोग किया जा रहा था। सूत्रों के अनुसार दुरुपयोग किए जा रहे ऐसे अन्य ऐप्स को भी ब्लॉक कर दिया जाएगा। इलेक्ट्रोनिक्स एवं आईटी मंत्रालय में सचिव एस कृष्णन ने एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में इसकी पुष्टी की है। उन्होंने कहा कि कल हमारे संज्ञान में ई-रिक्शा को रोकने वाली कुछ ऐप्स संज्ञान में आई थी। इन्हें ऐप स्टोर से हटा लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में ऐप स्टोर को सावधानी बरतनी चाहिए। हम इस मुद्दे को विस्तार से उनके समक्ष उठाएंगे ताकि भविष्य में ऐसे नुकसानदायक ऐप स्टोर पर उपलब्ध न हो।

ध्रुव राठी के विवादित यूट्यूब वीडियो पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

जीएसी को 15 दिन में फैसला लेने का आदेश

नई दिल्ली । यूट्यूबर ध्रुव राठी के एक विवादित यूट्यूब वीडियो को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने अहम निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने केंद्र सरकार की ग्रिवांस अपीलीय समिति (जीएसी) को वीडियो हटाने से जुड़ी अपील पर 15 दिनों के भीतर फैसला लेने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि उसके आदेश की अवहेलना को गंभीरता से लिया जाएगा। मामला उस वीडियो से जुड़ा है, जिसमें आरोप है कि ध्रुव राठी ने कथित तौर पर कहा था कि भगवान राम, माता सीता और भगवान कृष्ण मांस और शराब का सेवन करते थे। इसी वीडियो को हटाने की मांग को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने अदालत से कहा कि मध्यस्थ (इंटरमीडियरी) प्लेटफॉर्म यूट्यूब को उचित सावधानी बरतनी चाहिए थी और इस तरह के कंटेंट को पहले ही हटा देना चाहिए था। उनका कहना था कि ध्रुव राठी द्वारा अपलोड किया गया यह कंटेंट नुकसानदायक है और समाज में फूट डालने वाला है। एएसजी ने अदालत में कहा कि या तो गूगल यह बताए कि वह अभी वीडियो हटाने के लिए तैयार है, या फिर अदालत डिवीजन बेंच की टिप्पणियों के आधार पर फैसला सुना सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा कंटेंट प्रसारित नहीं होना चाहिए, जो समाज में विभाजन पैदा करे और बहुसंख्यक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 6-7 जुलाई को दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे पर आयेंगे

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 6 और 7 जुलाई को अपने पहले दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे पर आयेंगे। वह पार्टी नेताओं, विधायकों और अन्य पदाधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर गहन चर्चा करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष 6 जुलाई को यहां पहुंचेंगे और भारतीय जनसंघ (बीजेएस) के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर एक जनसभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि नवीन पार्टी नेताओं और वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारियों के साथ मौजूदा राजनीतिक स्थिति और पार्टी के कामकाज पर विस्तृत चर्चा करेंगे। जम्मू-कश्मीर में मोदी सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की भी कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा की जाएगी। हालांकि, पार्टी सूत्रों ने यह भी बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उधमपुर का भी दौरा करेंगे।

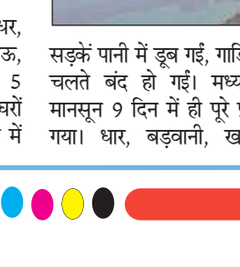

बंगाल की विरासत को समृद्ध बनाने और विकसित भारत के निर्माण में निभाएं भूमिका : ओम बिरला

'कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के इस दौर में जनप्रतिनिधियों को स्वयं को लगातार अद्यतन रखना होगा'

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायकों के लिए शुक्रवार से शुरू हुए दो दिवसीय ओरियंटेशन (प्रबोधन) कार्यक्रम का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। इस अवसर पर उन्होंने नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने, संसदीय मर्यादा का पालन करने और जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए ओम बिरला ने कहा कि पश्चिम बंगाल की महान विभूतियों ने अध्यात्म, धर्म और संस्कृति के साथ-साथ समाज सुधार तथा देश की आजादी के आंदोलन में ऐतिहासिक योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' के उद्घोष के माध्यम से बंगाल ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान की। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक विधायक केवल अपने विधानसभा क्षेत्र का ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य की सामूहिक आकांक्षाओं और उम्मीदों का प्रतिनिधि होता है। इसलिए सभी जनप्रतिनिधियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ करना चाहिए। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों को सलाह दी कि वे वरिष्ठ और अनुभवी सदस्यों के अनुभवों से सीखें, विधानसभा की पुरानी कार्यवाहियों का अध्ययन करें तथा संसदीय परंपराओं और प्रक्रियाओं को गहराई से समझें। नए विधायकों में सीखने और समझने की निरंतर ललक तथा नवाचार की भावना होनी चाहिए। ओम बिरला ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के इस दौर में जनप्रतिनिधियों को स्वयं को लगातार अद्यतन रखना होगा। उन्होंने विधायकों से अधिकतम समय तक सदन की कार्यवाही में उपस्थित रहने और अन्य सदस्यों के विचारों एवं वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक सुनने का आग्रह किया, ताकि संसदीय विमर्श की गुणवत्ता और लोकतांत्रिक संवाद को और मजबूत बनाया जा सके।

- *पश्चिम बंगाल की समृद्ध विरासत, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गौरवशाली परंपरा को फिर से समृद्ध बनाने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना होगा।*

यूपी के एटा में कंटेनर ने रोडवेज बस यात्रियों को रौंदा, पांच की मौत

एजेंसी

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले के बागवाला थाना क्षेत्र में शुक्रवार को तड़के एक सड़क हादसे में पांच

लोगों की मौत हो गई। 11 लोग घायल हो गए। हादसा कीलरमाऊ गांव के पास उस समय हुआ, जब खराब होकर सड़क किनारे खड़ी रोडवेज बस में पीछे से तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के बाहर खड़े यात्री इसकी चपेट में आ गए। सूचना मिलते ही बागवाला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को वीरांगना अवंतीबाई मेडिकल कॉलेज भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने बुलंदशहर निवासी सतेंद्र (38), फर्रुखाबाद निवासी राजेश (34), सुखराम (30), शैलेश (29) और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। वहीं, आनंद (52) निवासी सेक्टर-34 नोएडा, विवेक (30), पूनम (32), विक्रांत (23) और सुमित निवासी नवाबगंज फर्रुखाबाद, नीतीश (30) निवासी आवास विकास कॉलोनी एटा, विशाल (15), रवी (17), यतेंद्र (27), दक्ष (10) निवासी मेरठ, रिशु (21) निवासी खलवारा फर्रुखाबाद तथा ब्रजेश (24) निवासी बचमई, अमांपुर (कासगंज) सहित कुल 11 लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज जारी है। बस दिल्ली जा रही थी। हादसे की सूचना पर जिलाधिकारी अरविंद सिंह और एसएसपी डॉ. इलामारन जी समेत तमाम पुलिस अधिकारी पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर और रोडवेज बस को हटवाकर यातायात बहाल कराया। हादसे की जांच की जा रही है।

आंध्र प्रदेश में बारात के ऑटो-रिक्शा को ट्रक ने मारी टक्कर, चार लोगों की मौत

एजेंसी

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मरकापुर जिले में शुक्रवार की सुबह सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं, जो एक विवाह कार्यक्रम के सिलसिले में ऑटो रिक्शा से मंदिर गए थे। मार्कपुर के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी यू. नागा राजू ने बताया कि यह दुर्घटना रात करीब 1 बजे बेंगलुरु हाईवे पर कम्बम में हुई, जब दुल्हन पूजा करने के लिए सड़क किनारे स्थित विनायक स्वामी मंदिर में गई थी।

बाकी लोग बाहर वाहन में इंतजार कर रहे थे। दुल्हन के परिवार ने अपना ऑटो-रिक्शा मंदिर के पास रोका था, तभी एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में चार लोगों दुल्हन के दो बड़े भाई, उसकी भाभी और एक चचेरे भाई की मौके पर ही मौत हो गई।

16वें वित्त आयोग की कार्यशाला में माननीय मंत्री श्री ओ.पी. राजभर ने स्थानीय निकायों के सशक्तिकरण और उन्हें पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने पर दिया विशेष बल

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 3 जुलाई। 16वें वित्त आयोग के अनुदान विषय पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रदेश के माननीय मंत्री श्री ओ.पी. राजभर ने केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय संसाधनों के न्यायसंगत वितरण की महत्ता पर प्रकाश डाला. उन्होंने स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 16वें वित्त आयोग द्वारा 15वें वित्त आयोग की तुलना में लगभग दोगुनी धनराशि के आवंटन और स्वयं के स्रोत से आय आधारित परफॉर्मेंस ग्रांट के प्रावधान का स्वागत किया. कार्यशाला को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री श्री ओ.पी. राजभर ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पंचायतों को स्वावलंबी बनाने हेतु किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की. उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में देश की सर्वाधिक 57,694 ग्राम पंचायतें हैं, जो देश का लगभग 22 प्रतिशत हैं और राज्य में न्यूनतम 1000 की आबादी पर ग्राम पंचायत गठित करने का प्रावधान है. राज्य सरकार द्वारा कम आबादी वाली पंचायतों के लिए पंचायत प्रतिपूर्ति एवं प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है, जिसमें पंचायतों द्वारा अर्जित आय का 5 गुना प्रोत्साहन धनराशि के रूप में दिया जा रहा है. वर्तमान वित्तीय वर्ष में राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत पंचायतों को ?14,997 करोड़ का भारी-भरकम बजट आवंटित किया गया है, जबकि इसके सापेक्ष केंद्रीय करों के बड़े संग्रहण के बावजूद 16वें वित्त आयोग के तहत मात्र ?10,675 करोड़ का ही आवंटन प्राप्त हुआ है. संबोधन के दौरान माननीय मंत्री श्री

ओ.पी. राजभर ने केंद्रीय वित्त आयोग की नीतियों और गाइडलाइंस के संबंध में कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण एवं नीतिगत व्यावहारिक विषयों की ओर ध्यानाकर्षण करते हुए केंद्र सरकार से तत्काल सुधार की अपेक्षा की. उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्त आयोग द्वारा 5 वर्ष की धनराशि एकमुश्त आवंटित की जाती है, जबकि केंद्रीय कर संग्रहण में प्रतिवर्ष होने वाली वृद्धि के दृष्टिगत इसका आवंटन राज्य वित्त आयोग की तर्ज पर प्रतिवर्ष बजटीय हिस्सेदारी के रूप में होना चाहिए ताकि राज्यों को अधिक लाभ मिल सके. पात्रता शर्तों पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि जहां शहरी क्षेत्रों एवं जिला पंचायतों के लिए केवल स्वयं के संसाधन से आय वृद्धि की शर्त है, वहीं ग्राम पंचायतों हेतु ?1200 प्रति व्यक्ति (प्रतिवार) न्यूनतम आय का कड़ा मापदंड रखा गया है. उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में यह शर्त बेहद अव्यावहारिक है क्योंकि यहां छोटी आबादी पर पंचायतें गठित हैं और वर्तमान में उनके स्वयं के संसाधन सीमित हैं. इसलिए इसे शहरी क्षेत्रों की तरह ही सरल और एकसमान किया जाना चाहिए. माननीय मंत्री श्री ओ.पी. राजभर ने प्रशासनिक और बजटीय विसंगतियों को रेखांकित करते हुए कहा कि 16वें वित्त आयोग की टाइड और अनटाइड मदों की गाइडलाइन पंचायती राज मंत्रालय और जलशक्ति मंत्रालय से अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। **शेष पृष्ठ 3 पर**

भाजपा ने राम मंदिर लूटा, 5 जुलाई को दादर में 'राम रक्षा' विरोध प्रदर्शन: उद्धव ठाकरे

'राजनीतिक दलों को तोड़ने की साजिश रची जा रही है'

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा लूटने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 5 जुलाई को मुंबई के दादर इलाके में 'राम रक्षा' विरोध प्रदर्शन के साथ राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दान किए गए धन को 'लूटा' है। इस पर इनको जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि रविवार शाम 5 बजे से दादर कबूतरखाना स्थित हनुमान मंदिर के पास विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उद्धव ठाकरे ने सभी नागरिकों को आमंत्रण देते हुए उनसे भेदभाव से ऊपर उठने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'मैं हर उस हिंदू को आमंत्रित करता हूं जो भगवान राम के घर में हो रही इस चोरी को बर्दाश्त नहीं कर सकता। यह उन सभी के लिए है जिन्होंने हिंदुत्व या बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा का त्याग नहीं किया है। हम सब राम रक्षा स्तोत्र, हनुमान स्तोत्र और हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए एकत्रित होंगे।'

उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वयं शीर्ष पार्टी नेताओं और शिवसैनिकों के साथ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे। राम जन्मभूमि आंदोलन के इतिहास को याद करते हुए ठाकरे ने कहा कि भाजपा का वर्तमान राजनीतिक वर्चस्व आम हिंदुओं के बलिदानों पर टिका है। देश की पूरी हिंदू आबादी ने उस आंदोलन में भाग लिया जिसने भाजपा को खड़ा किया। हमें कारसेवकों पर हुए अत्याचार, गोधरा हत्याकांड, अहमदाबाद दंगे और मुंबई में झेली गई विपत्तियां याद हैं। इन सब कष्टों को सहते हुए भी हिंदुओं ने दृढ़ता दिखाई। इसी का लाभ उठाते हुए भाजपा जिसके पास आंदोलन से पहले केवल दो सांसद थे और जो 'गांधीवादी समाजवाद' का अनुसरण करती थी, हिंदुत्व की ओर मुड़ी और राम मंदिर मुद्दे को उठाया। महाराष्ट्र के शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने आगे आरोप लगाया कि मंदिर के दान से निकाली गई धनराशि विपक्षी दलों में फूट डालने के उद्देश्य से किए गए राजनीतिक अभियानों से जुड़ी हो सकती है। उन्होंने कहा, 'आज भाजपा शासन में राम मंदिर गलत कारणों से सुर्खियों में है। राजनीतिक दलों को तोड़ने की साजिश रची जा रही है।

देश के कई राज्यो में आफत बनी बारिश

उज्जैन में क्षिप्रा में बाढ़, मंदिर डूबे: मुंबई में स्कूलों में छुट्टी

भारी बारिश के बाद हिमाचल में लैंडस्लाइड, गाड़ियां दबीं

गुजरात में सड़कें डूबीं

एजेंसी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में रात भारी बारिश हुई। किन्नौर के चोलिंग में बारिश के बाद मलबा नेशनल हाईवे पर आ गया। दो गाड़ियां दब गई।

राज्य में 49 सड़कें बंद हैं। इधर, यूपी में शुक्रवार सुबह 3 बजे लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, जालौन समेत 5 शहरों में बारिश हुई। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया। गुजरात के वलसाड में

सड़कें पानी में डूब गईं, गाड़ियां चलते-चलते बंद हो गईं। मध्य प्रदेश में मानसून 9 दिन में ही पूरे प्रदेश में छा गया। धार, बड़वानी, खरगोन और देवास में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश का अनुमान है। उज्जैन में क्षिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने से राम घाट के पास मंदिर डूब गए। वहीं मुंबई

में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। राजस्थान के जयपुर में 2 दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी कोटा, बारां और झालावाड़ के लिए तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग, चमोली समेत कई जिलों में लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हो गई हैं। बद्रीनाथ और केदारनाथ हाईवे पर लगातार पत्थर गिरे थे। सुरक्षा के चलते केदारनाथ यात्रा रोक दी गई थी।

अगले 2 दिन मौसम का हाल

4 जुलाई: छत्तीसगढ़, तेलंगाना, ओडिशा, केरलम, गोवा, तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, सिक्किम में भारी बारिश की संभावना है। बिहार में 50-60kmph की रफ्तार से तेज आंधी चल सकती है। मध्य प्रदेश, ओडिशा, पूर्वी राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में तेज हवा चलेगी। राजस्थान में 30-40kmph की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में हीटवेव जारी रहेगी।

5 जुलाई: आंध्र प्रदेश, झारखंड, ओडिशा में भी तेज बारिश की चेतावनी है। असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होगी। सिक्किम, गोवा, तेलंगाना और कर्नाटक में समुद्र के करीबी इलाकों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

मानसून 3 दिन देरी से आया, 3 दिन पहले पूरे देश कवर करेगा

मानसून ने 1 जून की जगह 3 दिन लेट 4 जून को भारत में एंट्री ली थी। इस दौरान कई राज्यों में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई थी। बीच-बीच में 'ब्रेक मानसून' जैसी स्थिति बनने से यह आशंका जताई जाने लगी थी कि इस बार मानसून पूरे देश को सामान्य समय से देर से कवर करेगा। हालांकि, जुलाई की शुरुआत में बंगाल की खाड़ी में बने मौसम तंत्र और अनुकूल परिस्थितियों के कारण मानसून ने फिर रफ्तार पकड़ ली। मौसम विभाग के अनुसार, 5 जुलाई तक मानसून के पूरे देश को कवर करने की संभावना है, जबकि इसका सामान्य समय 8 जुलाई माना जाता है। यानी शुरुआती सुस्ती के बावजूद मानसून अपनी सामान्य प्रगति के करीब पहुंच गया है। हाल ही में मौसम विभाग ने बताया था कि अगले कुछ दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के शेष हिस्सों में भी मानसून तेजी से आगे बढ़ेगा।

केतन अग्रवाल हत्याकांड: पॉलीग्राफी टेस्ट से खुलेगा सच?

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे स्थित लोहागढ़ किले पर 18 जून को रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की संदिग्ध मौत अब पुलिस जांच में नया मोड़ ले लिया है। केतन की मौत के मामले में मुख्य आरोपी सिया गोयल (20) और उनके कथित प्रेमी चेतन चौधरी (22) पर केतन की हत्या करने का आरोप है। पुलिस का मानना है कि इन दोनों ने मिलकर केतन को खाई में धकेला, लेकिन अभी तक कोई सीधा गवाह या ठोस सबूत नहीं मिल पाया है, जिसके कारण जांच में गतिरोध बना हुआ है। इसकारण पुणे पुलिस ने अब इस केस को आगे बढ़ाने के लिए पॉलीग्राफी टेस्ट का सहारा लेने का फैसला किया है और इसके लिए कोर्ट से अनुमति भी मांग ली गई है। पॉलीग्राफी टेस्ट, इस अक्सर झूठ पकड़ने वाला कहा जाता है, पूरी तरह से सटीक नहीं होता। यह दरअसल किसी व्यक्ति के शरीर में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों, जैसे दिल की धड़कन, रक्तचाप, सांस लेने की दर और पसीने को मापता है। ये परिवर्तन आमतौर पर तब होते हैं जब व्यक्ति तनाव में होता है या झूठ बोल रहा होता है। टेस्ट की शुरुआत एक प्री-टेस्ट इंटरव्यू से होती है, जहाँ परीक्षक आरोपी से बातचीत कर केस और प्रक्रिया समझाता है। इसके बाद, आरोपी के शरीर पर कई सेंसर लगाए जाते हैं, जो इन शारीरिक प्रतिक्रियाओं को रिकॉर्ड करते हैं। इस डेटा का विश्लेषण कर परीक्षक यह अनुमान लगाता है कि क्या व्यक्ति सच बोल रहा है या झूठ। सिया गोयल के पॉलीग्राफी टेस्ट से पुलिस को इस जटिल मामले में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है, जिससे केतन अग्रवाल की मौत का सच सामने आ सकता है।

एटा में दर्दनाक तिहरा सड़क हादसा, 5 की मौत, दर्जनभर घायल

- खड़ी बस से टकराए दो वाहन; सीएम योगी ने लिया संज्ञान, जांच शुरू

(एजेंसी)। एटा जिले में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि करीब दर्जनभर लोग घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा बागवाला थाना क्षेत्र के कीलर मऊ के पास हुआ, जब सड़क किनारे खराब खड़ी रोडवेज बस से एक कैंटर और उसके बाद एक सीएनजी टैंकर टकरा गए। जानकारी के अनुसार, एटा डिपो की एक बस खराब होने के कारण सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान, पीछे से तेज गति से आ रहे एक कैंटर ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के कुछ ही पल बाद, एक सीएनजी टैंकर भी इन वाहनों से जा भिड़ा, जिससे हादसा और भी भयावह हो गया। इस खौफनाक तिहरे हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक यात्री ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। करीब 12 घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया और जिला प्रशासन को तत्काल राहत-बचाव कार्य के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सीएनजी टैंकर होने के चलते दमकल विभाग ने स्थिति को सुरक्षित किया। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया और मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है और मृतकों की पहचान स्थापित की जा रही है। रास्ते को विलयर कर दिया गया है।

मुरादाबाद रामकुंवर हत्याकांड: 3 दोषियों की उम्रकैद बरकरार, 15 दिन में करना होगा सरेंडर

मुरादाबाद (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुरादाबाद के बहुचर्चित रामकुंवर हत्याकांड में ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने तीनों दोषियों बलिस्टर, महेश और नरेश की अपीलें खारिज कर दी हैं। कोर्ट ने कहा कि मामले में प्रस्तुत साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और चिकित्सीय रिपोर्ट अभियोजन पक्ष के आरोपों की पुष्टि करते हैं। खंडपीठ ने तीनों दोषियों को 15 दिन के भीतर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है, अन्यथा उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए जाएंगे। यह सनसनीखेज वारदात 27 सितंबर 1987 की रात मुरादाबाद के थाना कुंदरकी क्षेत्र के गांव बसेरा में हुई थी। मंदिर से अखंड रामायण पाठ सुनकर लौट रहे राम कुंवर को अभियुक्तों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को घसीटते हुए जंगल ले गए तथा सिर धड़ से अलग कर दिया। पुलिस के अनुसार, हत्या की वजह महेश की बहन को भगाने को लेकर रामकुंवर के खिलाफ दर्ज कराया गया पुराना मुकदमा था। बचाव पक्ष ने एफआईआर में देरी और गवाहों के रिश्तेदार होने का हवाला देकर बरी किए जाने की मांग की, लेकिन हाई कोर्ट ने पाया कि प्राथमिकी घटना के साढ़े चार घंटे के भीतर दर्ज हुई थी। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि केवल रिश्तेदार होने के आधार पर गवाही खारिज नहीं की जा सकती। अदालत ने सभी अपीलों को खारिज कर दिया।

सोनमर्ग अटल टनल के पास सीआरपीएफ का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 6 जवान घायल

-घायल जवानों का अस्पताल में इलाज जारी, हादसे के कारणों की जांच शुरू

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सोनमर्ग अटल टनल के पास शुक्रवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सड़क से फिसलकर वाहन पलट जाने से उसमें सवार छह जवान घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए गुंड स्थित सीआरपीएफ शिविर और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल सभी जवानों की हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि हादसा उस समय हुआ जब सीआरपीएफ का वाहन सोनमर्ग (गगनगीर) सुरंग के निकट से गुजर रहा था। इसी दौरान वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क से फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, सुरक्षा बलों और राहत दल ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान चलाया तथा घायल जवानों को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजा। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे की वजह माना जा रहा है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर्वतीय और संवेदनशील मार्ग होने के कारण यहां मौसम और सड़क की परिस्थितियां अक्सर चुनौतीपूर्ण रहती हैं।

सिंधु जल संधि पर भारत अपने रुख पर कायम

-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की आपत्तियां खारिज

-हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की प्रक्रिया पर भारत ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद एक बार फिर गहरा गया है। भारत ने हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) की कार्यवाही और उसके एकतरफा फैसले को मानने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया है कि संधि के प्रावधानों की अनदेखी कर शुरू की गई किसी भी प्रक्रिया का कोई कानूनी आधार नहीं है। भारत के इस रुख के बाद पाकिस्तान के कई नेताओं ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत का कहना है कि सिंधु जल संधि में विवादों के समाधान के लिए चरणबद्ध प्रक्रिया निर्धारित है। नई दिल्ली के अनुसार, तकनीकी विवादों पर पहले न्यूट्रल एक्सपर्ट की नियुक्ति का प्रावधान है और उसके बाद ही अन्य कानूनी विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। भारत का आरोप है कि इस प्रक्रिया का पालन किए बिना समानांतर मध्यस्थता शुरू की गई, जिसे उसने स्वीकार नहीं किया। मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के महानिदेशक सुजान चिनॉय ने अपने एक विश्लेषण में कहा है, कि भारत ने संधि को स्थगित करने से पहले विश्व बैंक से न्यूट्रल एक्सपर्ट नियुक्त करने का अनुरोध किया था। वहीं पाकिस्तान ने समानांतर रूप से कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के जरिए कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। तत्कालीन विश्व बैंक अध्यक्ष ने दोनों प्रक्रियाओं को साथ चलाने की मंजूरी दी, जिसे भारत ने संधि की मूल भावना के विपरीत बताया और इस प्रक्रिया में भाग लेने से इनकार कर दिया।

भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसका विरोध कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की वैधानिकता को लेकर है, न कि परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) जैसी संस्था के अस्तित्व को लेकर। सरकार का कहना है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियम-आधारित व्यवस्था का सम्मान करती है, लेकिन प्रक्रियाओं का पालन भी उतना ही आवश्यक है। विश्लेषकों का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे उदाहरण पहले भी सामने आए हैं, जब विभिन्न देशों ने कुछ अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक या मध्यस्थता संबंधी फैसलों को स्वीकार नहीं किया। वहीं भारत ने 2014 में बंगाल की खाड़ी समुद्री सीमा विवाद में संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के फैसले को स्वीकार कर अंतर्राष्ट्रीय नियमों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की थी।

सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच आगे की कूटनीतिक एवं कानूनी प्रक्रिया पर दोनों देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर बनी हुई है।

बागेश्वर धाम पहुंचे अनंत अंबानी, पूजा-अर्चना की, हाथ में थामी गदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने बागेश्वर धाम पहुंचे। यहां पहुंचने के बाद उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस दौरान वह धीरेंद्र शास्त्री के साथ पूजा में शामिल हुए। एक वीडियो में अनंत को धीरेंद्र शास्त्री के साथ हाथ में गदा थामे देखा गया। धीरेंद्र शास्त्री मध्य प्रदेश राज्य के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम के मुख्य पुजारी हैं, वह कथा सुनाते हैं। बता दें कुछ दिन पहले अनंत अंबानी ने आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए थे। इस दौरान उन्होंने वहां की सालों पुरानी धार्मिक परंपरा का पालन करते हुए अपने केश भी दान किए। तिरुमला में केश दान को धार्मिक परंपरा का हिस्सा माना जाता है। श्रद्धालु केश दान को भगवान के प्रति श्रद्धा, समर्पण, कृतज्ञता और विनम्रता का प्रतीक मानते है। कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने पर या किसी विशेष संकल्प के तहत भी अपने केश अर्पित करते हैं। तिरुमला में केश दान की यह परंपरा हजारों साल पुरानी मानी जाती है।

बेंगलुरु डे-केयर केस: वीडियो में मासूमों को टॉर्चर करने वाली महिला गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में मासूमों के साथ बर्बरता के चर्चित डे-केयर मामले में पुलिस ने पहली गिरफ्तारी की है। पुलिस ने विजयलक्ष्मी नामक महिला को गिरफ्तार किया है, जो वायरल वीडियो फुटेज में बच्चों को अमानवीय रूप से प्रताड़ित करती दिख रही थी। इस मामले में पुलिस ने तीन अन्य लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वे गुरुवार को पेश नहीं हुए।

यह गंभीर मामला बुकफील्ड इलाके में स्थित प्रतिष्ठित आईटी कंपनी कैपजेमिनी के कैंपस के भीतर चल रहे डे-केयर सेंटर से जुड़ा है। यहां दो से तीन साल के बच्चों के साथ दुर्व्यवहार के वीडियो व्हाट्सएप पर वायरल होने के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन तक पहुंचे, जिसके बाद यह क्रूरता उजागर हुई। वीडियो में बच्चों को रोते हुए और उनके साथ मारपीट करते हुए साफ देखा जा सकता है।

शिकायत के अनुसार, रोते हुए बच्चों को चुप कराने के लिए कई अमानवीय तरीके अपनाए गए। आरोप है कि बच्चों को जबरन वॉशिंग मशीन के अंदर बिठाया गया, वेस्टर्न टॉयलेट में बैठाकर जेट स्प्रे से उनके मुंह में पानी डाला गया, और उन्हें बाथरूम में बंद कर चुप रहने की धमकी दी गई। यह सब देखकर बच्चों के माता-पिता गहरे सदमे में हैं।

इस मामले में डे-केयर की पांच महिला कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस शहर के अन्य डे-केयर सेंटरों की जांच कर रही है कि क्या वे निर्धारित नियमों का पालन कर रहे हैं। कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियांक खड़गे ने घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देकर बच्चों के साथ दुर्व्यवहार पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने की बात कही है।

इस घटना के सामने आने के बाद कैपजेमिनी ने अपने बेंगलुरु कैंपस का डे-केयर सेंटर अस्थायी रूप से बंद किया है और पुलिस जांच में पूरा सहयोग कर रही है। एक डिप्टी कमिश्नर रैंक की महिला अधिकारी मामले की जांच का नेतृत्व कर रही हैं। पुलिस ने साफ किया है कि इस जघन्य अपराध में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, और वीडियो तथा सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच जारी है।

सलमान खान फायरिंग मामले में अनमोल बिश्नोई ने कोर्ट में किया सरेंडर का आवेदन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी की मांग

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल कथित गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई ने विशेष अदालत में एक आवेदन दाखिल कर इस मामले में स्वेच्छा से सरेंडर करने और न्यायिक प्रक्रिया में शामिल होने की इच्छा जताई है। फिलहाल अनमोल बिश्नोई एक अन्य मामले में तिहाड़ जेल में बंद है। अनमोल बिश्नोई के वकीलों की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि वह निष्पक्ष सुनवाई और न्याय के हित में इस मामले में स्वेच्छा से अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहता है तथा चल रही न्यायिक कार्यवाही का हिस्सा बनना चाहता है। चूंकि वह पहले से ही एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में है, इसलिए वह स्वयं अदालत में उपस्थित नहीं हो सकता।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर संघ: राम भक्तों की भावनाएं आहत, दोषियों को मिले कड़ी सजा

यह पूरे हिन्दू समाज के लिए आस्था और भक्ति का केंद्र

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दान पात्रों से चढ़ावा चोरी होने के मामले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना से करोड़ों राम भक्तों की भावना और श्रद्धा को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से दोषियों को कठोरतम सजा दिलाने की अपील की है।

संघ ने कहा कि राम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष, समर्पण, त्याग और बलिदान का प्रतिफल है। यह पूरे हिन्दू समाज के लिए आस्था और भक्ति का केंद्र है। इसके बाद दानपात्रों से राशि की चोरी जैसी घटना अत्यंत निंदनीय और दुखद है, इस घटना ने आरएसएस सहित समूचे समाज की भावनाओं को चोट पहुंचाई है। संघ नेता होसबाले ने कहा कि जांच में जो भी दोषी मिले, उन्हें निश्चित रूप से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। संघ ने एक असाधारण मामला मानकर मांग की है कि मंदिर की व्यवस्था और प्रबंधन में जो भी कमियां हैं, उन्हें तुरंत दूर करे। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राम मंदिर के दान से जुड़ी ऐसी गंभीर घटना को हल्के में न लिया जाए। संघ का मानना है कि लोगों के बीच व्याप्त भ्रम और सवालों का खत्म होना जरूरी है, जिसके लिए मंदिर प्रबंधन और एसआईटी दोनों को मिलकर सभी जरूरी कदम उठाने चाहिए। संघ ने वित्तीय व्यवस्था में पारदर्शिता और उचित संचालन पर जोर दिया ताकि श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर हिंदू समाज का भरोसा बना रहे।

गौरतलब है कि बीते दिनों राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया था, जिसमें मंदिर के अंदरूनी व्यवस्था से जुड़े कई लोग शामिल मिले। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के ड्राइवर टिन्नू यादव सहित कुल आठ लोगों को मामले में गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों में मंदिर में दान की गणना करने वाले लोग भी शामिल हैं। संघ के बयान के बाद उम्मीद है कि मामले की जांच और भी तेजी से आगे बढ़ेगी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

आरोपी लवकुश के नाना की धमकी... हिम्मत हो, तब चलाएं बुलडोजर

-आरोपी की मां ने कहा, मेरे बेटे को फंसाया जा रहा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे है। इस मामले में आठ आरोपियों में से एक लवकुश मिश्रा के घर से हाल ही में पुलिस ने 14.25 लाख नकद बरामद किए हैं। बरामदगी के बाद लव कुश के नाना जगदंबा प्रसाद ने पुलिस और योगी सरकार को सीधा चुनौती देकर कहा, हिम्मत हो, तब चलाएं बुलडोजर।

आरोपी के नाना प्रसाद ने बरामद नकदी पर सवाल उठाकर कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और उन्होंने पुलिस से तलाशी का रिकॉर्ड मांगा है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि उनके घर में, जहां सूखे चारे और कंडों के ढेर में तलाशी ली गई, इतनी बड़ी रकम कैसे मिल सकती है। उन्होंने अपने नाती लव कुश को निर्दोष बताया, जो गाड़ी के शीशे का काम करता था। जगदंबा प्रसाद ने अपने घर की पूरी रजिस्ट्री होने का दावा कर कहा कि वे सरकार और मंदिर ट्रस्ट से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन सब बेकार रहा। इधर, लव कुश की मां ने भी अपने बेटे को निर्दोष बताकर आरोप लगाया कि सुपुत्र को फंसाया जा रहा है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, 14.25 लाख नकद लव कुश के घर में अलमारी और गोबर के ढेर के नीचे छिपाए गए थे। छापेमारी में अहम दस्तावेज और जमीन की रजिस्ट्री के कागजात भी बरामद हुए। जांच में सामने आया कि राम मंदिर ट्रस्ट में 12,000 से 15,000 की मासिक नौकरी करने वाले लव कुश ने अपनी पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम पर अयोध्या में एक कीमती जमीन खरीदी थी।

इसके बाद अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने सुप्रिया मिश्रा के नाम पर बन रही बिल्डिंग को लेकर नोटिस जारी किया है, जिसमें निर्माण में नियमों के उल्लंघन का आरोप है। एडीए ने एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है और जवाब न मिलने पर ध्वस्तीकरण सहित अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है।

यह पूरा मामला सीसीटीवी फुटेज की जांच और चढ़ावे की गिनती में अनियमितताएं सामने आने के बाद उजागर हुआ था। मंदिर ट्रस्ट की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सुरक्षाकर्मी सहित उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया है, और चोरी की गई नकदी व अन्य कीमती सामान बरामद करने का दावा किया है। इस घटना के बाद राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और चढ़ावे के ऑडिट सिस्टम को पहले से अधिक सख्त कर दिया गया है।

पंजाब कांग्रेस में कलह: चन्नी और मनीष तिवारी में खटपट

विस चुनाव में टिकट को लेकर होने लगे दो-दो हाथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस आलाकमान भले ही पंजाब में जारी आंतरिक कलह को शांत करने और पार्टी के दिग्गज नेताओं के बीच फिलहाल के लिए समझौता कराने में कुछ सफलता पाई हो, लेकिन पार्टी के भीतर गुटबाजी की दरारें अभी भी बहुत गहरी हैं। सबसे बड़ा पेच अब इस बात पर फंसा है कि क्या अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में मौजूदा लोकसभा सांसदों को टिकट दिया जाना चाहिए या नहीं। यह एक ऐसा मुद्दा है जो पंजाब कांग्रेस में फिर से बड़ा सियासी तूफान खड़ा कर सकता है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत मुख्यमंत्री पद के कई बड़े दावेदार इस समय लोकसभा सांसद हैं।

सूत्रों के मुताबिक, चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष का पद संभालने के लिए बेहद उत्सुक थे। वे अमरिंदर सिंह राजा वारिंग को ही प्रदेश अध्यक्ष पद पर बनाए रखने की हरी झंडी देने के बाद आलाकमान से नाराज हैं। हालांकि, आलाकमान ने संतुलन बनाने के लिए वारिंग को अध्यक्ष और प्रताप सिंह बाजवा को विधायक दल का नेता बनाए रखा है, जबकि चन्नी और अन्य वरिष्ठ नेताओं जैसे लोकसभा सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, अमर सिंह और कांग्रेस के संयुक्त कोषाध्यक्ष विजय इंदर सिंगला को चुनाव से जुड़ी महत्वपूर्ण कमेटियों का प्रमुख बनाकर संतुष्ट करने का प्रयास किया है।

कांग्रेस आलाकमान का यह फैसला काफी गहन विचार-विमर्श के बाद आया है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन की अगुवाई वाले तीन सदस्यीय पैनल ने करीब 66 वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उनकी राय ली थी। ऐसा इसलिए करना पड़ा क्योंकि पार्टी के एक बड़े धड़े का मानना था कि वारिंग को बदला जाना चाहिए, वहीं वारिंग के समर्थन में भी कई नेता थे। इस सबके बीच, जाट सिख समुदाय के कम से कम 30 नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर समय मांगा था ताकि वे एक दलित सिख नेता के रूप में चन्नी को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की पैरवी कर सकें। जैसे ही चन्नी खेमे ने दबाव बनाना शुरू किया, दूसरे गुट भी सक्रिय हो गए। नवंबर 2025 में नियुक्त किए गए अधिकांश जिला अध्यक्षों ने राजा वारिंग का समर्थन किया। दूसरी तरफ, दो बड़े जाट सिख नेताओं प्रताप सिंह बाजवा और सुखजिंदर सिंह रंधावा ने हाथ मिला लिया ताकि चन्नी को इस पद से दूर रखा जा सके। चन्नी विरोधी खेमे ने तो यहां तक प्रस्ताव दे दिया था कि अगर चन्नी को अध्यक्ष बनाया जाता है तो उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। एक तर्क यह भी दिया गया कि चुनाव से कुछ महीने पहले वारिंग को हटाना गलत संदेश देगा।

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने ईरान प्रतिनिधिमंडल पर राजनीति से बचने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरानी दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में भारत से प्रतिनिधिमंडल भेजने को लेकर हो रही राजनीतिक बयानबाजी पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने एक सामान्य बात बताकर बेवजह राजनीति न करने की सलाह दी है। कांग्रेस नेता थरूर ने स्वीकार किया कि इतने वरिष्ठ आध्यात्मिक नेता के निधन पर और ऊंचे स्तर पर शोक जताया जा सकता था और किया जाना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने तुरंत जोड़ा कि ऐसी स्थिति में हमेशा उन दिवंगत नेताओं के प्रति सम्मान दिखाना महत्वपूर्ण है जो इतने महत्वपूर्ण पद पर थे। उन्होंने इसकी पुष्टि की कि भारत से एक प्रतिनिधिमंडल ईरान गया है, जिसमें उनके सहयोगी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद भी शामिल हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने इस तरह के आयोजनों को वैश्विक कूटनीति का एक सामान्य हिस्सा बताया। उन्होंने मदर टेरेसा के अंतिम संस्कार और राजीव गांधी की हत्या के बाद भारत आए विश्व भर के नेताओं का उदाहरण देकर कहा, यह सामान्य बात है। दुनिया भर के देशों का शोक व्यक्त करने और दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए जाना एक बहुत ही सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि हमें इसे लेकर कोई बड़ा राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। थरूर की टिप्पणी उन लोगों के लिए एक सीधा संदेश थी जो ईरान के शीर्ष धार्मिक नेता के निधन पर भारत के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के भेजने पर सवाल उठा रहे थे। उनका मानना है कि इसतरह के अवसर राष्ट्रीय सम्मान और राजनयिक परंपरा का हिस्सा होते हैं, जिन पर अनावश्यक विवाद खड़ा करना उचित नहीं है।

मानसून सत्र में आ सकता है भ्रष्टाचार-रोधी संविधान संशोधन विधेयक

-जेपीसी 17 जुलाई को दे सकती है रिपोर्ट, विपक्ष ने प्रस्तावित प्रावधानों पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार आगामी मानसून सत्र में भ्रष्टाचार-रोधी प्रावधानों से जुड़े प्रस्तावित संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 को आगे बढ़ा सकती है। इस विधेयक की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट 17 जुलाई को मंजूर होने की संभावना है। इसके बाद सरकार समिति की सिफारिशों पर विचार कर विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रख सकती है और फिर संसद में पेश किया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह विधेयक पिछले वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश किया गया था। प्रस्तावित प्रावधानों के तहत यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी मंत्री को ऐसे मामले में गिरफ्तार किया जाता है, जिसमें पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान हो, और वह लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसके पद पर बने रहने से जुड़े प्रावधान लागू हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जेपीसी विधेयक के मूल उद्देश्य को बरकरार रखते हुए उसके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की सिफारिश कर सकती है। समिति यह भी स्पष्ट करने की सिफारिश कर सकती है कि ये प्रावधान केवल गंभीर आपराधिक मामलों पर ही लागू हों, ताकि किसी निर्दोष जनप्रतिनिधि को अनावश्यक नुकसान न उठाना पड़े।

रिपोर्ट के अनुसार संसदीय समिति की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी का कहना है, कि विधेयक का उद्देश्य राजनीति का अपराधीकरण रोकना और संवैधानिक नैतिकता को मजबूत करना है। उनके अनुसार, समिति के समक्ष आए अधिकांश सुझाव सकारात्मक रहे हैं। हालांकि, विपक्ष ने इस प्रस्तावित संशोधन का विरोध किया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि केवल न्यायिक हिरासत के आधार पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को पद से हटाने का प्रावधान प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत और संघीय ढांचे के विपरीत हो सकता है। उनका कहना है कि दोषसिद्धि से पहले ऐसी कार्रवाई का राजनीतिक दुरुपयोग किया जा सकता है। जेपीसी में गैर-एनडीए दलों के कुछ सदस्यों ने भी अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और अन्य विपक्षी नेताओं का तर्क है कि नए आपराधिक कानूनों के तहत लंबी न्यायिक हिरासत की संभावना को देखते हुए इस प्रकार का प्रावधान निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने का माध्यम बन सकता है। बहरहाल यदि जेपीसी 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट सौंप देती है, तो प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक संसद के संभावित 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र के प्रमुख विधायी एजेंडों में शामिल हो सकता है।

उत्तम नगर में युवक की हत्या के बाद तनाव, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में महिला पर पानी भरा गुब्बारा गिरने के बाद 26 वर्षीय तरुण की हत्या के मामले में पुलिस की लापरवाही को लेकर शुक्रवार को लोगों ने हंगामा किया। प्रदर्शनकारियों ने ने आरोपियों के घर के बाहर खड़ी एक कार में आग लगा दी। बीती रात प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोपियों के घर के बाहर तीन गाड़ियों को तोड़ दिया था। लोगों का आरोप था कि दो दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। दिल्ली पुलिस ने उत्तम नगर इलाके में अर्धसैनिक बलों और पुलिस कर्मियों को तैनात कर दिया था। अधिकारी ने कहा कि इलाके में सुरक्षा कड़ी की गई है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। इतना ही नहीं गुस्साए लोगों ने न केवल उत्तम नगर थाने को घेराव किया। शुक्रवार देर रात तक खबर लिखे जाने तक लोग उत्तम नगर थाने के बाहर सड़क पर बैठे हुए थे। हंगामा बढ़ते देख पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। बाकियों की पहचान की जा रही। मृतक तरुण के चाचा टेकचंद ने बताया कि होली की शाम को 7 वर्षीय लड़की अपने घर के ऊपर बालकनी में हाथ में गुब्बारा लेकर खड़ी थी, जिसमें पानी भरा था। अचानक गुब्बारा हाथ से छूटकर बालकनी से नीचे गिर गया, जो नीचे खड़ी दूसरे समुदाय की महिला के ऊपर जा

लगा। इस पर महिला ने लड़ाई-झगड़ा शुरू कर दिया। बच्ची और उसके परिवार वालों ने माफी भी मांगी। परिवार ने कहा कि बच्ची ने गुब्बारा जानबूझकर नहीं मारा, बल्कि गलती से हाथ से गुब्बारा गिर गया था। बावजूद इसके समुदाय विशेष के लोगों ने उनके घर पर हमला कर दिया। आरोपियों ने न केवल घर में तोड़ फोड़ की बल्कि महिलाओं के साथ बदसलूकी भी की। झड़प में मृतक तरुण के दादा मान सिंह भी घायल हुए हैं। वारदात के बाद सोशल मीडिया पर भी लोगों का गुस्सा फूटा है। वारदात के वीडियो साझा करते हुए लोगों ने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि मासूम बच्ची से हुई गलती की सजा उसके परिजनों को क्यों दी गई। वहीं पुलिस ने कहा कि स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है और इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है।

डेयरी मालिक को चाकू से गोदकर उतारा मौत के घाट; दोस्त थे साथ

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। चिढ़ाने से नाराज नाबालिग ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर पालम गांव में एक डेयरी मालिक की चाकू गोदकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त 25 साल के पुनीत यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले की छानबीन करते हुए मुख्य आरोपी नाबालिग समेत पांच आरोपियों को पकड़ा है। जिसमें दो बालिग आरोपी हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 4 मार्च को पालम गांव थाना पुलिस को मणिपाल अस्पताल से एक युवक को चाकू मारे जाने के बाद भर्ती कराए जाने की जानकारी मिली। अस्पताल पहुंचने पर पुलिस को पता चला कि घायल पुनीत यादव को डॉक्टरों ने मृत घोषित किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन शुरू की। जांच में पता चला कि पुनीत डेयरी चलाता था और अविवाहित था। पुलिस महावीर एन्क्लेव की गली नंबर 7 स्थित घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस को पूछताछ में पता चला कि 8-10 लोगों ने उसपर चाकू से हमला किया था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज के जरिए पुलिस ने दो आरोपियों की पहचान करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी नाबालिग समेत तीन नाबालिगों को पकड़ लिया। गिरफ्तार दो बालिग आरोपियों की पहचान 24 साल के महावीर नगर निवासी धर्मेंद्र और ओमकार के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक दोनों दूध बेचने का काम करते हैं।

डीडीए की नागरिक आवास योजना में 25 फीसदी छूट पर घर खरीदने का मौका

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 'डीडीए नागरिक आवास योजना 2026' के तहत दिल्ली में फ्लैट्स पर 25 प्रतिशत तक की छूट दी है। नरेला और सिरसपुर इलाके में लगभग 800 फ्लैट बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। डीडीए के अनुसार नरेला में एचआईजी, एमआईजी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के फ्लैट उपलब्ध हैं, जबकि सिरसपुर में एलआईजी श्रेणी के फ्लैटों की बिक्री की जा रही है। योजना के तहत 25 प्रतिशत छूट के बाद फ्लैटों की शुरुआती कीमतें अलग-अलग श्रेणियों में तय की गई हैं। नरेला में एचआईजी फ्लैट की शुरुआती कीमत लगभग 95.88 लाख रुपये, एमआईजी फ्लैट की कीमत करीब 66.28 लाख रुपये और ईडब्ल्यूएस फ्लैट की कीमत लगभग 9.60 लाख रुपये रखी गई है। वहीं सिरसपुर में एलआईजी फ्लैट की शुरुआती कीमत लगभग 11.51 लाख रुपये है। डीडीए का कहना है कि योजना के तहत सभी फ्लैट फ्रीहोल्ड संपत्ति के रूप में उपलब्ध होंगे और यह रेडी-टू-मूव-इन है। यानी खरीदारों को फ्लैट मिलने के बाद तुरंत उसमें रहने की सुविधा मिल सकेगी। साथ ही इच्छुक लोगों के लिए सैंपल फ्लैट भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिन्हें देखकर खरीदार निर्णय ले सकते हैं। फ्लैट की बुकिंग 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर की जा रही है।

लॉरेंस के फाइनेंसर सुखदीप हत्याकांड से जुड़े दीपक पर हमले के तार

नई दिल्ली। लॉरेंस बिश्नोई के वकील दीपक खत्री पर जानलेवा हमला करने की पटकथा दिसंबर में लिख दी गई थी। नवंबर में दुबई में लॉरेंस के करीबी और फाइनेंसर सुखदीप उर्फ सिप्पा की बेरहमी से हत्या का बदला लॉरेंस गैंग ने रोहित गोदारा के बेहद करीबी इंद्रप्रीत उर्फ पैरी की चंडीगढ़ में दिसंबर में गोली मारकर हत्या करके लिया था। तभी से अंडरवल्ड में चर्चा थी कि रोहित गोदारा शांत नहीं बैठेगा जरूर लॉरेंस गिरोह पर बड़ा हमला करेगा। माना जा रहा है कि अपने करीबी की हत्या का बदला लेने के लिए रोहित गोदारा और गोल्डी, लॉरेंस के वकील दीपक पर हमले की योजना बनाकर सुपारी रोहित सोलंकी को दी। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में रोहित सोलंकी ने बताया कि 2019 में योविन सोलंकी ने उसकी मुलाकात कपिल मान नामक गैंगस्टर से करवाई थी। 2020 में टिल्लू गिरोह ने योविन की हत्या कर दी। इसके बाद रोहित सोलंकी ने कपिल के जेल के बाहर और अंदर के सारे काम संभाल लिए। इस बीच कपिल ने उसे रोहित गोदारा की सोशल मीडिया आईडी बातचीत के लिए दी। कुछ दिनों बाद रोहित गोदारा ने रोहित को कांट्रेक्ट किलिंग के लिए तैयार रहने के लिए कहा। बदले में उसे मोटा पैसा देने के लिए कहा गया। गोदारा ने रोहित को दीपक खत्री की देहरादून की लोकेशन दी, लेकिन वहां काम नहीं बना। इस बीच रोहित सोलंकी लगातार दीपक की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। उसे पता चला कि दीपक खत्री हर मंगलवार को मरघटवाले बाबा के मंदिर में दर्शन के लिए जाता है। हमले से एक हफ्ते पहले भी उसने अपने साथी विक्रम के साथ रेकी की। बाद में गोदारा ने हमले के लिए हथियार और शूटर भेजे। 24 को रोहित सोलंकी, विक्रम और दोनों शूटर के साथ कश्मीरी गेट पहुंचा और वारदात को अंजाम दिया, लेकिन हमले में दीपक बच गया। रोहित सोलंकी हमले के बाद पश्चिम विहार पहुंचा। यहां से गुरुग्राम चला गया। उसने अपने कई मिलने वालों को संपर्क किया। वह दुबई भागना चाहता था। कोलकाता से इसने बैंकाक की फ्लाइट पकड़ भी ली। बैंकाक पहुंचने पर वहां एयरपोर्ट स्टाफ को इस पर शक हुआ, जिसके बाद उसे अगली फ्लाइट से भारत डिपोर्ट कर दिया गया। यहां आकर यह माजरा डबास में छिप गया। वारदात को अंजाम देने के लिए रोहित गोदारा ने ग्लॉक पिस्टल, पैसे और शूटर भेजे थे। घटना को अंजाम देने के लिए रोहित ने अपने दोस्त सागर से स्कूटी मांगकर लाया और शूटरों को दी। हमले के बाद शूटरों ने राजघाट के पास स्कूटी व पिस्टल दोनों को वहीं फेंक दिया। इस बीच वहां से गुजर रहे एक ट्रक चालक को पिस्टल मिली। वह उसे पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र में ले आया। यहां गलती से उससे पिस्टल चल गई। गोली चालक के सहयोगी को लगी। बाद में लोकल पुलिस को चालक ने पूरी कहानी सुनाई। पुलिस ने पिस्टल बरामद कर स्कूटी भी राजघाट के पास से बरामद कर ली। पुलिस आरोपीप रोहित सोलंकी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

एसी में शॉर्ट-सर्किट से लगी आग, बच्चों समेत सो रहे दंपती बाल-बाल बचे

अलीगढ़। अलीगढ़ में थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के समद रोड के चंदनिया हाउस में ब्यूटी पार्लर संचालक के एक मकान में बृहस्पतिवार को एसी में शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई। गनीमत रही कि आग लगने से कमरे में बच्चों सहित सो रहे दंपती की नींद खुल गई और वे शोर मचाते हुए भाग गए, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। आग से कमरे में रखा हजारों का सामान जलकर राख हो गया। शहर के सेंटर प्वाइंट पर ब्यूटी पार्लर चलाने वाले हाजी परवेज रोशन जोली का समद रोड स्थित चंदनिया हाउस में मकान है। सुबह करीब सात बजे मकान की ऊपरी मंजिल स्थित कमरे में आग लग गई। कमरे में रोशन जोली के बेटे नवेद जोली, पत्नी व दो बच्चों के साथ सोए हुए थे। घर में आग से जला सामानहाजी परवेज रोशन जोली ने बताया कि आग ने कमरे में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। आग से 50 हजार की नकदी, कपड़े, डबल बेड, सोफा सेट और अलमारी में रखा हजारों रुपये का सामान जल गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि आग लगने के समय घर में मौजूद सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

16वें वित्त आयोग की कार्यशाला में माननीय मंत्री श्री ओ.पी. राजभर ने स्थानीय निकायों . . . .

प्रथम पृष्ठ का शेष

इसके साथ ही ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर तकनीकी सीमाओं के कारण पंचायतें अपने अति-आवश्यक कार्यों जैसे पेयजल व्यवस्था व मानदेय आदि का भुगतान नहीं कर पा रही हैं. उन्होंने पूर्व के आयोगों की भांति 10त्न तकनीकी एवं प्रशासनिक मद को पुन: बहाल करने की मांग की, जिसके बिना पंचायतों में कार्यरत पंचायत सहायकों और सामुदायिक शौचालयों के केयरटेकर्स के मानदेय भुगतान में गंभीर कठिनाई आएगी. साथ ही, इतनी विशाल धनराशि के सदुपयोग और प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तर पर भी प्रशासनिक फंड की व्यवस्था को आवश्यक बताया. वित्तीय प्रतिबंधों पर बात करते हुए माननीय मंत्री जी ने स्पष्ट किया कि भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार पूर्व के आयोगों की धनराशि शेष रहने पर पूरे प्रदेश का ग्रांट रोकने का नियम अनुचित है. उत्तर प्रदेश में वर्ष 2016-17 की 14वें वित्त आयोग की परफॉर्मेंस ग्रांट में कतिपय अनियमितताओं के कारण सिर्फ 67 ग्राम पंचायतों की धनराशि जांच व कड़े प्रतिबंधों के कारण लंबित है; ऐसे में मात्र 67 पंचायतों के कारण प्रदेश की सभी 57,694 ग्राम पंचायतों का अनुदान रोकना पूर्णत: अतार्किक है. अंत में, माननीय मंत्री श्री ओ.पी. राजभर ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि केंद्र सरकार इन व्यावहारिक एवं प्रशासनिक अड़चनों को दूर कर देती है, तो यह अनुदान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जनकल्याण, सुशासन और बुनियादी ढांचे के विकास को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा.

छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाला स्कूल चेयरमैन गिरफ्तार

गुरुग्राम। छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने के मामले में पुलिस ने सेक्टर-9बी स्थित एजुक्रस्ट इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सेक्टर-9 निवासी विनय कटारिया (38) के रूप में हुई है। आरोपी चेयरमैन द्वारा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की फर्जी मान्यता दिखाकर स्कूल संचालित किया जा रहा था। मामले में अन्य आरोपी फरार हैं। न्यू कॉलोनी निवासी राजेंद्र सिंह ने सेक्टर-9 थाने में दी शिकायत में बताया कि बेटी सेक्टर-9बी स्थित एजुक्रस्ट इंटरनेशनल स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ती है। स्कूल प्रबंधन ने दाखिले के दौरान दावा किया था कि उनका स्कूल सीबीएसई से मान्यता प्राप्त है। उनकी बेटी की पढ़ाई के लिए स्कूल प्रबंधन ने ट्यूशन फीस, इमारत फंड, परीक्षा शुल्क, कंप्यूटर शुल्क विभिन्न मदों में नियमित रूप से लिया। 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के समय बेटी को प्रवेश पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया। ऐसे में उनकी बेटी के साथ ही स्कूल में पढ़ने वाले अन्य बच्चे भी 10वीं कक्षा की पहली परीक्षा नहीं दे सके। जांच करने पर शिकायतकर्ता को पता चला कि स्कूल सीबीएसई से संबद्ध नहीं है और न ही मान्यता प्राप्त है। जो पंजीकरण नंबर बताया गया वह भी गलत है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने स्कूल के चेयरमैन विनय कटारिया, प्रधानाचार्य रिद्धिमा कटारिया, उप प्रधानाचार्य सिमर बत्रा, कोऑर्डिनेटर सोनिया सहित अन्य संबंधित स्टाफ सदस्यों के खिलाफ धारा 318(4), 316(2), 3(5) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। गिरफ्तार आरोपी व स्कूल चेयरमैन विनय कटारिया ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वह पिछले आठ साल से सेक्टर-9बी में एजुक्रस्ट इंटरनेशनल स्कूल चला रहा है। उक्त स्कूल को सीबीएसई से आठवीं कक्षा तक की मान्यता है। उसने रुपये कमाने के लालच में 10वीं कक्षा की फर्जी मान्यता दिखाकर 25 बच्चों को नौवीं कक्षा व 10वीं कक्षा में दाखिला दिया था। जांच अधिकारी एएसआई हरीश ने बताया कि मामले में जांच व कार्रवाई अपराध शाखा मानेसर की पुलिस द्वारा जा रही है। स्कूल चेयरमैन विनय कटारिया को शनिवार को अदालत में पेश करके पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से स्कूल की फर्जी मान्यता सहित मामले से जुड़ी अन्य जानकारी हासिल की जाएगी। मामले में नामजद अन्य आरोपियों की भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी। वह 1 सितंबर से डीडीए फ्लैट में अकेले किराये पर रह रही थी।

आम लोगों के जरिए रिश्वत ले रहा था एएसआई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। महरौली थाने में तैनात एएसआई पप्पू राम मीणा आम नागरिक मोहम्मद शाकिब के जरिए रिश्वत ले रहा था। पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस यूनिट) ने एएसआई पप्पू राम मीणा और आम नागरिक महरौली निवासी मोहम्मद शाकिब को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नेब सराय निवासी और भर्ती एवं प्लेसमेंट कंपनी में कार्यरत शिकायतकर्ता ने 18 सितंबर को सतर्कता शाखा में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि 10 सितंबर को प्रॉपर्टी डीलर के साथ मामूली विवाद के बाद एएसआई पीआर मीणा उसका दोपहिया वाहन महरौली थाने ले गया। आरोप है कि एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता से बाइक छोड़ने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल महरौली पुलिस थाने में 10 सितंबर को प्राप्त हुई थी। महरौली थाने में तैनात एएसआई पीआर मीणा को जांच सौंपी गई। एएसआई पीआर मीणा ने शिकायतकर्ता की बाइक का ताला तोड़कर उसके घर से पुलिस स्टेशन ले आया। शिकायत के बाद महरौली पुलिस थाने में सतर्कता इकाई ने ट्रैप लगाया। एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किस्त 5000 रुपये एक आम नागरिक मोहम्मद शाकिर को सौंपने का निर्देश दिया। मोहम्मद शाकिर को एएसआई ने महरौली थाने में बुलाया था। सतर्कता टीम ने मोहम्मद शाकिर और एएसआई पप्पू राम मीणा दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

PUBLIC NOTICE

This Notice is hereby given to general public that my client Mrs. Rubina Parveen who claimed to be owner and in possession of the Entire Ground Floor, (with Terrace Rights), of Property bearing no. 82, area measuring 35 sq. yds., out of Khasra No. 232/7-6, 231/6-18, and Khewat No. 33, Khatauni No. 207, & Khewat No. 19, & Khatauni No. 69, part-C, situated in the Hari Nagar Ashram, New Delhi, who was the owner by virtue Sale Deed dated 25.11.2024, having Doc. No. 2024/9/1/763, now they approached AU Bank Finance Ltd., for financial assistance and therefore the property shall be mortgaged with the said Bank. I here by giving \ this public notice that Before Sale Deed dated 25.11.2024 all the document are lost/missing, if any person found so kindly hand over the document to AU Small finance bank at Uttam Nagar, also if any person having any claim/objection regarding ownership and/or creating mortgage of the said property or any part of the said property in favour of AU Bank Finance Ltd., is/are hereby requested to notify the same in writing to undersigned with supporting documentary evidence at the address mention below within 15 days from the date of publication of this notice, failing which any claim, if any, of such persons will be consider to have been waived and/or, abandoned and our client shall proceed with the disbursement of loan against the said property and subsequent creation of Mortgage in respect thereof.

NAME CHANGE

I, ALOK S/o NAND KISHORE R/o BG 7/4, 2ND FLOOR, PASCHIM VIHAR B-BLOCK, Delhi-110063 have changed my name to ALOK VIRMANI.

NAME CHANGE

I, MANOJ CHAUHAN Son of SUKHVEER SINGH Residing at House No. J-126, Sourabh Vihar, Near Anand Medical Hari Nagar Extension, Badarpur South Delhi, Delhi-110044 have changed the name of my minor Daughter namely POONA alias PALAK CHAUHAN aged 14 years and she shall hereafter be known as PALAK CHAUHAN.

NAME CHANGE

I, MOHD REHMAT ALI S/o MOHD ANUL HAQUE R/o B B-104 GALI NO-3 SUBHASH BASTI NABI KARIM PAHAR GANJ, DELHI-110055 have changed my name to RAHMAT ALI.

NAME CHANGE

I, USHA D/O NARENDER KUMAR JAYESH W/O PRAVEEN KUMAR R/O C-390, STREET NO.16, NEAR SHYAM LAL ATA CHAKKI, BHAJAN PURA, NORTH EAST DELHI, DELHI-110053 declared that USHA JAYESH AND USHA are one and the same person for all future purposes.

NAME CHANGE

I, PANDYA NARBAHI RAM father of No-14834858A, Rank-NK, Name-PANDYA PRAKASH KUMAR NARBHAIRAM residing at G4, RAMJI MANDIR THAKOR VAS, DHOLI, ANAND, GUJARAT-388365, have changed my name PANDYA NARBAHI RAM to PANDYA NARBHAIRAM for all future purposes vide Affidavit Dated 03/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I,KARAN S/o CHANDER MOHAN R/o FB-105 2ND FLOOR, MANSAROVAR GARDEN, RING ROAD, DELHI-110015 have changed my name to KARAN ARORA.

NAME CHANGE

I Suruchi Malhotra W/O Gagan Vij, R/O 39, State bank Nagar, Paschim Vihar, New Delhi- 63 have changed my name from Suruchi to Suruchi Malhotra For all future purposes

NAME CHANGE

I, SHAREEFABI wife of No.-15438483M, Rank-SEP, Name-MOHAMMED SAHEER BM residing at BASHEER MANZIL, AMINI ISLAND, LAKSHADWEEP-682552, have changed my name from SHAREEFABI to SHAREEFABI T K for all future purposes vide Affidavit dated 03/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ROOPWATI W/O MAHA SINGH KANWAR R/O C-85, BLOCK-C, NETAJI NAGAR, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110023 have changed my name and shall hereafter be known as ROOP WATI BAI. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ALOK KUMAR S/O RAMANAND SINGH R/O PLOT N-523,524, KH NO.43/8, ANAJ MANDI. INDRA MARKET, NAJAFGARH, PO-NAJAFGARH, DIST-SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as ALOK and SARITA in my minor daughter's namely SNEHA aged 16 years in her School Record. The actual name of mine and my wife are ALOK KUMAR and SARITA DEVI respectively which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, MANENDRA KUMAR S/o CHANDRIKA PRASAD R/o VILL-ATHARAHA, PO-GAUNARIA, DIST-KUSHINAGAR, UTTAR PRADESH-274301, have changed my daughters' name from ADITEE to ADITEE SINGHANIYA from all future purposes, my daughters' correct date of birth is 18-11-2012.

NAME CHANGE

I neetu w/o rajkumar R/o H .N 24 KH NO 40/10 gali no 27 b block Indraprasth colony Burari delhi 110084 have changed my name to Neetu Rani for all future purposes .

NAME CHANGE

I Vidit S/o Manish Khanna R/o P2, 301 Ushay Tower Parker Mall Sector 61 Kundli Sonipat Haryana 131028 have changed my name to vidit khanna for all future purpose

NAME CHANGE

I,PRATEEK SAI DUTT R/o B1/1201, Summer Palms, Sector-86, Faridabad-121002, Haryana, have changed my minor daughter's name from VIBHUTI to VIBHUTI DUTT permanently.

NAME CHANGE

I, MOHD FAHIM S/O MOHAMMAD GULZAR R/O HOUSE NO. 2372 GALI MASTER BADRUL ISLAM KUCHA CHELAN DARYA GANJ NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGED MY NAME FROM YAHYA KHAN, YAYAH KHAN AND FAHIM TO MOHD FAHIM FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I, KAUSER W/O ANWAR R/O HOUSE NO. 2310 FOURTH FLOOR OLD 1489-B BAZAR SITA RAM BEHIND KALAN MASJID DELHI - 110006, HAVE CHANGED MY NAME FROM KAUSHAR KHATOON AND KAUSAR TO KAUSER FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I, MUZAFFAR ALI S/O GHAZANFAR ALI R/O HOUSE NO. O-22/A 3RD FLOOR BATLA HOUSE NEAR SHAHAB MASJID ROAD JAMIA NAGAR DELHI - 110025, HAVE CHANGE MY NAME FROM SAYED MUZAFAR ALI AND MUZAFFER ALI TO MUZAFFAR ALI FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I, MOHD TAHIR S/O MOHD IBRAHEEM R/O HOUSE NO. 282 GALI GARHAIYYA BAZAR MATIA MAHAL JAMA MASJID DELHI - 110006, HAVE CHANGED MY NAME SPELLING FROM MOHAMMAD TAHIR TO MOHD TAHIR FOR FUTURE.

NAME CHANGE

I, KUSUM LATA W/o Praveen Kumar Pal R/o H.37, Gali No.3, Shakarpur, Delhi-110092, have changed my name from KUSUM LATA to KUSUM permanently

NAME CHANGE

I, hitherto known as BALVENDRA SINGH S/O RAJENDRA TYAGI R/O 103, Talab ke Pass, Pilana, PO: Pilana DIST: Baghpat, Uttar Pradesh-250515 have Changed my name and shall hereafter be known as ANKUR TYAGI.

NAME CHANGE

I, hitherto Known as ANJALI VERMA W/O JAYVEER CHAUDHARY R/O Awas Vikas 2 Indra Colony Bhaipura Road Stedum, Bulandshahr, PO: Bulandshahr, DIST: Bulandshahr, Uttar Pradesh-203001 have changed my name and shall hereafter be known as RASHMI.

NAME CHANGE

I hitherto known as ANITA W/o VICKY KUMAR, R/o B-1/90 Madhu Vihar Uttam Nagar 110059, have changed my name and shall hereafter be known as ANITA SHARMA.

NAME CHANGE

I hitherto known as MD KILSMAT alias MOHAMMAD SHAKIL S/o Mohammad Abid, R/o Plot No C-163 Gali No-2 C-Block Madhu Vihar Uttam Nagar New Delhi 110059 India, have changed my name and shall hereafter known as MOHAMMAD SHAKIL.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client 1. Mr. Sanjay Gupta (50% Share), 2. Mr. Rohtash Kumar Jain (25% Share) & 3. Mr. Tarsem Kumar Jain (25% Share) are the owner of Freehold Residential Property No. 221-A, area measuring 50 Sq. Yds., i.e., 41.81 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 128, Situated in the revenue estate of Village Bindapur, Delhi State Delhi, Colony Known as Vani Vihar, in Block O Extn., Uttam Nagar, New Delhi 110059., by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 03.05.2026. now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Agni Shekhar and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री चिन्ना कुरुप्पन मेय्या नाथन, श्रीमती संतोष अग्रवाल से प्लॉट संख्या P-3/10, क्षेत्रफल 385 वर्ग गज, जो खसरा संख्या 313, 318 एवं 319 में स्थित है, ग्राम मामूरपुर, दिल्ली, आबादी जिसे बावाना रोड, एसबीआई बैंक, मंडी एक्सटेंशन के सामने, नरेला, नई दिल्ली-110040 के नाम से जाना जाता है, क्रय करने का इरादा रखते हैं, उक्त संपूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री राजिंदर प्रसाद, श्री सुरिंदर प्रसाद, श्री जितेंद्र प्रसाद, श्री शिव चरण दास एवं श्री सतीश चंदर थे, जिन्होंने दिनांक 13.04.1970 एवं 03.09.1971 की दो विक्रय विलेखों के माध्यम से उक्त संपत्ति का अधिग्रहण किया था। तत्पश्चात उन्होंने दिनांक 11.11.1988 के पंजीकृत विभाजन विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति का आपस में विभाजन कर लिया, इसके उपरांत श्री जितेंद्र प्रसाद ने अपने एक-तिहाई (1/3) हिस्से का हस्तांतरण श्री राजिंदर प्रसाद एवं श्री सुरिंदर प्रसाद के पक्ष में एक अपंजीकृत सामान्य मुख्तारनामा तथा एक उपहार विलेख के माध्यम से किया। इसके पश्चात श्री जितेंद्र प्रसाद ने अपने उक्त एक-तिहाई (1/3) हिस्से का हस्तांतरण पुन: दिनांक 31.05.2010 के विमोचन विलेख के माध्यम से श्री राजिंदर प्रसाद एवं श्री सुरिंदर प्रसाद के पक्ष में किया, तत्पश्चात श्री राजिंदर प्रसाद एवं श्री सुरिंदर प्रसाद ने दिनांक 23.11.2012 के पंजीकृत विभाजन विलेख के माध्यम से संपत्ति का आपस में विभाजन कर लिया, दुर्भाग्यवश, श्री सुरिंदर प्रसाद अग्रवाल का निधन हो गया, जिसके उपरांत उनके विधिक उत्तराधिकारी क्रमश: श्रीमती संतोष अग्रवाल, श्रीमती शीतल अग्रवाल एवं श्री सुमित अग्रवाल हैं। तत्पश्चात श्री सुमित अग्रवाल एवं श्रीमती शीतल अग्रवाल ने दिनांक 08.05.2026 के त्यागपत्र विलेख के माध्यम से अपने-अपने अधिकार एवं हिस्से श्रीमती संतोष अग्रवाल के पक्ष में त्याग दिए, उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार अथवा बंधक से पूर्णत: मुक्त है तथा वर्तमान में उक्त संपत्ति का वास्तविक एवं वैधानिक कब्जा श्रीमती संतोष अग्रवाल के पास है, उक्त संपत्ति के क्रय हेतु वित्तीय सहायता आरबीएल बैंक लिमिटेड, शाखा ङ्क बिल्डिंग नं. 1, प्रथम तल, मोदी मिल कंपाउंड, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चैंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री विशाल भदारी एवं श्री रजनीश कुमार संपत्ति संख्या 1898/18, खसरा संख्या 25, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, स्थित गोविंदपुरी एक्सटेंशन, कालकाजी, नई दिल्ली-110019 को श्री परमजीत सिंह से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं, उक्त संपत्ति का स्वामित्व मूलत: श्रीमती भगवती देवी के पास था, जिन्होंने दिनांक 19.03.1974 के जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति के अधिकार प्रदान किए थे। तत्पश्चात उन्होंने दिनांक 06.09.1989 को श्रीमती नसीब कौर के पक्ष में उक्त संपत्ति के संबंध में विशेष पावर ऑफ अटॉर्नी निष्पादित की, इसके उपरांत श्री हरभजन सिंह परदेसी का दिनांक 22.01.2016, श्रीमती नसीब कौर का दिनांक 13.04.2016 तथा श्री भूपिंदर पाल सिंह का दिनांक 25.07.2023 को निधन हो गया। उपर्युक्त व्यक्तियों के निधन के पश्चात श्री करनदीप सिंह ने अपने हिस्से के संबंध में श्री जगजीत सिंह के पक्ष में एक जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी निष्पादित की, तत्पश्चात श्रीमती हरविंदर कौर एवं श्री करनदीप सिंह (अपने अधिकारों के श्री जगजीत सिंह के माध्यम से), सुश्री जसमीन कौर, श्री कमलजीत सिंह तथा श्रीमती बलविंदर कौर ने दिनांक 26.05.2026 के रिलिंक्विशमेंट डीड, जो दस्तावेज संख्या 2025/10/इ/4433, पुस्तक-I, वॉल्यूम संख्या 20236, पृष्ठ 85 से 102, कार्यालय उप-पंजीयक, दक्षिण-पूर्व, महरौली, दिल्ली में पंजीकृत है, के माध्यम से उक्त संपत्ति में अपने समस्त अधिकार, स्वामित्व एवं हित श्री परमजीत सिंह के पक्ष में त्याग कर दिए हैं। तत्पश्चात श्री परमजीत सिंह उक्त संपत्ति के वैध अधिकारधारी हैं तथा वर्तमान में उक्त संपत्ति के शांतिपूर्ण भौतिक कब्जे में हैं। उपलब्ध अभिलेखों एवं प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के बंधक, भार, ग्रहणाधिकार, वाद-विवाद, अधिग्रहण अथवा किसी तृतीय पक्ष के दावे से मुक्त प्रतीत होती है। मेरे मुवक्किल उक्त संपत्ति को श्री परमजीत सिंह से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं तथा इस हेतु वित्तीय सहायता आरबीएल बैंक लिमिटेड, भवन संख्या 1, प्रथम तल, मोदी मिल कंपाउंड, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की जानी प्रस्तावित है। अतः यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य किसी पक्ष का उपरोक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, दावा, हित, आपत्ति, बंधक, भार, वाद-विवाद अथवा अन्य कोई आपत्ति हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति के समर्थन में समस्त संबंधित दस्तावेजों सहित लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को पंजीकृत डाक तथा ई-मेल के माध्यम से प्रेषित करें। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा अथवा आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह माना जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार, दावा अथवा आपत्ति नहीं है तथा उसके बाद प्राप्त किया गया कोई भी दावा या आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी और उक्त संपत्ति के संबंध में निरस्त एवं अप्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चैंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw@wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I Abhijeet Bhatt s/o Yogeshwar R Bhatt R/o J154 Reserve Bank Enclave,Paschim Vihar, New Delhi.110063 have changed my name to Abhijeet Y Bhatt for all future purpose

NAME CHANGE

I Lakshya Narang, s/o: Harsh Narang, R/O: N- 257 F F Mayfild Garden, sector-51, Isiampur(97), Gurgaon Haryana-122018 , have changed my name to Lakshay Narang

NAME CHANGE

I, Bal Kishan S/O Mohan Chand Upadhyay R/O K-31/9, Mohan Park Model Town-3 Dr. Mukerjee Nagar S.O, DIST North West Delhi, Delhi 110009 I, Have Changed my Name To Balkishan Upadhyay

NAME CHANGE

I, SADIA KHAN W/O MOHD MUDASSIR residing at 861 3RD FLOOR, GALI FARASH WALI HAVELI AZAM KHAN, BAZAR CHITLI QABAR, JAMA MASJID, DELHI-110006 have changed my name to SADIYA KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SOSA KOMALBEN wife of No.-14878395W, Rank-SEP, Name-JAKHOTRA CHETAN BHAGWANBHAI residing at VILL-YAJPUR, PO-VAVARDA, TEHSIL-UNA, DIST-GIR SOMNATH, GUJRAT-362560, have changed my name from SOSA KOMALBEN KALABHAI to KOMALBEN CHETAN JAKHOTRA for all future purposes vide Affidavit dated 03/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I KUM. RANI W/O UPKAR SINGH , R/O 6/71 , FIRST FLOOR, DOUBLE STOREY, TILAK NAGAR,NEW DELHI ,110018 have changed my name from KUM.RANI to PREET KAUR For all future purposes.

NAME CHANGE

I, TAMADA SWATHI wife of No.14667700N, Rank-HAV Name-RAVI REYYA Residing at- 00, KOTTA VEEDHI, PALLISARADHI, VAJRAPU KOTTURU, PO-PALLISARADHI, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532222, have changed my name from TAMADA SWATHI to REYYA SWATHI for all future purposes vide Affidavit dated 03/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 14689184K Rank-HAV Name-YADAV SUHAS YASHWANT legal father of JAYDEEP Residing at-VPO-KURUNDWAD, TEHSIL-SHIROL, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416106, have changed my minor son's name from JAYDEEP to JAYDEEP SUHAS YADAV for all future purposes vide affidavit dated 03/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा आईएमटी: जमीन एकत्रीकरण के लिए दो एचसीएस अधिकारी नियुक्त

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में औद्योगिक अवसंरचना के विस्तार को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अम्बाला और नारायणगढ़ में प्रस्तावित इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) के लिए भूमि एकत्रीकरण कार्य की निगरानी हेतु दो एचसीएस अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। दर्शन कुमार, उपमंडल अधिकारी (नागरिक), अंबाला को प्रस्तावित आईएमटी, अंबाला के लिए भूमि एकत्रीकरण का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वह अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ इस जिम्मेदारी का भी निर्वहन करेंगे। इसी प्रकार, शिवजीत भारती, उपमंडल अधिकारी (नागरिक), नारायणगढ़ तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी-सह-कार्यकारी निदेशक, नारायणगढ़ शुगर मिल्स को प्रस्तावित आईएमटी, नारायणगढ़ के लिए भूमि एकत्रीकरण का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वह भी अपने वर्तमान कार्यभार के अतिरिक्त इस जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगी। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, इन अधिकारियों की नियुक्ति नवसृजित पदों के विरुद्ध की गई है, ताकि प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं के लिए भूमि एकत्रीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके।

सिरसा में एचटेट परीक्षा केंद्रों पर तैनात होंगे 550 पुलिस कर्मी

सिरसा। सिरसा के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा चार व पांच जुलाई को आयोजित होने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए हैं। जिले के 24 परीक्षा केंद्रों पर करीब 550 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सुरक्षा व्यवस्था एवं परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए ईआरवी, पीसीआर व राइडर लगातार निगरानी पर रहेंगे। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि परीक्षा ड्यूटी में तैनात जिला पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को विशेष निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास गहन जांच अभियान चलाया जाए तथा केंद्रों के बाहर अनावश्यक भीड़ एकत्रित न होने दी जाए। साथ ही आसपास स्थित कोचिंग संस्थानों और संवेदनशील स्थानों पर भी विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए। एसपी साहब ने बताया कि परीक्षा के दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर पुलिस नाके स्थापित किए जाएंगे,जहां से गुजरने वाले वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच की जाएगी। सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता एवं सजगता के साथ ड्यूटी निभाने तथा असामाजिक एवं संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मानसून की पहली बारिश में जलभराव, किसानों को मिली राहत

सोनीपत। मानसून की पहली बारिश ने सोनीपत और गन्नौर में नगर निगम व स्थानीय निकायों की तैयारियों की पोल खोल दी। गुरुवार की अल सुबह हुई बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली और बच्चों से लेकर युवाओं तक ने मानसूनी फुहारों का आनंद लिया। वहीं शहर, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में कई स्थानों पर जलभराव से लोगों की परेशानी बढ़ गई। सोनीपत शहर की कॉलोनियों, मुख्य सड़कों, अंडरपास और गांवों में पानी भरने से वाहन चालकों और राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सीवर लाइन और नालों की डी-सिल्टिंग पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद पहली ही बारिश में जल निकासी व्यवस्था कमजोर साबित हुई। इससे आगामी दिनों में संभावित तेज बारिश को लेकर लोगों की चिंता बढ़ गई है। बारिश के बाद किसानों ने धान की रोपाई की तैयारियां तेज कर दी हैं। कई किसानों ने धान की रोपाई भी शुरू कर दी। किसानों का कहना है कि मानसून आने से धान की फसल के लिए पर्याप्त पानी मिलने की उम्मीद बढ़ गई है, जिससे सिंचाई का खर्च भी कम होगा। मौसम विभाग के अनुसार इस बार हरियाणा में मानसून सामान्य से करीब 48 घंटे की देरी से पहुंचा है। पिछले बारह वर्षों में यह दूसरा अवसर है जब मानसून इतनी देरी से सक्रिय हुआ है। इससे पहले वर्ष 2014 में भी एक जुलाई को मानसून ने प्रदेश में दस्तक दी थी।

हिसार में एंटी नारकोटिक्स सेल ने बरामद किया 53 किलोग्राम डोडा पोस्त

हिसार। हिसार पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने वाणिज्य मात्रा में 53 किलो 240 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया है। इस कार्रवाई में तस्करी में इस्तेमाल एक स्विफ्ट कार को भी जब्त करके अर्बन एस्टेट थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम हाईवे एनएच-9ए पर रायपुर रेलवे पुल के नजदीक थी। इसी दौरान टीम को गुप्त सूचना मिली कि एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार में तीन युवक भारी मात्रा में डोडा पोस्त लेकर हिसार की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने रायपुर चौक के निकट नाकाबंदी कर दी। नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध स्विफ्ट कार सड़क किनारे खड़ी दिखाई दी। पुलिस टीम को देखकर कार में सवार तीनों युवक वाहन को मौके पर छोड़कर खेतों की ओर भाग गए। के करौली जिले में पंजीकृत पाई गई। वाहन स्वामी एवं वाहन किराये पर लेने वाले व्यक्तियों से पूछताछ के आधार पर वाहन एक संदिग्ध व्यक्ति के कब्जे में होना पाया गया।

हरियाणा में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के लिए सभी राजनीतिक दल अपने बीएलए की बीएलओ के साथ बैठकें निर्धारित करें : ए. श्रीनिवास

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने सभी राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से आह्वान किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार राज्य में चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार अपने बूथ लेवल एजेंटस की बूथ लेवल अधिकारियों के साथ बैठकें आयोजित करें और इसकी तिथि व समय की जानकारी चुनाव कार्य में लगे अधिकारियों को अग्रिम रूप से सूचित करें और इसकी उचित वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी सुनिश्चित करवाएं। मतदाता सूचियों का यह विशेष गहन पुनरीक्षण 14 जुलाई, 2026 तक जारी रहेगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 22 सितंबर, 2026 को होना निर्धारित है। ए. श्रीनिवास आज चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित अपने कार्यालय में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एसआइआर को लेकर बैठक कर रहे थे। उन्होंने सूचित किया कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। जिन मामलों में 'गणना फॉर्म' वापस नहीं मिले हैं, वहां बूथ स्तर के अधिकारी पड़ोस के निवासियों से पूछताछ कर 'अनुपस्थित', 'स्थानांतरित', 'मृत', या 'डुप्लिकेट' जैसे संभावित कारणों की पहचान कर सकते हैं और उसी के अनुसार रिकॉर्ड दर्ज कर सकते हैं। बीएलओ को निर्देश दिया गया है कि वे जानकारी एकत्र करने के लिए ऐसे प्रत्येक घर का

कम से कम तीन बार दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम प्रारूप सूची में शामिल नहीं हैं, उनकी बूथ-वार सूची पंचायत भवनों, शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों और ब्लॉक विकास एवं पंचायत अधिकारियों के कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी ताकि जनता की इन सूचियों तक पहुंच सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही नाम शामिल न होने के संभावित कारण भी प्रदर्शित किए जाएंगे।आयोग ने सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इन सूचियों को संकलित करने और उन्हें सीईओ की वेबसाइट पर सुलभ प्रारूप में अपलोड करने के साथ-साथ संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों की वेबसाइटों पर भी ऐसी ही सूचियां अपलोड करने का निर्देश दिया है।

घर-घर जाकर गणना की प्रक्रिया के दौरान, बीएलओ को नए मतदाताओं के नामांकन की सुविधा के लिए कम से कम 30-40 खाली फॉर्म-6 आवेदन और खाली घोषणा पत्र (अनुबंध-4) साथ ले जाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि अधिनियम 1950 की धारा 17 व 18 के अनुसार कोई भी व्यक्ति एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता के रूप में अपना पंजीकरण करवाने का हकदार नहीं है। बीएलए भी मतदाताओं से गणना फॉर्म एकत्र कर बीएलओ को सौंप सकते हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार, शादी या किसी अन्य कारणों से मतदाता स्थायी रूप से किसी दूसरी पोलिंग स्टेशन में शिफ्ट हो गए हैं और ऐसे मतदाताओं ने पिछले पंजीकृत पोलिंग स्टेशन से अपना नाम नहीं कटवाया है तो ऐसे स्थायी रूप से शिफ्ट हुए मतदाताओं के गणना पत्र उसके परिवार के किसी सदस्य को संबंधित बीएलओ को वापिस करना होगा। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि यदि घर-घर सर्वेक्षण के दौरान कोई मतदाता मौजूद नहीं है, तो परिवार का कोई भी वयस्क सदस्य फॉर्म पर हस्ताक्षर करके उसे बीएलओ को सौंप सकता है।

सरकार समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध : जसमेर सिंह बंजारा

एजेंसी

जींद। हरियाणा विमुक्त घुमंतू एवं अर्ध घुमंतू कल्याण बोर्ड के चेयरमैन जसमेर सिंह बंजारा ने कहा कि विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध घुमंतू जातियों के पात्र लोगों की पहचान कर उन्हें सरकार द्वारा संचालित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए। सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। चेयरमैन जसमेर सिंह बंजारा लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। डीएनटी के चेयरमैन जसमेर सिंह बंजारा ने कहा कि हरियाणा की नायब सरकार समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा विमुक्त एवं घुमंतू समुदाय के लोगों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पारदर्शी और प्रभावी ढंग से पहुंचे। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार, कौशल विकास, आवास, सामाजिक सुरक्षा, छात्रवृत्तिए पेंशन तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ डीएनटी जाति के पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा की जाए और पात्र लाभार्थियों को बिना किसी अनावश्यक देरी के लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जींद हांसी रोड स्थित टपरिवास कॉलोनी में रह रहे लोगों के लिए बिजली, पीने के स्वच्छ पानी, सीवरेज की सफाई व्यवस्था, वहां रह रहे लोगों के आधार कार्ड, राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, वोटर कार्ड, जाति प्रमाण पत्र जैसी मुलभूत सुविधाएं मुहैया करवाना सुनिश्चित करे।

निक्षय मित्र बनकर हरियाणा को टीबी मुक्त बनाने में सहयोग करें : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने राज्य के लोगों से निक्षय मित्र बनकर हरियाणा को टीबी मुक्त बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया है। उन्होंने 'टीबी मुक्त भारत ऐप' का उपयोग भी बड़े पैमाने पर करने की अपील की है। स्वास्थ्य मंत्री ने आज यहां कहा कि प्रधानमंत्री के 'टीबी मुक्त भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में हरियाणा ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सभी जिलों में नए लॉन्च किए गए 'टीबी मुक्त भारत ऐप' का उपयोग बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP) के तहत यह ऐप मरीजों, निक्षय मित्रों, स्वयंसेवकों (वॉलंटियर्स) और स्वास्थ्य अधिकारियों को एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोड़ने का काम कर रहा है। आरती सिंह राव ने बताया कि इस ऐप पर अब तक कुल पंजीकरणों की संख्या 32,643 तक पहुंच गई है, जिससे हरियाणा कुल पंजीकरण के मामले में देश भर में दूसरे स्थान पर आ गया है। इस

ऐप पर हरियाणा के 22,266 स्वयंसेवकों ने मरीजों को भोजन की टोकरी (पोषण किट) के वितरण और मानसिक-सामाजिक सहायता प्रदान करने के लिए पंजीकरण कराया है, जबकि 1,997 नए निक्षय मित्रों ने मरीजों को गोद लेने और उन्हें पोषण संबंधी व नैदानिक सहायता देने के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया है।स्वास्थ्य मंत्री ने ऐप की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस ऐप में 'खुशी ई-संगिनी' नाम से एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित चैटबॉट शामिल है, जो 12 भाषाओं में उपलब्ध है। यह चैटबॉट टीबी के लक्षणों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ जीपीएस (GPS) के जरिए उपयोगकर्ताओं को नजदीकी जांच केंद्र ढूंढने में भी मदद करता है। यह ऐप पूरी तरह से मरीज-केंद्रित है, जहां टीबी के मरीज अपनी 'निक्षय आईडी' (Ni-kshay ID) का उपयोग करके लॉग इन कर सकते हैं और अपना व्यक्तिगत उपचार चार्ट देख सकते हैं। इसके साथ ही, मरीजों को समय पर दवा लेने के लिए प्रेरित करने के लिए इसमें दैनिक दवा रिमाइंडर (अलार्म) की विशेष सुविधा दी गई है ताकि उनका इलाज बीच में न छूटे।

'हर जोर-जुल्म की टक्कर में... अनिल विज तुम्हारा है', बिजली कर्मचारियों के बीच पहुंचे ऊर्जा मंत्री का अलग अंदाज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज आज प्रदेशभर से अम्बाला में जुटे हजारों प्रदर्शनकारी बिजली कर्मचारियों के बीच पहुंच गए जिसके बाद पूरा माहौल ही बदल गया। ऊर्जा मंत्री अनिल विज खुद ज्ञापन कर्मचारियों के बीच ज्ञापन लेने पहुंच गए और उन्होंने न सिर्फ कर्मचारियों से बातचीत की बल्कि मंच से उनके नारों में अपना नाम भी जोड़ा। ऊर्जा मंत्री अनिल विज अपने बेबाक अंदाज के लिए प्रसिद्ध है और आज उनके आवास के समक्ष प्रदर्शन कर रहे एचएसईबी वर्कर्स यूनियन के कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे थे। देर शाम अपने आवास पहुंचे मंत्री अनिल विज अपनी गाड़ी से उतर सीधा कर्मचारियों के बीच पहुंचे। उनके आने आते ही माहौल एकदम बदल गया। मंत्री खुद ज्ञापन लेने उन कर्मचारियों के बीच पहुंचे जिससे नजारा पूरी तरह बदल गया। इस दौरान मंत्री अनिल विज ने कर्मचारियों से कहा कि मैं खुद ज्ञापन लेने आपके बीच आ गया और ज़ब मैं यहां पहुंचा तो आप नारा लगा रहे थे, 'हर जोर जुल्म की टक्कर मे संघर्ष हमारा नारा है, इसमें अब आप एक लाइन और जोड़ दो कि, 'हर

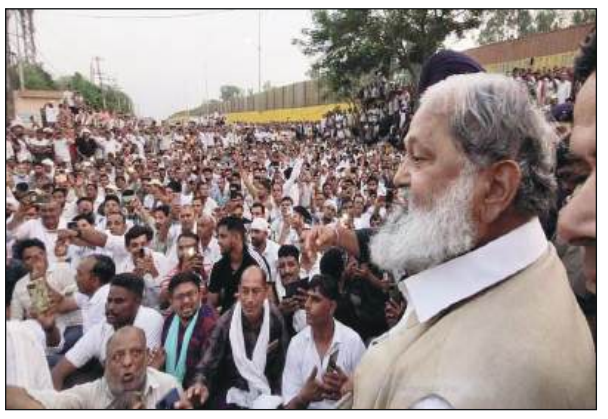

जोर जुल्म की टक्कर मे संघर्ष हमारा नारा है और 'अनिल विज तुम्हारा है'। अंबाला मे हरियाणा भर से इकट्ठा हुए सैकड़ों कर्मचारियों के बीच पहुंच कर ज्ञापन लेने के बाद विज ने मंच से बिजली कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि उनकी जो मांगे हैं उसपर कार्रवाई के लिए आगामी दिनों में यूनियन पदाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों की संयुक्त बैठक बुलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि यह बैठक कुछ दिन बाद होगी क्योंकि उनके भाई अभी पीजीआई चंडीगढ़ में दाखिल है और उनके ईलाज के बाद जल्द बैठक होगी। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कर्मचारियों के एलाउंस की मांग पर कहा कि उन्होंने अपने दफ्तर के अधिकारियों को उक्त फाइल बनाने के लिए कह भी दिया है जिस पर कार्रवाई होगी।

विकसित भारत के संकल्प में हरियाणा निभाएगा अग्रणी भूमिका : नायब सिंह सैनी

पारदर्शी नीतियों और बेहतर सुविधाओं से हरियाणा में बढ़ रहा निवेशकों का विश्वास : मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में हरियाणा अग्रणी भूमिका निभाएगा। गुरुग्राम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 1966 में हरियाणा के गठन के बाद प्रत्येक सरकार ने अपने स्तर पर प्रदेश के विकास में योगदान दिया है, लेकिन पिछले लगभग 11 वर्षों में विकास की गति और कार्य संस्कृति में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा देश के अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है और सरकार का लक्ष्य विकास की इस रफ्तार को और तेज करना है। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा भी उपस्थित थे मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार युवाओं, किसानों, महिलाओं, गरीबों और समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में डबल इंजन सरकार ने प्रदेश में पारदर्शी एवं जनहितैषी शासन व्यवस्था स्थापित कर लोगों का विश्वास मजबूत किया है। यही विश्वास हरियाणा को आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास के नए आयामों तक पहुंचाने का आधार बनेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सहभागिता आधारित नीति पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पहली बार बजट निर्माण से पहले उद्योग जगत सहित विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श की

परंपरा शुरू की गई है, ताकि उनकी जरूरतों और सुझावों को नीतियों में शामिल किया जा सके। इसी सोच के अनुरूप नई औद्योगिक नीति तैयार करने से पहले देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों की सर्वोत्तम व्यवस्थाओं का अध्ययन किया गया। इसके बाद उद्योग संगठनों के साथ कई दौर की बैठकें कर उनके सुझावों को नीति में समाहित किया गया, जिससे हरियाणा की औद्योगिक नीति निवेशकों की अपेक्षाओं के अनुरूप और अधिक प्रभावी बन सकी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने नई औद्योगिक नीति के माध्यम से प्रदेश में 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया है और नीति के शुभारंभ के दिन ही 1.10 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त होना इस दिशा में उद्योग जगत के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि निवेशकों की सुविधा के लिए सिंगल विंडो प्रणाली को और अधिक सरल एवं प्रभावी बनाया गया है, ताकि आवश्यक अनुमतियां 14 से 15 दिनों के भीतर उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही प्रदेश में 10 नई आईएमटी विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिनमें से कई पर कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में जापान दौरे के दौरान भी हरियाणा को हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। सरकार का उद्देश्य निवेशकों को विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर हरियाणा को देश का सबसे पसंदीदा औद्योगिक निवेश केंद्र बनाना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की नई औद्योगिक नीति के तहत हरियाणा के युवाओं को रोजगार देने वाले उद्योगों को पहले की तुलना में अधिक प्रोत्साहन राशि दी जा रही है, पूर्व में यह राशि 48 हजार थी, जिसे बढ़ाकर अब एक लाख किया गया है, वहीं दिव्यांग व्यक्ति को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर यह राशि 1 लाख 25 हजार निर्धारित की गई है। जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

एचटेट-2026 : पुलिस अलर्ट, परीक्षा केंद्रों पर दो बार होगी जांच, सीसीटीवी निगरानी

एजेंसी

चंडीगढ़। राज्य में 4 और 5 जुलाई को आयोजित होने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में कराने के लिए हरियाणा पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी की निगरानी रहेगी तो बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद अभ्यार्थी को केंद्र में प्रवेश की अनुमति मिलेगी। वहीं, डायल-112 के साथ पुलिस के वाहनों की गश्त निरंतर रहेगी।

एचटेट को लेकर पुलिस की तैयारियों के संबंध में पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने सभी पुलिस आयुक्तों एवं जिला पुलिस अधीक्षकों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक हरियाणा अजय सिंघल ने कहा कि हरियाणा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता एचटेट-2026 परीक्षा को पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना है। इसके लिए राज्यभर में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने कहा कि सभी पुलिस आयुक्तों एवं जिला पुलिस अधीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर कोई कमी न रहे तथा नकल, अफवाह फैलाने, परीक्षा में व्यवधान

उत्पन्न करने अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध तुरंत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। सोशल मीडिया की निरंतर निगरानी, खुफिया तंत्र की सक्रियता, दोहरी फ्रिस्किंग, सीसीटीवी निगरानी तथा क्विक रिस्पॉन्स टीमों की तैनाती के माध्यम से परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में महिला एवं पुरुष पुलिस कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। परीक्षा केंद्रों के साथ-साथ प्रश्न पत्रों के भंडारण स्थलों (ट्रेजरी) तथा प्रश्न पत्रों के सुरक्षित परिवहन के दौरान भी विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू रहेगी। पुलिस मुख्यालय ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिले में राजपत्रित अधिकारियों को परीक्षा सुरक्षा व्यवस्था का प्रभारी नियुक्त किया गया है। परीक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को ड्यूटी से पूर्व राजपत्रित अधिकारी द्वारा विस्तृत ब्रीफिंग दी जाएगी। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ अधिकारी परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, कानून-व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। परीक्षा के दौरान नकल माफिया एवं अन्य असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए जिला पुलिस की खुफिया इकाइयों को सक्रिय किया गया है। परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित कोचिंग सेंटरों, होटल, लॉज, धर्मशालाओं, साइबर कैफे तथा अन्य संदिग्ध स्थानों की जांच की जाएगी।

23 केंद्रों पर तीन शिफ्टों में 14282 अभ्यर्थी देंगे एचटेट परीक्षा

एजेंसी

रेवाड़ी। जिले में आयोजित होने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। चार और पांच जुलाई को जिले के 23 परीक्षा केंद्रों पर तीन शिफ्टों में कुल 14282 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उपायुक्त अभिषेक मीणा ने बताया कि परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की जिम्मेदारी संबंधित केंद्र अधीक्षकों की होगी। उपायुक्त ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास 200 मीटर के दायरे में धारा 163 लागू कर दी गई है। परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले केंद्रों के प्रवेश द्वार बंद कर दिए जाएंगे और इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा।

चार जुलाई को शाम की शिफ्ट में लेवल-तीन (पीजीटी) की परीक्षा दोपहर तीन बजे से शाम 5:30 बजे तक होगी। इस परीक्षा में 5455 अभ्यर्थी शामिल होंगे और दो बजे के बाद प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा। पांच जुलाई को सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक लेवल-दो (टीजीटी) की परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें 7287 परीक्षार्थी भाग लेंगे। वहीं शाम की शिफ्ट में लेवल-एक (पीआरटी) की परीक्षा होगी, जिसमें 2544 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पहले सभी अभ्यर्थियों की मेटल डिटेक्टर से जांच, बायोमेट्रिक सत्यापन और अन्य सुरक्षा औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। उपायुक्त ने निर्देशों का पालन करने के लिए कहा व उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना से अधिक युवाओं को जोड़ने के निर्देश

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत नगराधीश सिमरन ने गुरुवार को अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का लाभ जिले के अधिक से अधिक पात्र युवाओं तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग मिलकर जागरूकता अभियान चलाएं और पात्र युवाओं का ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी योग्य युवा योजना से वंचित न रहे।जिला इंटर्नशिप निगरानी समिति की बैठक में नगराधीश ने कहा कि योजना का उद्देश्य युवाओं को देश की अग्रणी कंपनियों में व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उनके कौशल और रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाना है। शिविरों में युवाओं को योजना की जानकारी देने के साथ मौके पर ही उनका ऑनलाइन पंजीकरण कराया जाएगा।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों, कॉमन सर्विस सेंटर, ग्राम सचिवों, सरपंचों और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से भी योजना का व्यापक प्रचार किया जाए, ताकि गांवों के अधिक से अधिक युवा इसका लाभ उठा सकें। नगराधीश ने बताया कि योजना के तहत 18 से 25 वर्ष आयु के पात्र युवाओं को छह से नौ माह तक देश की अग्रणी कंपनियों में इंटर्नशिप का

अवसर मिलेगा। प्रशिक्षण अवधि में प्रतिमाह 9000 रुपये की सहायता राशि मिलेगी। इसमें 8100 रुपये केंद्र सरकार और 900 रुपये संबंधित कंपनी देगी। चयनित युवाओं को 6000 रुपये की एकमुश्त सहायता भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि हाई स्कूल, वरिष्ठ माध्यमिक, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बहुतकनीकी डिप्लोमा तथा स्नातक स्तर तक की पढ़ाई करने वाले पात्र युवा आवेदन कर सकते हैं। परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए और परिवार का कोई सदस्य नियमित सरकारी कर्मचारी नहीं होना चाहिए। नगराधीश ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से पात्र युवाओं की पहचान कर उन्हें आवेदन प्रक्रिया में पूरा सहयोग दें, जिससे जिले के अधिक से अधिक युवा इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण ने विकास की सच्चाई उजागर कर दी : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी.) की सदस्य, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन होने के कुछ ही समय बाद उसमें बड़े-बड़े गड्ढे पड़ जाना भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और घटिया निर्माण कार्य का जीता-जागता उदाहरण है। लगभग 12,000 करोड़ रुपये की लागत से बने इस एक्सप्रेसवे की ऐसी स्थिति यह साबित करती है कि सरकार की प्राथमिकता गुणवत्ता नहीं, बल्कि जनता के धन पर कमीशनखोरी करना रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि आज देश में विकास के नाम पर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर सच्चाई बिल्कुल अलग है। कहीं पुल गिर रहे हैं, कहीं सड़कें धंस रही हैं, कहीं नए बने हाईवे टूट रहे हैं, तो कहीं रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट की छतें ढह रही हैं। यह घटनाएं बताती हैं कि भाजपा सरकार ने विकास को केवल प्रचार का माध्यम बना दिया है, जबकि भ्रष्टाचार की परतें लगातार खुल रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा की भाजपा सरकारों के कार्यकाल में भ्रष्टाचार लगभग हर विभाग में अपनी जड़ें जमा चुका है। आम नागरिक को छोटे-छोटे कामों के लिए भी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से त्रस्त है, लेकिन सरकार का पूरा ध्यान केवल प्रचार और आत्मप्रशंसा पर केंद्रित है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार प्रतिदिन नई-नई घोषणाएं कर जनता को गुमराह करने का प्रयास करती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि जिन परियोजनाओं को विकास का प्रतीक बताकर प्रस्तुत किया जाता है, वे कुछ ही समय में अपनी बदहाल स्थिति से सरकार के दावों की पोल खोल देती हैं। यदि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाती, तो जनता के टैक्स के हजारों करोड़ रुपये इस प्रकार बर्बाद नहीं होते।

आंध्र प्रदेश के तोतापुरी आम किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के तोतापुरी आम उत्पादक किसानों की समस्याओं का समाधान तलाशने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तहत एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

यह फैसला केंद्रीय कृषि मंत्री के हालिया आंध्र प्रदेश दौरे के बाद लिया गया, जहां किसानों ने उन्हें बताया कि प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) उद्योग में बड़े पैमाने पर उपयोग होने वाली तोतापुरी आम की किस्म के दाम पिछले कुछ महीनों में काफी गिर गए हैं।किसानों ने बताया कि कीमतों में लगातार गिरावट से उनकी आय पर गंभीर असर पड़ा है और आम उत्पादक किसानों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है।इन परिस्थितियों को देखते हुए कृषि मंत्री ने आईसीएआर को वैज्ञानिकों और संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिया है, जो तोतापुरी आम से जुड़े पूरे क्षेत्र का व्यापक अध्ययन करेगी।समिति को खेती, प्रसंस्करण, विपणन, घरेलू व्यापार और निर्यात सहित पूरी वैल्यू चेन का विश्लेषण करने और किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र के दीर्घकालिक एवं टिकाऊ विकास के लिए उपयुक्त सुझाव देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।कृषि मंत्री ने समिति को निर्देश दिया है कि वह अगले 10 दिनों के भीतर आंध्र प्रदेश के प्रमुख तोतापुरी आम उत्पादक क्षेत्रों का दौरा करे। इस दौरान समिति किसानों, प्रोसेसिंग उद्योग के प्रतिनिधियों, निर्यातकों, राज्य के बागवानी विभाग के अधिकारियों, फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत कर मौजूदा स्थिति का विस्तृत आकलन करेगी।समिति तोतापुरी आम की खेती की वर्तमान स्थिति, उत्पादन लागत, किसानों की आय, प्रसंस्करण क्षमता और उसके उपयोग, मांग और आपूर्ति की स्थिति तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमतों में आई गिरावट के कारणों का अध्ययन करेगी।

उज्ज्वला योजना अब सिर्फ 4 सिलेंडर पर मिलेगी सब्सिडी

- वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू होंगे नए नियम, लाभार्थियों को मिलेंगे लगभग 1200 कम

नई दिल्ली ।

द्र सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी में महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। अब वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 में लाभार्थियों को साल में केवल 4 सब्सिडी वाले सिलेंडर मिलेंगे, जो पहले 9 थे। इस बदलाव का सीधा असर उन लाखों परिवारों पर पड़ेगा जो इस योजना से जुड़े हैं। पहले मिलने वाली कुल 2700 की सब्सिडी अब घटकर लगभग 1200 रुपए रह जाएगी। यह नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा और उन परिवारों को सीधा प्रभावित करेगा जो नियमित रूप से गैस सिलेंडर का उपयोग करते हैं। यदि कोई उज्ज्वला लाभार्थी हर महीने एक सिलेंडर लेता है, तो जुलाई 2026 में उसे इस वित्तीय वर्ष का आखिरी सब्सिडी वाला सिलेंडर मिल सकता है। इसके बाद, अगस्त 2026 से उन्हें एलपीजी सिलेंडर पूरी कीमत पर खरीदना होगा, जिससे रसोई का मासिक खर्च बढ़ना तय है। अगर मौजूदा कीमतें बनी रहती हैं, तो दिल्ली में घरेलू सिलेंडर लगभग 942 रुपये का मिलेगा, जहां अभी करीब 300 रुपये की सब्सिडी मिल रही है। सब्सिडी खत्म होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव आएगा।

एचसीएलटेक को यूरोप की कंपनी से मिला 1.14 अरब डॉलर का ठेका

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचसीएलटेक को यूरोप मुख्यालय वाली 'फॉर्च्यून ग्लोबल 50' सूची की एक कंपनी से उसके डिजिटल कार्यस्थल एवं उद्यम नेटवर्क के रूपांतरण तथा प्रबंधन के लिए 1.14 अरब अमेरिकी डॉलर का ठेका मिला है। एचसीएलटेक ने उस कंपनी का नाम उजागर नहीं किया है। शेयर बाजार को शुक्रवार को दी सूचना के अनुसार इस साझेदारी के तहत एचसीएलटेक उस कंपनी के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित परिचालन मॉडल स्थापित करेगी। समझौते की शुरुआती अवधि जुलाई 2026 से दिसंबर 2031 तक यानी साढ़े पांच वर्ष की होगी। इसके बाद साझेदारी को पांच वर्ष और बढ़ाने का विकल्प भी रहेगा।

भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 262 अंक उछला; रियल्टी, आईटी और फार्मा शेयर चमके

मुंबई।

वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ।

इस दौरान आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में शानदार तेजी देखने को मिली। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढकर 77,763.91 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 95.15 अंक यानी 0.39 प्रतिशत बढ़कर 24,270.85 पर पहुंच गया।

दिन के सत्र में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,502.12 से 0.83 प्रतिशत यानी 650.22 अंकों की शानदार बढ़त के साथ 78152.34 पर खुला और दिन के कारोबार में यह 655.40 अंकों यानी 0.84 प्रतिशत की उछाल के साथ 78,157.52 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,175.70 से 0.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,375.65 पर खुला और दिन के कारोबार में यह 0.83 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,378.15 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। लगातार तीन सत्रों की बढ़त के साथ सेंसेक्स में लगभग 1,300 अंकों यानी 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वहीं, एनएसई में तीन दिनों में 400 से अधिक अंकों यानी 1.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस तरह, इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे लगातार चौथे सप्ताह बढ़त का सिलसिला जारी रहा। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.19 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी हेल्थकेयर (1.8 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (1.7 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (1.7 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (0.7 प्रतिशत) ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी पीएसयू बैंक सबसे अधिक गिरावट दर्ज करने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.16 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 19 पैसे बढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.16 पर पहुंच गया।

डॉलर सूचकांक के मुकाबले पिछले 15 महीनों के उच्च स्तर से नीचे आने से रुपये को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर सूचकांक में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद आयातकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग के कारण रुपये पर दबाव कायम है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.20 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.16 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 19 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को 19 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.35 पर बंद हुआ था।इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 100.81 पर रहा जो हाल के 15 महीनों के उच्च स्तर 101.6 से नीचे है।

झारखंड का आईटी क्रांति पर जोर, 'विजन 2050' के लिए दिल्ली में बैठक

रांची ।

झारखंड सरकार अपने महत्वाकांक्षी 'विजन 2050' के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। इसी कड़ी में, राज्य सरकार 8 जुलाई से नई दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय हितधारक परामर्श सम्मेलन आयोजित करेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य झारखंड को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल कामकाज के क्षेत्र में एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भारत और विदेशों के प्रमुख नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह सम्मेलन सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल कामकाज जैसे क्षेत्रों में राज्य को निवेश के लिए आकर्षक बनाने पर केंद्रित होगा, साथ ही औद्योगिक निवेश और पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। सम्मेलन के दौरान, झारखंड में निवेश एवं आर्थिक वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से कई प्रमुख औद्योगिक समूहों के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे, जो राज्य के 'एक्सप्लोर इनफिनिट अपॉर्च्युनिटीज' दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा।

भारत की कमर्शियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 2032 तक तीन गुना बढ़कर 100 गीगावाट होने की उम्मीद रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत की कमर्शियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 2032 तक बढ़कर 100 गीगावाट हो सकती है, जो कि 2025 में 32 गीगावाट है। साथ ही स्थापित एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की क्षमता 10 गुना से अधिक बढ़कर 31 गीगावाट-घंटा होने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस और कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशंस की रिपोर्ट में इस तेज वृद्धि का श्रेय कंपनियों के डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों, आसमान छूते ग्रिड टैरिफ और ऊर्जा लचीलेपन की बढ़ती आवश्यकता को दिया गया है, जिसमें राज्य-स्तरीय नियामक इनोवेशन स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की गति को तेज कर रहा है। यह रिपोर्ट नई दिल्ली के यशोभूमि (आईआईसीसी) में 8-10 जुलाई को होने वाले इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक(आईईएसडब्ल्यू) 2026 में जारी की जाएगी। इसमें 200 से अधिक प्रदर्शक और 10,000 से अधिक इंडस्ट्री लीडर्स शामिल होंगे। यह इवेंट क्लीन एनर्जी वैल्यू चेन में पॉलिसी पर चर्चा, टेक्निकल जानकारी के आदान-प्रदान और इनोवेशन को दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच होगा। आईईएसडब्ल्यू 2026 में भारी उद्योग, खान, बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्यावरण जैसे अहम मंत्रालयों के सीनियर अधिकारी, राज्यों के प्रतिनिधियों और रेगुलेटरी बॉडीज के साथ मिलकर खुली बातचीत करेंगे। प्रेस रिलीज के अनुसार, इस इवेंट में पॉलिसी से जुड़ी रुकावटों, राज्य-स्तर के सुधारों और इंडस्ट्री की जरूरतों पर खुलकर चर्चा होगी। इसका मकसद भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन (स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव) को तेजी देने के लिए ऐसे समाधान निकालना है जिन्हें असल में लागू किया जा सके। आईईएसडब्ल्यू के अध्यक्ष देबमाल्य सेन ने कहा, ÷हमारी नई रिसर्च से पता चलता है कि भारत का सीएंडआई (कमर्शियल और इंडस्ट्रियल) एनर्जी स्टोरेज मार्केट न सिर्फ बढ़ रहा है, बल्कि एक नए दौर की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राज्यों की दूरदर्शी नीतियों और

कॉर्पोरेट जगत से बढ़ती मांग के कारण, स्टोरेज अब सिर्फ बैकअप नहीं, बल्कि मजबूती और डीकार्बोनाइजेशन के लिए एक अहम रणनीतिक टूल बनता जा रहा है।

अभी जो तेजी दिख रही है, वही अगले दशक में इस सेक्टर की दिशा तय करेगी।÷ रिपोर्ट में महाराष्ट्र की नई रिन्यूएबल एनर्जी और स्टोरेज पॉलिसी पर जोर दिया गया है, जिसके तहत 100 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले हर नए रिन्यूएबल प्रोजेक्ट के लिए स्टोरेज की सुविधा जरूरी है। इस पॉलिसी के अनुसार, डिस्ट्रिब्यूशन कंपनियों को भी वित्त वर्ष 2035-36 तक अपनी कुल बिजली का 10 प्रतिशत हिस्सा स्टोरेज से हासिल करना होगा। गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान भी कॉस्ट-रिफ्लेक्टिव बैंकिंग, सेटलमेंट पॉलिसी और ट्रांसमिशन चार्ज में छूट जैसे उपायों के जरिए इसे तेजी से अपनाने में मदद कर रहे हैं। स्टोरेज तकनीक को अपनाने में इंडस्ट्रियल यूनिट्स सबसे आगे रहेंगी और कुल ईएसएस इंस्टॉलेशन में इनकी हिस्सेदारी आधे से अधिक होगी। वहीं, डेटा सेंटर और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे कि हॉस्पिटल, मेट्रो और रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट में इसकी सबसे तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

जून में भी भारत को सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई करने वाला देश बना अमेरिका

नई दिल्ली।

अमेरिका जून में भी भारत को द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की सबसे बड़ी आपूर्ति करने वाला देश बना रहा। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत ऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति पर तेजी से काम कर रहा है, जिसके चलते अमेरिका ने पारंपरिक खाड़ी देशों पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। कमोडिटी एनालिटिक्स फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, जून में भारत ने अमेरिका से 7.73 लाख मीट्रिक टन (773.78 टीएमटी) एलपीजी आयात की, जो मई की तुलना में 19.4 प्रतिशत अधिक है। वहीं, जून के दौरान भारत का कुल एलपीजी आयात 3 प्रतिशत बढ़कर 11.91 लाख मीट्रिक टन (1,191 टीएमटी) हो गया, जबकि मई में यह 11.55 लाख मीट्रिक टन (1,155 टीएमटी) था। जून में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भारत का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता रहा, जहां से आयात 16.6 प्रतिशत बढ़कर 1.57 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया, जो मई में 1.34 लाख मीट्रिक टन था।

वहीं, सऊदी अरब और कुवैत

ने जून में भारत को 64-64 हजार मीट्रिक टन एलपीजी की आपूर्ति की।

अमेरिका से एलपीजी आयात में लगातार बढ़ोतरी भारत की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के बाद ऊर्जा आपूर्ति के स्रोतों को विविध बनाया जा रहा है। इसी दिशा में सरकारी तेल रिफाइनरियों ने 2026 से अमेरिका से 22 लाख टन एलपीजी आयात करने के लिए दीर्घकालिक समझौता भी किया है, जिससे भारत-अमेरिका ऊर्जा सहयोग और मजबूत होगा तथा खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

आईटी सेक्टर- पहली तिमाही में बड़ी कंपनियों को झटका, मिडकैप रहेंगे मजबूत

नई दिल्ली ।

भारतीय आईटी सेवा क्षेत्र के लिए मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही चुनौतियों भरी रह सकती है। वैश्विक सुस्ती और भू-राजनीतिक तनावों का असर बड़ी कंपनियों की आय और ग्रोथ पर साफ दिखेगा। हालांकि, ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक रिपोर्ट बताती है कि इस दौरान छोटी और मध्यम आकार की आईटी कंपनियां बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रमुख आईटी कंपनियों में इन्फोसिस सबसे मजबूत ग्रोथ दर्ज कर सकती है, जिसके बाद टेक महिंद्रा का स्थान रहेगा। टीसीएस लगभग पिछली तिमाही जैसा कारोबार दिखाएगी, जबकि एचसीएलटेक और विप्रो के राजस्व में हल्की गिरावट देखने को मिल सकती है। वहीं, मिड साइज सेगमेंट में कोफोर्ज सबसे तेज ग्रोथ दिखा सकती है। हेक्सावेयर, परसिस्टेंट सिस्टम्स और एम्फैसिस से भी अच्छे नतीजों की उम्मीद है। नुवामा का कहना है कि ग्राहक अभी भी खर्च को लेकर सतर्क हैं, जिससे नए प्रोजेक्ट तो मिलेंगे, लेकिन राजस्व में बड़ी उछाल की संभावना कम है। अच्छी खबर यह है कि अधिकांश कंपनियों के ऑपरेटिंग मार्जिन स्थिर रहने की उम्मीद है, हालांकि वेतन वृद्धि वाली कंपनियों पर थोड़ा दबाव रहेगा। कंपनियाँ अपने वार्षिक अनुमानों को बरकरार रख सकती हैं।

भारत के 7 स्टार्टअप्स को मिलेंगे 30-30 लाख रुपए, साथ ही मिलेगा मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

नई दिल्ली।

भारत के 7 स्टार्टअप्स को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) समर्थित फिक्की-मर्सिडीज-बेंज भारत इनोवेशन एंड बिजनेस आइडियाज चैलेंज प्रोग्राम के तहत फंडिंग के साथ-साथ संरचित मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य स्टार्टअप्स की तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करना और उन्हें निवेश के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, देश भर से आए आवेदनों के बीच आयोजित इस राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज में चयनित प्रत्येक स्टार्टअप को 30-30 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

कार्यक्रम के तहत आयोजित एक वर्चुअल संवाद में डीपीआईआईटी के अतिरिक्त सचिव अतीश कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम, जिनमें फंडिंग के साथ विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी शामिल हो, भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कंपनियां तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने फिक्की और मर्सिडीज-बेंज इंडिया को इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह पहल भारत के तेजी से विकसित हो रहे इनोवेशन इकोसिस्टम और देश के युवा उद्यमियों की अपार क्षमता को दर्शाती है। सिंह ने कहा कि समय पर मिलने वाला मार्गदर्शन और सहयोग नवाचार करने वाले युवाओं को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप समाधान विकसित

करने में मदद करता है। उनके अनुसार, इस तरह के साझेदारी आधारित प्रयास भारत को नवाचार-आधारित विकास की दिशा में आगे बढ़ाने और वैश्विक इनोवेशन लीडर बनाने के लिए बेहद आवश्यक हैं।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में 2026 की पहली छमाही में संस्थागत निवेश 50 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेश 2026 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कोलियर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया तनाव के बावजूद भी देश के रियल एस्टेट ने 2026 की जनवरी-जून अवधि में मजबूत निवेश हासिल किया है और यह सेक्टर का छह वर्षों में सबसे अच्छा पहली छमाही का प्रदर्शन है।

रिपोर्ट में बताया गया कि अप्रैल-जून तिमाही में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 70 प्रतिशत बढ़कर 2.9 अरब डॉलर हो गया है। घरेलू निवेशकों ने 2.6 अरब डॉलर के निवेश के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी, जो कुल निवेश का 57 प्रतिशत था, जबकि विदेशी निवेश सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर हो गया।

कॉलियर्स इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बादल याग्निक ने कहा, ÷पिछले कुछ तिमाही में संस्थागत निवेश में घरेलू निवेशकों का योगदान लगातार 60 प्रतिशत तक रहा है, जबकि विदेशी निवेशक अब अधिक सोच-समझकर निवेश कर रहे हैं और पारंपरिक रियल एस्टेट एसेट्स से हटकर दूसरे क्षेत्रों पर भी ध्यान दे रहे हैं।÷ 2026 की पहली छमाही के दौरान ऑफिस एसेट्स निवेश के लिए सबसे पसंदीदा जगह बने रहे, जिसमें घरेलू निवेशकों ने चालू ऑफिस प्रॉपर्टीज में अधिकतर निवेश किया।

साल की पहली छमाही में मिक्स्ड-यूज और वैकल्पिक एसेट्स में से हर एक में लगभग 0.8 अरब डॉलर का निवेश हुआ और कुल निवेश में इनका हिस्सा लगभग पांचवां हिस्सा रहा। इसके अलावा, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में 0.3 अरब डॉलर का निवेश दर्ज किया गया, जो एक साल पहले की तुलना में तीन गुना से भी अधिक है। इसके उलट, आवासीय क्षेत्र में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 43 प्रतिशत घटकर 0.5 अरब डॉलर रह गया, क्योंकि बढ़ती लागत और घरों की बिक्री में कमी के बीच निवेशक सतर्क रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक, इलाके के हिसाब से देखें तो चेन्नई और बेंगलुरु में कुल मिलाकर लगभग 1.2 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो 2026 की पहली छमाही के दौरान संस्थागत निवेश का लगभग 27 प्रतिशत था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 262 अंक, निफ्टी 95 अंक बढ़ा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में उछाल दर्ज किया गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक बढ़कर 77,763.91 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.15 अंक उछलकर 24,270.85 पर पहुंच गया। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.19 फीसदी की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। आज कारोबार के दौरान सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी , निफ्टी फार्मा और निफ्टी मेटल ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरे। निफ्टी एनर्जी , निफ्टी ऑटो , निफ्टी मीडिया , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी बैंक का स्थान रहा। निफ्टी 50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, मैक्स हेल्थकेयर, सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज लैब्स, बजाज फिनसर्व, अपोलो हॉस्पिटल्स और भारती एयरटेल शामिल रहे। वहीं एक्सिस बैंक, एसबीआई, एलएंडटी, बजाज-ऑटो, एचडीएफसी लाइफ, कोटक बैंक और एनटीपीसी के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इस दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 479.75 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 480.24 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया।

भारत के कंज्यूमर गुड्स सेक्टर की आय वृद्धि दर 2030 तक 17.3 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली।

कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में वर्ष 2025-2030 की अवधि के दौरान आय 17.3 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। ब्रिकवर्क रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में आय में तेज बढ़ोतरी की वजह क्रेडिट ग्रोथ, जीएसटी में कटौती, टियर-II और टियर-III शहरों से बढ़ी हुई मांग और प्रीमियम प्रोडक्ट्स की ओर झुकाव है। वहीं, हेल्थकेयर सर्विस सेक्टर के लिए अच्छे संकेतकों में मजबूत रुचि और डेट कवरेज रेश्यो, लगभग 13 अरब डॉलर का मेडिकल टूरिज्म मार्केट और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत प्रोग्राम का विस्तार शामिल है। ब्रिकवर्क रेटिंग्स के रिसर्च हेड राजीव शरण ने कहा, ÷हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 26 में मजबूत मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस गतिविधियों के दम पर जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत बनी रहेगी। वित्त वर्ष 27 के लिए वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।÷

वित्त वर्ष 27 में महंगाई दर लगभग 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, हालांकि, भू-राजनीतिक जोखिम और अल नीनो पर नजर रखना जरूरी है। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 27 में अपने 25 रेटेड सेक्टरों में से 22 के लिए स्थिर क्रेडिट आउटलुक का अनुमान लगाया गया है। इसे मजबूत घरेलू मांग, सरकार के लगातार कैपिटल खर्च, अच्छी बैलेंस शीट, बेहतर ऑपरेटिंग मार्जिन और जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं के बावजूद अनुमानित कैश फ्लो का समर्थन मिला है।

टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम, इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, इंडस्ट्रियल और पावर जेनरेशन सेक्टर को डी-लीवरेजिंग (कर्ज कम करने), पॉलिसी सपोर्ट, नए ट्रेड एग्रीमेंट के तहत निर्यात के मौकों और लंबे समय तक मांग की संभावनाओं से फायदा मिलता है।

मोदी का 'मिशन 360': सत्ता के सुपर बहुमत की राजनीति या लोकतंत्र का नया अध्याय?

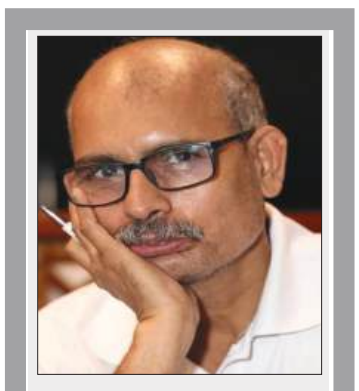

विनोद कुमार सिंह

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान, उसकी संस्थाएँ और जागरूक मतदाता हैं। संसद में दो-तिहाई बहुमत किसी भी सरकार को अधिक क्षमता अवश्य प्रदान कर सकता है, किंतु वह संविधान की मूल भावना से ऊपर नहीं हो सकता। संविधान की आत्मा केवल संख्याबल में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, संस्थागत संतुलन, असहमति के सम्मान और जनादेश की पवित्रता में निहित है।

भारतीय राजनीति में इन दिनों 'मिशन 360' शब्द तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है। यद्यपि भारतीय जनता पार्टी ने इस नाम से किसी आधिकारिक अभियान की घोषणा नहीं की है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि भाजपा आने वाले वर्षों में संसद के दोनों सदनों में इतना व्यापक संख्याबल प्राप्त करना चाहती है, जिससे केवल सरकार चलाना ही नहीं, बल्कि बड़े संवैधानिक और नीतिगत निर्णयों को भी अपेक्षाकृत सहजता से आगे बढ़ाया जा सके। दूसरी ओर विपक्ष इसे लोकतांत्रिक संतुलन के लिए चुनौती मानते हुए आरोप लगाता है कि सत्ता पक्ष विपक्षी दलों में राजनीतिक सेंध लगाकर अपना विस्तार करना चाहता है। ऐसे में 'मिशन 360' केवल एक राजनीतिक चर्चा नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की दिशा और भविष्य से जुड़ा विमर्श बन चुका है।

भारतीय संविधान किसी भी राजनीतिक दल को व्यापक जनादेश प्राप्त करने से नहीं रोकता। लोकतंत्र का मूल आधार जनता की स्वीकृति है। यदि कोई दल चुनाव जीतकर या वैधानिक गठबंधन के माध्यम से बहुमत प्राप्त करता है तो उसमें कोई असंवैधानिकता नहीं है। किंतु जब बहुमत का विस्तार विपक्षी दलों में टूट, निर्वाचित प्रतिनिधियों के दल परिवर्तन अथवा राजनीतिक पुनर्संरचना के माध्यम से होता दिखाई देता है, तब लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यही कारण है कि आज बहुमत और मर्यादा, दोनों समान रूप से चर्चा के विषय हैं।

लोकसभा में सरकार बनाने के लिए साधारण बहुमत पर्याप्त होता है, लेकिन संविधान संशोधन के लिए अनुच्छेद 368 के अंतर्गत अनेक मामलों में विशेष बहुमत तथा कुछ विषयों पर आधे राज्यों की स्वीकृति भी आवश्यक होती है। महिला आरक्षण कानून के पूर्ण क्रियान्वयन, परिसीमन, 'एक देशझएक चुनाव', न्यायिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे विषयों को देखते हुए यह समझा जा सकता है कि कोई भी सरकार संसद में अधिक मजबूत स्थिति क्यों चाहेगी। इस दृष्टि से संसदीय संख्याबल केवल राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, बल्कि नीति निर्माण की क्षमता से भी जुड़ा है।

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है। वर्ष 1967 में हरियाणा के विधायक गयालाल के बार-बार दल बदलने के बाद 'आया राम, गया राम' भारतीय राजनीति का स्थायी मुहावरा बन गया। इसी पृष्ठभूमि में 1985 में संविधान की दसवीं अनुसूची के माध्यम से दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया और 2003 के 91वें संविधान संशोधन द्वारा इसे और कठोर बनाया गया। इसके बावजूद राजनीतिक पुनर्संरचना पूरी तरह नहीं रुकी।

पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया, जहाँ पहले शिवसेना और बाद में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन हुआ। इन घटनाओं ने केवल सरकारें नहीं बदलीं, बल्कि विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका, निर्वाचन आयोग की शक्तियों और सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक व्याख्याओं पर भी व्यापक बहस छेड़ दी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक और अन्य राज्यों में भी सत्ता परिवर्तन ने यह स्पष्ट किया कि आज राजनीतिक संघर्ष केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं रह गया है; चुनाव के बाद की रणनीति भी सत्ता के समीकरण तय कर रही है।

पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनावों के पहले और बाद कई नेताओं के दल बदलने की घटनाएँ सामने आईं। कुछ नेता तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए, जबकि कुछ बाद में वापस लौट आए। इससे यह प्रश्न और गहरा हुआ कि क्या भारतीय राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता कमजोर पड़ रही है और चुनावी गणित अधिक प्रभावी होता जा रहा है। दिल्ली और पंजाब में भी समय-समय पर विभिन्न राजनीतिक अटकलें सामने आती रही हैं, हालांकि अधिकांश मामलों में उनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। फिर भी इससे यह संकेत अवश्य मिलता है कि राष्ट्रीय राजनीति में प्रत्येक सांसद और प्रत्येक क्षेत्रीय दल भविष्य के सत्ता समीकरण का संभावित हिस्सा माना जा रहा है।

भाजपा का पक्ष यह रहा है कि यदि विपक्ष के नेता स्वेच्छा से उसके साथ जुड़ते हैं तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है और अंतिम निर्णय जनता चुनाव में देती है। दूसरी ओर विपक्ष आरोप लगाता है कि केंद्रीय एजेंसियों, राजनीतिक दबाव और सत्ता के प्रभाव का उपयोग विपक्ष को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। इन आरोपों और प्रत्यारोपों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि क्या दल परिवर्तन जनादेश का सम्मान है या उसका पुनर्लेखन?

संविधान विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि भारतीय संविधान किसी सांसद या विधायक को जीवनभर किसी दल से बंधे रहने के लिए बाध्य नहीं करता। वहीं दूसरी ओर दसवीं अनुसूची का उद्देश्य व्यक्तिगत राजनीतिक लाभ के लिए निर्वाचित जनादेश को बदलने से रोकना है। यदि कानून की भावना और राजनीतिक व्यवहार के बीच लगातार दूरी बढ़ती है, तो भविष्य में दल-बदल विरोधी कानून की समीक्षा की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। कुछ विशेषज्ञ यह सुझाव देते हैं कि यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता है तो उसे पुनः जनता के बीच जाकर नया जनादेश प्राप्त करना चाहिए, जबकि अन्य विशेषज्ञ अत्यधिक कठोर कानून को प्रतिनिधियों की वैचारिक स्वतंत्रता के विरुद्ध मानते हैं।

यदि 'मिशन 360' जैसी कोई रणनीति वास्तव में अस्तित्व में है, तो उसका आधार केवल विपक्ष को कमजोर करना नहीं, बल्कि पूरे देश में संगठनात्मक विस्तार भी हो सकता है। पिछले एक दशक में भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों, दक्षिण भारत और नए सामाजिक वर्गों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया है। अनेक क्षेत्रीय दलों के साथ व्यावहारिक गठबंधन और संगठन विस्तार भी इसी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जाता है।

दूसरी ओर विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती भाजपा नहीं, बल्कि उसकी अपनी एकजुटता है। राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी दल कई राज्यों में एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। नेतृत्व, विचारधारा, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और चुनावी हितों के कारण साझा रणनीति बनाना कठिन होता रहा है। ऐसे में यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता है तो उसके पीछे केवल सत्ता पक्ष की रणनीति ही नहीं, बल्कि उसके मूल दल की संगठनात्मक कमजोरियाँ, नेतृत्व संकट और भविष्य को लेकर असंतोष भी कारण हो सकते हैं। इसलिए हर राजनीतिक परिवर्तन को केवल किसी 'ऑपरेशन' का परिणाम मान लेना भी वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा।

यदि भविष्य में भाजपा संसद में और अधिक मजबूत स्थिति प्राप्त करती है, तो उसके सामने अवसरों के साथ संवैधानिक जिम्मेदारियाँ भी बढ़ेंगी। 'एक देशझएक चुनाव', परिसीमन, महिला आरक्षण कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, न्यायिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे विषय केवल संख्याबल से नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक सहमति और लोकतांत्रिक संवाद से ही सफल हो सकते हैं। लोकतंत्र में बहुमत महत्वपूर्ण है, लेकिन संवाद और सहमति उसकी स्थायी शक्ति हैं।

उधर विपक्ष के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। यदि वह हर राजनीतिक परिवर्तन का दोष केवल सत्ता पक्ष पर मढ़ने के बजाय अपनी संगठनात्मक कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करता है, तो भारतीय लोकतंत्र और अधिक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी बन सकता है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति सत्ता परिवर्तन की संभावना और मजबूत विपक्ष की उपस्थिति में निहित होती है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि आज का भारतीय मतदाता पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक और निर्णायक है। वह केवल राजनीतिक नारों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि विकास, सुशासन, नेतृत्व, सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय सुरक्षा, स्थानीय मुद्दों और प्रशासनिक प्रदर्शन को भी समान महत्व देता है। इसलिए संसद में स्थायी बहुमत का वास्तविक आधार अंततः जनता का सतत विश्वास ही होता है, न कि केवल राजनीतिक जोड़-तोड़।

आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या भाजपा अपने संगठनात्मक विस्तार को व्यापक जनसमर्थन में बदल पाती है, क्या विपक्ष स्वयं को विश्वसनीय विकल्प के रूप में पुनर्गठित कर पाता है और क्या लोकतांत्रिक संस्थाएँ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखती हैं।

'मिशन 360' आज भले ही राजनीतिक चचाओं का विषय हो, लेकिन उसकी वास्तविक परीक्षा संसद के भीतर नहीं, बल्कि जनता की अदालत में होगी। यदि किसी दल को व्यापक जनादेश चुनावों के माध्यम से प्राप्त होता है तो वह लोकतंत्र की स्वाभाविक सफलता होगी। किंतु यदि बहुमत का विस्तार मुख्यतः विपक्षी दलों में लगातार टूट के माध्यम से होता है, तो लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्न उठते रहेंगे। उसी प्रकार यदि विपक्ष अपनी कमजोरियों का आत्मविश्लेषण किए बिना प्रत्येक राजनीतिक परिवर्तन को केवल सत्ता पक्ष की रणनीति बताता रहेगा, तो वह भी अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकेगा।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान, उसकी संस्थाएँ और जागरूक मतदाता हैं। संसद में दो-तिहाई बहुमत किसी भी सरकार को अधिक क्षमता अवश्य प्रदान कर सकता है, किंतु वह संविधान की मूल भावना से ऊपर नहीं हो सकता। संविधान की आत्मा केवल संख्याबल में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, संस्थागत संतुलन, असहमति के सम्मान और जनादेश की पवित्रता में निहित है।

इसलिए आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि 'मिशन 360' सफल होगा या नहीं, बल्कि यह है कि भारत की राजनीति आगे किस दिशा में विकसित होगी—क्या वह केवल संख्याओं का लोकतंत्र बनेगी या संवैधानिक मूल्यों, स्वस्थ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और जनविश्वास पर आधारित एक अधिक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में आगे बढ़ेगी। आने वाले वर्षों का राजनीतिक इतिहास इसी प्रश्न का उत्तर तय करेगा।

संपादकीय

इथेनॉल का मोल

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई-85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल,ये वाहन ई-85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई-100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं। जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां ई-20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई-85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाहे-बगाहे पैदा होने वाले भू-राजनीतिक संकटों ने बार-बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों को ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं।

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी।

एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है।

सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी।

मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

अकेले क्यों थकना, जब साथ मिलकर बदल सकते हैं जमाना!

दिलीप कुमार पाठक

सोचिए, अगर हाथ की सिर्फ एक उंगली से किसी भारी चीज को उठाने की कोशिश करें, तो क्या होगा? शायद उंगली में मोच आ जाएगी। लेकिन जब पांचों उंगलियां मिलकर मुट्ठी बन जाती हैं, तो ताकत कई गुना बढ़ जाती है। बस यही सीधा सा फंडा है सहकारिता का। आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर मैं, मेरा और मुझे में खोए रहते हैं। लेकिन साल में एक दिन ऐसा आता है जो हमें याद दिलाता है कि जिंदगी की असली गाड़ी अकेले नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर चलने से ही सुचारू रूप से चलती है। जुलाई का पहला शनिवार इसी एकता और भाईचारे के नाम होता है, जिसे लोग तकनीकी भाषा में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस कह देते हैं।

बहुत से लोग इस भारी-भरकम शब्द को सुनकर कन्फ्यूज हो जाते हैं, लेकिन इसका मतलब बहुत ही सीधा है - एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ना। हमारे समाज में हर किसी के पास बहुत सारा पैसा या बड़ी-बड़ी सिफारिशें नहीं होतीं। किसी के पास कोई छोटा सा हुनर होता है, तो किसी के पास थोड़ी सी जमीन। अब अकेले दम पर तो बड़ा बिजनेस खड़ा करना मुमकिन नहीं है। ऐसे में कुछ लोग आपस में मिलते हैं, अपनी थोड़ी-थोड़ी जमापूंजी एक जगह जमा करते हैं और मिलकर काम शुरू कर देते हैं। यहां कोई बड़ा बॉस या नौकर नहीं होता। जितने लोग, उतने मालिक। सब मिलकर फैसला लेते हैं और जो भी फायदा होता है, उसे आपस में खुशी-खुशी बांट लेते हैं। यह एक ऐसी व्यवस्था है जहां कोई किसी का हक नहीं मार सकता। इस जादुई फॉर्मूले की सबसे बड़ी मिसाल हमारे घरों में सुबह-सुबह आने वाला अमूल दूध है। बरसों पहले गुजरात के कुछ सीधे-साधे किसानों ने मिलकर बिचौलियों की मनमानी के खिलाफ एक छोटी सी मंडली बनाई थी। आज वही छोटी सी शुरूआत दुनिया का इतना बड़ा ब्रांड बन चुकी है कि हर घर की सुबह उसके बिना अधूरी है। इसी तरह सिर्फ सात महिलाओं ने अस्सी रुपये उधार लेकर पापड़ बनाने का काम शुरू किया था, जिसे आज हम लिज्जत पापड़ के नाम से जानते हैं। आज इस काम से देश की हजारों महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हैं और गर्व से अपना घर चला रही हैं। ये कहानियां गवाह हैं कि जब आम लोग एक साथ आ जाते हैं, तो बड़े-बड़े कॉरपोरेट घराने भी उनके आगे फीके पड़ जाते हैं।आज के समय में जब हर तरफ सिर्फ अपना फायदा देखने की होड़ मची है, वहां यह सोच किसी ठंडी हवा के झोंके जैसी है। बड़ी-बड़ी कंपनियां सिर्फ अपना बैंक बैलेंस बढ़ाने में लगी रहती हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का भी नुकसान करना पड़े। लेकिन जब लोग मिलकर कोई समिति या ग्रुप बनाते हैं, तो वे सिर्फ पैसे के पीछे नहीं भागते। वे अपने साथ-साथ अपने गांव, अपने पड़ोसियों और पर्यावरण का भी ख्याल रखते हैं। यहां अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं होता। सबके वोट की कीमत बराबर होती है। यही वजह है कि यह मॉडल समाज से मंदी और बेरोजगारी जैसी बीमारियों को जड़ से खत्म करने की ताकत रखता है। खासकर हमारे गांवों और छोटे कस्बों में यह सोच किसी वरदान से कम नहीं है। छोटे किसानों को सस्ते दाम पर खाद-बीज दिलाना हो, महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई के जरिए आत्मनिर्भर बनाना हो या कम ब्याज पर लोन देना हो, यह आपसी सहयोग हर जगह ढाल बनकर खड़ा हो जाता है। यह हमें सिखाता है कि अगर हम अपनी छोटी-छोटी ताकतों को मिला लें, तो एक बहुत बड़ी दीवार खड़ी की जा सकती है जो हर मुसीबत को रोक देगी। तो चलिए, आज के दिन से एक नई शुरूआत करते हैं। अपने आस-पास की ऐसी छोटी समितियों, स्थानीय कारीगरों और मिलकर काम करने वाले ग्रुप्स को सपोर्ट करें। बाजार से सामान खरीदते वक्त बड़े ब्रांड्स के चमकीले विज्ञापनों में फंसने के बजाय अपने ही लोगों की मेहनत को तवज्जो दें। जब हम एक-दूसरे का सहारा बनेंगे, तभी देश का हर कोना तरक्की करेगा। आखिर असली मजा तो सबके साथ आगे बढ़ने में ही है! (लेखक पत्रकार हैं)

स्वामी विवेकानंद : युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

हर्षवर्धन पान्डे

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से पुकारा जाता था एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भांति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानंद का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुँचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाती है।

विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में विश्वनाथ और भुवनेश्वरी देवी के घर हुआ था। बचपन में नरेन्द्रनाथ नाम से जाने जाने वले विवेकानंद काफी चंचल प्रवृति के थे। उनकी माता भगवान की अनन्य उपासक थी लिहाजा माँ के सानिध्य में वह भी ईश्वर प्रेमी हो गए। बचपन में विवेकानंद की माँ इन्हें रामायण की कहानी सुनाती थी तो इसको यह बड़ी तन्मयता से सुनते थे। रामायण में हनुमान के चरित्र ने उस दौर में इनके जीवन को खासा प्रभावित किया साथ ही अपनी माँ की तरह वह भी शिवशंकर के अनन्य भक्त हो गए। कई बार वह शिव से सीधा साक्षात्कार करते मालूम पड़ते थे और अपनी माँ से कहा करते कि उनमे शंकर का वास है। यह सब सुनकर इनकी माँ चिंतित हो उठती कि उनका यह बेटा कहीं बाबा सन्यासी ना बन जाए। बचपन से ही नरेन्द्रनाथ पढ़ाई लिखाई में रूचि लेने लगे। पढ़ाई में यह अव्वल दर्जे के छात्र थे इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है जो चीज एक बार यह पढ़ लेते उसे कभी भूलते नहीं थे। युवावस्था में उन्हें पाश्चात्य दार्शनिकों के निरीश्वर भौतिकवाद तथा ईश्वर के अस्तित्व में दृढ़ भारतीय विश्वास के कारण गहरे द्वद से गुजरना पड़ा। परमहंस जी जैसे जौहरी ने रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेंद्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। उस शक्तिपात के कारण कुछ दिनों तक नरेन्द्र उन्मत्त-से रहे। उन्हें गुरु ने आत्मदर्शन करा दिया था। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रदत्त ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेंद्रनाथ ने सन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में दुनिया में जाने गए। जीवन के आलोक को जगत के अन्धकार में भटकते प्राणियों के समक्ष उन्हें उपस्थित करना था। स्वामी विवेकानंद ने पैदल ही पूरे भारत की यात्रा की।गुरुजनों के प्रति इनका सम्मान उस दौर में भी देखते ही बनता था। बड़े होने पर भी गुरु से इनका लगाव बना रहा। विवेकानंद का मानना था कि जीवन में सफल होने के लिए अच्छा गुरु मिलना जरुरी है क्युकि गुरु ही अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की तरफ ले जाता है। बचपन से ही गुरु के अलावे आध्यात्मिक चीजों की तरफ इनका झुकाव हो गया और इसी दौरान मुलाकात रामकृष्ण परमहंस से हुई जिन्होंने इन्हें अपना मानस पुत्र घोषित कर दिया। परमहंस की दी हुई हर शिक्षा को विवेकानंद ने अपने जीवन में ना केवल उतारा बल्कि लोगो को भी इसके जरिये कई सन्देश दिए जिसने आगे बदने की राह खोली।

11 सितंबर सन- 1893 के उस दिन उनके अलौकिक तत्वज्ञान ने पाश्चात्य जगत को चौंका दिया। अमेरिका ने स्वीकार कर लिया कि वस्तुतः भारत ही जगदुरु था और रहेगा। स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके जबरदस्त प्रभाव छोड़ा।11 सितम्बर 1893 का दिन इतिहास में अमर है। इस दिन अमेरिका में विश्व धर्म सम्मलेन का आयोजन किया जिसमे दुनिया के कोने कोने से लोगो ने शिरकत की। उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्ही के कंधो पर थी। गेरुए कपडे पहने विवेकानन्द ने अपनी वाणी से वहां पर मौजूद जनसमुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। जहाँ सभी अपना भाषण लिखकर लाये थे वहीँ विवेकानंद ने अपना मौखिक भाषण दिया। दिल से जो निकला वही बोला और जनसमुदाय के अंतर्मन को मानो झंकृत ही कर डाला। उनके शालीन अंदाज ने लोगों को उन्हें सुनने को मजबूर कर दिया। धर्म की व्याख्या करते हुए वह बोले जैसे सभी नदियां अंत में समुद्र में जाकर मिलती है वैसे ही दुनिया में अलग अलग धर्म अपनाने वाले मनुष्य को एक न एक दिन ईश्वर की शरण में जाकर ही लौटना पड़ता है। सिस्टर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरूआत करते ही 7000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। 17 सितम्बर 1893 को शिकागो में धर्म सभा में उन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र के नाम से सम्बोधित किया और स्वयं के हिन्दू होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने सभा को बताया हिन्दू धर्म पर प्रबंध ही हिन्दुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा है। उन्होंने सभी हिन्दुओं को सब भेदों से ऊपर उठकर अपनी राष्ट्रीय पहचान पर गर्व करने का ककहरा ना केवल सुनाया बल्कि दुनिया में भारत के नाम के झंडे गाड़ दिए। उन्होंने न्यूयॉर्क में लगभग दो वर्ष व्यतीत किये जहाँ वर्ष 1894 में पहली ह्यवेदांत सोसाइटीह्न की स्थापना की। विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है। परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं।शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्म अपूर्ण है। तीसरा, यदि कोई व्यक्ति केवल अपने धर्म के अनन्य अस्तित्व और दूसरों के धर्म के विनाश का स्वप्न रखता है तो मैं हृदय की गहराइयों से उसे दया भाव से देखता हूँ और उसे इंगित करता हूँ कि विरोध के बावजूद प्रत्येक धर्म के झंडे पर जल्द ही संघर्ष के बदले सहयोग, विनाश के बदले सम्मिलन और मतभेद के बजाय सद्भाव व शांति का संदेश लिखा होगा। जिस समय शिकागो में 1893 में धर्म सम्मेलन हुआ ,उस समय पाश्चात्य जगत भारत को हीन दृष्टि से देखता था। वहां के लोगों ने बहुत प्रयास किया कि विवेकानंद को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही ना मिले, मगर एक अमेरिकी प्रोफेसर के प्रयास से उन्हें थोडा समय मिला। भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा कहकर स्वामी जी ने पुनः भारत को विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित कर दिया। गुरुदेव रविंदर नाथ टैगोर ने विवेकानन्द के बारे में कहा है यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए।

संक्षिप्त समाचार

ओहायो के मोटल में भीषण आग, तीन की मौत

वूस्टर , एजेंसी। अमेरिका के ओहायो राज्य के वूस्टर शहर में बुधवार तड़के एक मोटल में भीषण आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि तीन लोग कमरे में ही फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। दमकल विभाग ने उन्हें बचाने की कई कोशिशें कीं, लेकिन सफलता नहीं मिली। मृतकों में दो लोग मोटल के कर्मचारी बताए जा रहे हैं। घटना में कोई अन्य घायल नहीं हुआ। आग लगने के समय मोटल की छत से ऊंची लपटें उठ रही थीं। अन्य कमरों में ठहरे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

ग्रीस में सत्तारूढ़ पार्टी नेताओं के घरों पर फायरबम हमला, एक महिला की मौत

थेसालोनिकी , एजेंसी। ग्रीस के थेसालोनिकी शहर में बुधवार तड़के सत्तारूढ़ न्यू डेमोक्रेसी पार्टी के नेताओं के घरों पर तीन फायरबम हमले किए गए। इन हमलों में एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने गैस सिलेंडर से बने देसी विस्फोटक इस्तेमाल किए। एक कार सत्तारूढ़ पार्टी की पूर्व संसदीय उम्मीदवार अफ्रोदिती नेस्टोरा की थी। वह झुलस गईं, जबकि उनकी मां ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने घटना की निंदा करते हुए इसे अंधी राजनीतिक हिंसा बताया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की एंटीना पर चढ़कर बैनर लहराने पर दो गिरफ्तार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित मशहूर एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की एंटीना पर बुधवार को दो लोग चढ़ गए और वहां 'प्यार की ताकत' का संदेश लिखे बैनर को लहरा दिया। दोनों ने ऊंचाई पर सेल्फी ली, एक-दूसरे को गले लगाया और किस भी किया। करीब आधे घंटे बाद वे नीचे उतरने लगे, जहां पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यह अभी साफ नहीं हो पाया है कि दोनों इमारत की सुरक्षा व्यवस्था को पार कर एंटीना तक कैसे पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पाकिस्तान की स्वात घाटी में नाव पलटने से एक ही परिवार के छह की मौत, तीन लापता ; बचाव अभियान जारी

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की स्वात घाटी में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां की प्रसिद्ध सैफुल्ला झील में नौ पर्यटकों से भरी एक नाव पलट गई। इस हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग अभी भी लापता हैं। पुलिस के अनुसार, नाव पर सवार सभी नौ लोग एक ही परिवार के थे। ये सभी पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के रहने वाले थे और स्वात घाटी के कलाम इलाके में घूमने आए थे। झील की सैर के दौरान अचानक नाव असंतुलित होकर पानी में पलट गई। हादसे की खबर मिलते ही 'रेस्क्यू 1122' की टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने महोदंड इलाके के पास झील से छह शव बरामद कर लिए हैं। लापता तीन सदस्यों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। अधिकारी हादसे के असली कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने इस घटना पर संज्ञान लिया है और संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि अगर इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही पाई जाती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

अफगान मंत्री ने पाकिस्तान को दी खुली धमकी, कहा- हमने बड़ी ताकतों को हराया

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के सूचना और संस्कृति मंत्री शर अहमद हक्कानी ने बुधवार को पाकिस्तान के साथ जारी तनाव को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अफगान लोग बाहरी दबाव या सैन्य हमलों से डरने वाले नहीं हैं। काबुल पहले ही उन विरोधियों पर जीत हासिल कर चुका है, जिनके पास उससे कहीं बेहतर हथियार और आधुनिक तकनीक थी। अफगानिस्तान स्थित 'आरियाना न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक, पत्रकारों की बौद्धिक, वैचारिक और पेशेवर क्षमता बढ़ाने के लिए आयोजित सेमिनार में बोलते हुए हक्कानी ने कहा कि अफगानिस्तान को धमकियों से डराया नहीं जा सकता, क्योंकि अफगानिस्तान कई सालों से संघर्ष झेलता आया है। शर अहमद हक्कानी ने कहा कि जिन लोगों ने बेरहमी से बमबारी करके हमारे बच्चों को नींद में मार डाला, उनसे हम कहना चाहते हैं कि हम बम धमाकों और मुश्किलों से नहीं डरते। हमने उन लोगों को हराया है, जो आधुनिक तकनीक और हथियारों के मामले में आपसे कहीं ज्यादा ताकतवर थे।

अरब सागर में अमेरिकी हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी वॉटर लैंडिंग, एक क्रू मेंबर लापता

मनामा, एजेंसी। अरब सागर में अमेरिकी नौसेना के एक हेलीकॉप्टर को इमरजेंसी वॉटर लैंडिंग करानी पड़ी. इसमें सवार 4 क्रू मेंबर में एक लापता हो गया.उसकी तालश के लिए अभियान चलाया गया है. यह जानकारी यूएस नेवल फोर्सेज सेंट्रल कमांड, जिसे यूएस 5ह्लद्ध फ्लीट भी कहा जाता है ने दी. एक्स पर एक पोस्ट में यूएस 5ह्लद्ध फ्लीट ने कहा, '1 जुलाई को सुबह 3:30 बजे ईटी पर यूएसएस जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश को सौंपे गए एमएच-60एस सी हॉक हेलीकॉप्टर के एयरक्रू ने अरब सागर में इमरजेंसी वॉटर लैंडिंग की नेवी ने कहा, 'इस बात का कोई संकेत नहीं है कि इमरजेंसी दुश्मन की कार्रवाई की वजह से हुई थी.' इसमें आगे कहा गया कि हेलीकॉप्टर के चार क्रू मेंबर में से तीन को निकाल लिया गया और उनकी हालत स्थिर है. उन्हें जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश पर रखा गया है.

अमेरिकी नेवी ने कहा कि बाकी क्रू मेंबर के लिए सर्च ऑपरेशन चल रहा है, और कहा, 'इस इलाके में अमेरिकी नेवी के एसेट्स अभी भी लापता दूसरे एयरक्रूमैन की तलाश कर रहे हैं.' नेवी ने आगे कहा कि घटना के कारण की 'जांच चल रही है.' इस बीच बुधवार (लोकल टाइम) को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण अच्छी तरह से चल रहा है. उन्होंने कतर में सीनियर अमेरिकी अधिकारियों के साथ सीधी हाई-लेवल बातचीत में ईरान के न होने

के बावजूद तेहरान के साथ राजनयिक प्रगति को लेकर उम्मीद जताई. नॉर्थ डकोटा में नई बनी थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी देखने के लिए निकलते समय रिपोर्टर्स से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर हमलों को लेकर ईरान पर हाल ही में हुई मिलिट्री कार्रवाई के बाद तेहरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर बातचीत पॉजिटिव रूप से आगे बढ़ी है.

ट्रंप ने कहा, 'जहां तक ??बात है, ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है. उनकी बहुत अच्छी मीटिंग्स हुई है, और हम देखेंगे. हमने तीन रातों तक उन पर बहुत कड़ा प्रहार किया लेकिन हम बहुत अच्छी तरह से साथ चल रहे हैं. इसलिए मैं इसे परमाणु निरस्त्रीकरण कहता हूं. यह सब हो रहा है. यह सब ठीक चल रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हालिया हमलों के बाद ईरान ने अपना रुख बदल लिया है. उन्होंने कहा, 'वे बहुत आगे बढ़ चुके हैं. हमने पिछले हफ्ते उन पर बहुत जोरदार हमला किया. वे ठीक हैं. हम इसे हासिल करने जा रहे हैं. यह ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण है. तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर वाशिंगटन की दीर्घकालिक स्थिति को दोहराते हुए, ट्रम्प ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी. उन्होंने कहा, 'ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता. अन्यथा, ये सभी चीजें जो हम देखते हैं, ये सभी चीजें जो हम करते हैं, देश में कभी भी ऐसी गतिविधि नहीं रही जैसी अभी है.' ट्रम्प की टिप्पणी तब आई है जब ईरानी अधिकारियों ने दोहा में अमेरिका के साथ सीधे उच्च स्तरीय वार्ता में भाग नहीं लिया है.

4 में से 3 मिले : नौसेना ने कहा, 'ऐसा कोई संकेत नहीं है कि यह इमरजेंसी किसी दुश्मन की कार्रवाई की वजह से हुई थी।' उन्होंने बताया, 'हेलीकॉप्टर के चार क्रू सदस्यों में से तीन को सुरक्षित निकाल लिया गया है और जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश पर उनकी हालत स्थिर है।' आगे जानकारी दी गई, 'क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नौसेना के संसाधन फिलहाल लापता चल रहे अन्य क्रू सदस्य की तलाश कर रहे हैं।'

खतरनाक है पानी पर लैंडिंग : रॉयटर्स के अनुसार, पानी पर हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग बेहद जोखिम भरी होती है, यहां तक कि माहिर पायलटों के लिए भी। इसकी वजह यह है कि हेलीकॉप्टर का ऊपरी हिस्सा काफी भारी होता है, जिससे पानी में डूबते ही उसके तुरंत पलट जाने का खतरा बहुत ज्यादा रहता है। इसके अलावा इस इलाके में तैनात अमेरिकी सैनिक भी पूरी तरह चौकन्ने हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम होने के बावजूद बीच-बीच में अचानक हिंसक झड़पें होती रहती हैं। ईरान और अमेरिका ने कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थता में दोहा में परोक्ष वार्ता का एक नया दौर शुरू किया है। चारों पक्षों में यह चर्चा स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच सीधे संवाद के पहले दौर के कुछ दिनों बाद हो रही है। इस वार्ता का मुख्य उद्देश्य पिछले महीने किए गए समझौते को लागू करना है। इसमें विशेष रूप से ईरान की रोकी गयी संपत्तियों और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने से जुड़े मामलों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

पोलैंड हाई अलर्ट पर, बॉर्डर पर तैनात किए एयर डिफेंस सिस्टम, फाइटर जेट्स की हलचल बढ़ी

वारसॉ , एजेंसी। रूस ने एक बार फिर अपनी सैन्य आक्रामकता का परिचय देते हुए कीव पर अब तक के सबसे बड़े संयुक्त हवाई हमलों में से एक को अंजाम दिया। इस हमले में रूसी सेना ने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन्स का एक साथ बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया, जिसने पूरे शहर की नींव हिलाकर रख दी। गुरुवार तड़के शुरू हुए इस भीषण हमले के बाद पूरे शहर में 'एयर रेड सायरन' गूंजने लगे और हजारों नागरिक अपनी जान बचाने के लिए मेट्रो स्टेशनों और गहरे भूमिगत बंकरों की ओर शरण लेने को मजबूर हो गए।

पोलैंड में हाई अलर्ट : रूस के इस हमले का असर केवल यूक्रेन की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहा। पड़ोसी देश और ह्लज्ञह सदस्य पोलैंड ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल सक्रिय कर दिया है। पोलिश सेना ने एहतियात के तौर पर अपने स्न-16 लड़ाकू विमानों को उड़ान भरने के निर्देश दिए और अपने एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम तथा रडार यूनिट्स को 'हाई अलर्ट' पर तैनात कर दिया है। पोलैंड ने बयान जारी कर कहा कि यह कदम यूक्रेन से सटे सीमावर्ती इलाकों और अपने हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

हमले में 11 लोग घायल : कीव के मेयर विताली क्लिट्स्को के अनुसार, रूसी मिसाइलों और ड्रोन्स ने शहर के कई महत्वपूर्ण और नागरिक इलाकों को निशाना बनाया। मध्य कीव के प्रसिद्ध शेवचेंको बुलेवार्ड में स्थित एक होटल की ऊपरी मंजिलों में हमले के बाद भीषण आग लग गई, जिसकी लपटें मीलों दूर से देखी जा सकती थीं। इसके अलावा, एक नौ मंजिला रिहायशी अपार्टमेंट का एक हिस्सा मिसाइल की चपेट में आकर ढह गया, जिससे कई लोग मलबे के नीचे दब गए। राहत और बचाव दल ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मलबे में फंसे लोगों को निकालने का काम शुरू किया। रिपोर्ट के अनुसार, एक एंबुलेंस स्टेशन भी इस हमले की चपेट में आया, जहां एक पैरामेडिक गंभीर रूप से घायल हो गया है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, कम से कम 11 लोग घायल हुए हैं।

अफगानिस्तान में एक बार फिर हिली धरती, आया 5.5 तीव्रता का भूकंप; नुकसान की खबर नहीं

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में एक बार फिर भूकंप ने दहशत फैला दी है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्लस्र) के अनुसार, बुधवार को जुर्म क्षेत्र के निकट 5.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र भूमि से 216.7 किलोमीटर (लगभग 135 मील) की काफी अधिक गहराई पर था। गहराई अधिक होने के कारण सतह पर कंपन अपेक्षाकृत कम महसूस किया गया। अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान या हताहत की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

पहाड़ी इलाकों में अक्सर आते हैं भूकंप : बता दें कि अफगानिस्तान भारतीय टेक्टोनिक प्लेट और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट की सीमा पर स्थित है, जो इसे दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंप क्षेत्रों में से एक बनाता है। हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला इस क्षेत्र को और भी संवेदनशील बनाती है। उत्तर-पूर्वी बदख्शां प्रांत समेत पहाड़ी इलाकों में नियमित रूप से भूकंप आते रहते हैं, जिनके झटके अक्सर पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और भारत के उत्तरी हिस्सों तक महसूस किए जाते हैं।

27 जून को आया था 6.2 तीव्रता का भूकंप : इससे पहले शनिवार 27 जून को भी उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में 6.2 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। स्लस्र के मुताबिक, इसका केंद्र बदख्शां प्रांत के जुर्म के पास 208 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के झटके अफगानिस्तान के अलावा पाकिस्तान, उत्तरी भारत, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और किर्गिस्तान तक महसूस किए गए थे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसे 215 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया और बताया कि भूकंप भारतीय समयानुसार शाम 7:04 बजे आया था। अफगानिस्तान के बदख्शां, बल्ख, नंगरहार और खोस्त समेत कई प्रांतों में तेज कंपन महसूस किया गया। काबुल में लोगों ने बताया था कि इमारतें हिलीं और कुछ इमारतों में दरारें भी पड़ गई थीं। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफ़गानिस्तान का हिंदू कुश क्षेत्र था। इसके झटके इस्लामाबाद के साथ-साथ पूर्वी पंजाब प्रांत और उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में भी महसूस किए गए।

पाकिस्तान में 125 साल पुराने गुरुद्वारे पर चला बुलडोजर, भारत ने शहबाज सरकार को लगाई कड़ी फटकार

लाहौर , एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों पर हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला पंजाब प्रांत के फारूकाबाद का है, जहां 125 साल पुराने ऐतिहासिक 'गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा साहिब' के एक हिस्से को मलबे में तब्दील कर दिया गया। लाहौर से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित इस पवित्र स्थल पर हुई इस कार्रवाई ने न केवल स्थानीय सिख समुदाय को झकझोर दिया है, बल्कि भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक तनाव भी बढ़ा दिया है।

भारत ने जताया कड़ा ऐतराज : गुरुद्वारे को गिराए जाने की खबर सामने आते ही भारत सरकार ने इस पर कड़ा ऐतराज जताया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस घटना को 'बेहद निंदनीय' और 'सोची-समझी बर्बरता' करार दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सिखों के एक सम्मानित धार्मिक स्थल के खिलाफ जानबूझकर की गई कार्रवाई है। भारत ने शहबाज शरीफ सरकार से मांग की है कि इस घिनौनी हरकत के दोषियों को तुरंत सलाखों के पीछे भेजा जाए और गुरुद्वारे के क्षतिग्रस्त हिस्से का जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराया जाए।

बिना एनओसी के ढहा दी गई विरासत : शुरुआती जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस ऐतिहासिक ढांचे को किसी सरकारी आदेश पर नहीं, बल्कि एक स्थानीय व्यवसायी की मनमानी के कारण ढहाया गया है। पंजाब सरकार के एक अधिकारी के अनुसार, उक्त व्यवसायी ने संबंधित विभाग से आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र लिए बिना ही इस प्राचीन इमारत को गिराना शुरू कर दिया। सबसे गंभीर बात यह है कि स्थानीय प्रशासन और 'इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड' ने तब तक कोई कार्रवाई नहीं की, जब तक कि सिख समुदाय ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू नहीं कर दिया।

सिख समुदाय ने जताया विरोध : इस घटना के बाद पाकिस्तान के सिख समुदाय में भारी आक्रोश व्याप्त है। लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों के दबाव में आकर पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने मामले का संज्ञान लिया है।

धार्मिक असहिष्णुता पर उठते सवाल : भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान में व्याप्त सांप्रदायिक हिंसा और धार्मिक असहिष्णुता के माहौल पर गंभीर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों को निशाना बनाया गया है। भारत ने अपील की है कि पाकिस्तान सरकार केवल वादे न करे, बल्कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाए।

वेनेजुएला ने भूकंप पीड़ितों के लिए 7 दिनों का राष्ट्रीय शोक किया घोषित

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने 24 जून को देश में आए शक्तिशाली भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पीड़ितों की याद में मैंने बुधवार (स्थानीय समय) की शाम 6:00 बजे से सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित करने का फैसला किया है। भारी दुख की इस घड़ी में हम इस त्रासदी से पीड़ित लोगों को गले लगाते हैं और उनके साथ रहने और उनकी रक्षा करने का अपना वादा दोहराते हैं।' रोड्रिगेज ने आगे कहा, 'खतरनाक भूकंपों से हुए इंसानी नुकसान से वेनेजुएला की आत्मा टूट गई है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मंगलवार तक भूकंप से कम से कम 1,943 लोगों की मौत हो चुकी थी और 10,500 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इससे पहले, पुर्तगाली सरकार ने भी

वेनेजुएला में भूकंप के पीड़ितों, खासकर पुर्तगाली नागरिकों और पुर्तगाली मूल के लोगों के लिए रविवार (5 जुलाई) को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाने की घोषणा की थी। पुर्तगाल के विदेश मंत्रालय के नए अपडेट के मुताबिक, पुर्तगाली नागरिकों और पुर्तगाली मूल के लोगों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 71 हो गई है, जिसमें 11 बच्चे शामिल हैं, जबकि 71 और लोग लापता हैं। आधिकारिक लुसा न्यूज एजेंसी के अनुसार, वेनेजुएला में रहने वाला पुर्तगाली समुदाय दुनिया भर में बसे पुर्तगाली प्रवासी समुदायों में सबसे बड़े समुदायों में से एक है। लैटिन अमेरिका में इसका स्थान ब्राजील के बाद दूसरा है। सामुदायिक अनुमानों के मुताबिक, पुर्तगाली मूल के लोगों सहित इस समुदाय की आबादी लगभग 12 लाख (1.2 मिलियन) है। पिछले हफ्ते, वेनेजुएला नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने घोषणा की कि ला गुएरा राज्य को बचाव के कामों में मदद करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलिट्री कंट्रोल में ले लिया गया है। ला गुएरा लगातार आए दो भूकंपों से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। रोड्रिगेज ने एक टेलीविजन ब्रीफिंग के दौरान कहा, 'हम सभी को बताना चाहते हैं कि ला गुएरा राज्य अब पूरी तरह से मिलिट्री के कंट्रोल में है और पूरी तरह से बोलिवेरियन नेशनल आर्म्ड फोर्सेज के नियंत्रण में है। रोड्रिगेज ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, अंदरूनी व्यवस्था बनाए रखने और वेनेजुएला के इमरजेंसी रेस्पॉन्डर्स और अंतरराष्ट्रीय बचाव दलों के रेस्क्यू ऑपरेशन को आसान बनाने के लिए यह कदम उठाने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि ज्यादातर रेस्क्यू करने वाले लोग काराबालेडा, मैकुटो, लॉस कोरालेस और कैटिया ला मार में काम कर रहे थे। ये ऐसे इलाके हैं जो भूकंप से बुरी तरह प्रभावित हुए थे।

सीमा विवाद पर नरम पड़ा नेपाल, विदेश मंत्री शिशिर खनाल बोले- भारत से बातचीत को हमेशा तैयार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए एक बहुत ही सकारात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने संसद के ऊपरी सदन में बयान देते हुए कहा कि नेपाल हमेशा से भारत के साथ कूटनीतिक बातचीत के जरिए इस मुद्दे को हल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। खनाल ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच मौजूद बहुत ही मजबूत और करीबी रिश्तों पर विशेष रूप से जोर दिया। नेपाल सरकार ऐतिहासिक समझौतों और नक्शों के आधार पर ही इस पुराने मसले का शांतिपूर्ण समाधान पूरी तरह से चाहती है।

नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भारत और नेपाल के बीच मौजूद करीबी संबंधों और संवेदनाओं का हमेशा से पूरा सम्मान करती है। इससे पहले नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने मई में संसद में एक बहुत ही विवादित बयान दिया था जिस पर काफी बवाल मचा था। उन्होंने भारत पर नेपाल की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया था और इस मामले में चीन और ब्रिटेन को शामिल करने की बात कही थी। लेकिन अब विदेश मंत्री के इस नए बयान ने दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने और मजबूत करने की एक नई उम्मीद जगा दी है।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के विवादित बयान के बाद भारत ने इस मुद्दे पर किसी भी तीसरे देश के दखल को पूरी तरह से और सिरे से खारिज कर दिया था। नेपाल के सभी विपक्षी दलों ने भी बालेन शाह के इस गैर-जरूरी और भड़काऊ बयान की बहुत ही कड़ी आलोचना की थी। बाद में नेपाल के विदेश मंत्रालय ने अपनी सफाई जारी करते हुए कहा था कि पीएम का मतलब सिर्फ सीमा के दोनों ओर के स्थानीय लोगों की घुसपैठ से था।

सुस्ता सीमा पर आपसी तालमेल : दक्षिण नेपाल के सुस्ता क्षेत्र में चल रहे विवाद पर बात करते हुए विदेश मंत्री खनाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास सारा काम आपसी तालमेल से हो रहा है। सुस्ता क्षेत्र में 132 मीटर लंबे तटबंध के निर्माण का काम भी दोनों देशों के बीच आपसी सहमति बनने के बाद ही तेजी से आगे बढ़ाया गया है। दोनों देशों की संबंधित संस्थाएं हमेशा एक-दूसरे के संपर्क में रहती हैं ताकि किसी भी तरह की कोई नई गलतफहमी पैदा न हो सके।

भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी जैसे इलाकों को लेकर बहुत ही पुराना सीमा विवाद लगातार चलता आ रहा है। भारत का हमेशा से यही स्पष्ट रुख रहा है कि ये सभी क्षेत्र उत्तराखंड का अभिन्न हिस्सा हैं और इन्हें द्विपक्षीय बातचीत से सुलझाना चाहिए। दोनों देश अक्सर इन अहम क्षेत्रों पर अपना-अपना दावा मजबूती से करते रहे हैं जिसे सुलझाने के लिए अब कूटनीतिक पहल की जा रही है।

असद राज के खात्मे के बाद सीरिया में नई संसद तैयार, 70 सांसदों की लिस्ट हुई जारी

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में पांच दशक पुराने असद शासन के अंत के बाद अब पहली बार नई संसद का विधिवत गठन हुआ है। देश के नवनियुक्त अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने अपनी तरफ से 70 नए सांसदों की एक बहुत ही महत्वपूर्ण सूची को आधिकारिक तौर पर जारी किया है।

सीरियाई संसद का यह ऐतिहासिक पुनर्गठन पूरी दुनिया को दिखाता है कि देश अब शांति और नए कानून बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। दिसंबर 2024 में विद्रोहियों के बड़े हमले और अचानक हुए तख्तापलट के बाद से देश में कोई भी आधिकारिक संसद सुचारू रूप से काम नहीं कर रही थी। सीरिया की चुनाव समिति के प्रमुख मोहम्मद ताहा अल-अहमद ने बताया है कि इस नई संसद में कुल 210 सदस्य पूरी तरह से शामिल होंगे। इस नवनिर्वाचित संसद की सबसे पहली और अहम बैठक आने वाले सोमवार को राजधानी में बहुत ही शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित की जाने वाली है। सीरिया देश बहुत लंबे समय तक असद परिवार के बेहद क्रूर शासन और भयंकर गृहयुद्ध की गहरी मार को लगातार अपने ऊपर झेलता आ रहा था। इस विनाशकारी और लंबे चले युद्ध में लगभग 5 लाख निर्दोष लोग अपनी जान गंवा चुके हैं जिससे पूरे देश को भारी जनहानि और नुकसान हुआ है।

महिलाओं की बढ़ी भागीदारी : अंतरिम राष्ट्रपति अल-शरा द्वारा चुनी गई 70 सांसदों की इस नई और महत्वपूर्ण लिस्ट में 15 महिलाओं को भी विशेष रूप से शामिल किया गया है। नई संसद की पहली बैठक में सभी नवनिर्वाचित सदस्य अपनी-अपनी शपथ लेंगे और संसद के प्रेसिडेंशियल काउंसिल का अहम चुनाव भी शांतिपूर्वक किया जाएगा। इन 15 नई महिलाओं के आधिकारिक रूप से जुड़ने

के साथ ही अब सीरियाई संसद में महिला सदस्यों की कुल संख्या बढ़कर 22 हो गई है। यह शानदार कदम सीरिया की नई राजनीति में महिलाओं की बढ़ती हुई सक्रिय और महत्वपूर्ण भागीदारी को पूरी दुनिया के सामने बहुत ही स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

सुवेदा के दो प्रतिनिधि शामिल : सीरिया में संसदीय चुनाव का पहला चरण पिछले साल अक्टूबर में हुआ था लेकिन दक्षिणी प्रांत सुवेदा को इससे पूरी तरह से अलग रखा गया था। सुवेदा पर ड्रूज बंदूकधारियों का पूरा कंट्रोल है जो केंद्र सरकार के विरोधी हैं और वहां चुनाव के लिए अभी कोई भी तारीख तय नहीं की गई है।

इसके बावजूद अंतरिम राष्ट्रपति अल-शरा की ओर से जारी की गई लिस्ट में इस विशेष क्षेत्र के 2 प्रतिनिधियों को खास तौर पर शामिल कर लिया गया है। वहीं पूर्वोत्तर सीरिया में हिंसक झड़पों के बाद सरकारी बलों के पूर्ण कब्जे के कारण इस साल मई महीने में शांतिपूर्वक मतदान का काम पूरा कराया गया था।

नया चुनाव कानून बनाना लक्ष्य : चुनाव समिति के प्रमुख अल-अहमद के मुताबिक इस नवगठित संसद का पूरा कार्यकाल सिर्फ 30 महीने का ही सख्ती के साथ निर्धारित किया गया है। इस पूरे तय समय के दौरान संसद का सबसे मुख्य और अहम काम देश के लिए एक बिल्कुल नया और पारदर्शी चुनाव कानून तैयार करना होगा। यह नई संसद अगले चुनावों में जनता के लिए पूर्ण मतदान कराने की खातिर एक बहुत ही मजबूत और सुरक्षित जमीन तैयार करने का अहम काम करेगी। असद राज खत्म होने के बाद अब सीरिया की आम जनता को इस नई अंतरिम सरकार और संसद से बहुत ही ज्यादा उम्मीदें पूरी तरह से बंधी हुई हैं।

जानकारी

सोने से पहले पैरों की मालिश करना कई वजहों से फायदेमंद

सिर पर तेल की मालिश लंबे समय से सिरदर्द के इलाज, तनाव को कम करने और थकान के प्रभावी उपचार के लिए एक आसान और बेहतर उपाय है। आज बाजार में कई तरह के तेल उपलब्ध हैं, जिनके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। वहीं कुछ लोग एक थका देने वाले सप्ताह के बाद आराम करने के लिए बॉडी मसाज का भी सहारा लेते हैं। चाहे वह त्वचा हो या बाल, विभिन्न प्रकार के तेल हमेशा एक बेहतर इलाज के विकल्प बने रहते हैं। शारीरिक गतिविधियों और व्यस्त कार्यक्रम से पैरों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। दर्द को ठीक करने का सबसे सरल उपचार है कि आप आराम से पैर की मालिश करें। वहीं पैर की मालिश से सिर्फ आपके पैरों को ही आराम नहीं मिलता, बल्कि इसके कई और स्वास्थ्यकारी फायदे भी हैं। नेचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. निलोफर उस्मान खान नियमित रूप से सोने से पहले 10 से 15 मिनट तक पैरों की मालिश करने के कई फायदे बताती हैं। आइए हम आपको बताते हैं इसके बारे में।

जोड़ों के दर्द के लिए मालिश फायदेमंद

सोने से पहले पैरों की तेल मालिश उन लोगों के लिए बहुत अच्छी है, जो नियमित रूप से जोड़ों में दर्द की शिकायत करते हैं। बस तेल लगाना और दर्दनाक जोड़ों की मालिश करना सबसे अच्छा घरेलू उपाय है, जो कष्टदायी दर्द से तुरंत राहत प्रदान करता है। दर्दनाक जोड़ों पर तेल की मालिश का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे थोड़ा गर्म किया जाए। गुनगुना तेल न सिर्फ जोड़ को मजबूत बनाता है बल्कि दर्द और परेशानी से छुटकारा पाने में मदद करता है। इसके अलावा, नियमित रूप से तेल की मालिश हड्डियों में विकृति से छुटकारा पाने के लिए भी एक अच्छा उपाय है। यही कारण है कि नवजात शिशुओं के लिए तेल की मालिश बहुत जरूरी है।

पीएमएस के दौरान मिलता है आराम

पीएमएस यानी कि प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम। यह समस्या लाखों महिलाओं को सताती है। महिलाओं को पता है कि वे पीएमएस के दौरान काफी कर्कश हो जाती हैं। साथ ही उन्हें सोने में परेशानी है और कमर में दर्द का भी सामना करना पड़ता है। पीएमएस की वजह से होने वाले दर्द और कर्कशता से राहत पाने के लिए कोई दवा पर्याप्त नहीं है। पर इसमें पहले पैरों की मालिश काम आ सकती है। इसके लिए आप सरसो के तेल को गर्म करके तलवों में और पैरों में लग सकती हैं। इसके अलावा इसे आप अपनी कमर में भी लगा सकती हैं। इस तरह ये आपको काफी आराम पहुंचाएगा। साथ ही साथ आपका माथा भी ठंडा कर देगा और आप स्ट्रेस फ्री फील करेंगी।

ब्लड सर्कुलेशन को बनाती है बेहतर

हमारे शरीर में ब्लड कई अंगों को ऑक्सीजन व पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है। सोने से पहले कुछ मिनट पैर की मालिश करने से आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पैर और तलवों में कई सारे प्रेशर प्लाइंट्स है, जिन्हें तेल मसाज से फायदा मिलता है। इस तरह तेल मसाज करने से आपको कुछ ही समय में तनाव से छुटकारा मिल सकता है। यह न केवल आपको आराम देता है बल्कि नींद को प्रेरित करता है। साथ ही, मांसपेशियों में ऐंठन और थकान की संभावना को कम करने के लिए उचित रक्त परिसंचरण के लिए भी जरूरी है। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आप पाएंगे कि तेल मालिश से आपके पूरे शरीर को आराम मिल रहा है।

लो ब्लड प्रेशर का बेहतर इलाज

शरीर को बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए, हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। यदि आप उन लोगों में से हैं, जिनका शरीर बहुत जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है, तो अपने ब्लड प्रेशर का ध्यान रखें। कारणों और अन्य कारकों के आधार पर लो ब्लड प्रेशर को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। इन कारकों में मानसिक विकार, खाने के बाद तंत्रिका तंत्र को नुकसान, और यहां तक किसी चीज की कमी के कारण भी अचानक खड़े होने से आपको लो ब्लड प्रेशर की परेशानी हो सकती है। ऐसे में सोने से पहले 10 मिनट के लिए अपने पैरों की मालिश करें। यह शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को नियंत्रित करेगा, जिससे एक आरामदायक नींद आएगी और धीरे-धारे आपका ब्लड प्रेशर नॉर्मल हो जाएगा।

माइग्रेन को लेकर आपके मन में हैं ये भ्रम? तो जानें इनके पीछे की सच्चाई

माइग्रेन से पीड़ित व्यक्तियों में गंभीर सिरदर्द के साथ-साथ मतली, उल्टी और लाइट के प्रति सेंसिटिविटी के साथ इसे संदर्भित किया जाता है। औसतन लोगों में माइग्रेन का दर्द 4 घंटे से 3 दिनों तक रहता है और कभी-कभी अधिक समय तक के लिए भी बढ़ सकता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में माइग्रेन आम तौर पर अधिक पाया जाता है। माइग्रेन के कारणों में लाइफ स्टाइल के अलावा भी कई और वजह हैं। वहीं माइग्रेन के कारण मस्तिष्क में परिवर्तन के साथ-साथ परिवारों में चलने वाले जीन से संबंधित भी हो सकते हैं। आप इसे इनहेरीटेड ट्रिगर भी कर सकते हैं, जो आपको थकान, तेज रोशनी, सिरदर्द, मौसम परिवर्तन और अन्य जैसे कई कारणों से माइग्रेन देता है। पर आम लोगों में माइग्रेन से जुड़े कुछ मिथक या कहें कि भ्रम भी हैं। आइए आज हम आपको इन मिथकों से जुड़े कुछ तथ्य भी बताते हैं।

आम लोगों में माइग्रेन को लेकर कई गलतफहमियां भी हैं, जिस पर भरोसा करने से पहले आप उसके पीछे के साइंस और अपने डॉक्टर की राय जरूर जान लें।

माइग्रेन के जुड़े 4 मिथक और उनके पीछे के तथ्य

मिथक 1

सिर्फ सिरदर्द है माइग्रेन

अक्सर लोगों को लगता है कि माइग्रेन सिर्फ एक सिरदर्द है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। दरअसल बहुत से लोगों को लगता है कि माइग्रेन एक तरह का तेज सिरदर्द होता है, जबकि साइंस की मानें, तो माइग्रेन में सिरदर्द सिर्फ एक लक्षण है, जबकि इसके कई और भी लक्षण हैं। सिरदर्द के साथ-साथ, माइग्रेन में मतली, लाइट के प्रति सेंसिटिविटी, एकाग्रता में कठिनाई, चक्कर, कमजोरी, उल्टी और चेतना की हानि का कारण बनता है। माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें मस्तिष्क में कभी-कभी कार्यात्मक और संरचनात्मक परिवर्तन होते हैं। इसके अलावा, माइग्रेन की कई और विशेषताएं भी हैं। सिरदर्द विकारों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण ढांचा है, जिसका उपयोग डॉक्टर सिरदर्द के दर्द को मापने के लिए कर सकते हैं और अमेरिकन माइग्रेन फाउंडेशन ने माइग्रेन से पीड़ित लोगों को इसे निर्धारित करने में कई मापदंड बनाए हैं। माइग्रेन सिर दर्द से अलग है, क्योंकि इसकी अवधि, गंभीरता और लक्षण इसे कई और तरह से अलग करते हैं।

मिथक 2

कैफीन ही माइग्रेन का कारण है

हमेशा कैफीन माइग्रेन का कारण नहीं होता है, बल्कि कैफीन कुछ सबसे प्रभावी सिरदर्द दवाओं में पाया जाता है। कई रोगियों के लिए कॉफी या सोडा जैसे कैफीनयुक्त पेय सिर दर्द को कम करने में मदद करता है। आपके लिए कैफीन दैनिक सिरदर्द में भी कारगार साबित हो सकता है। इसके अलावा भी कैफीन के कई और नुकसान हो सकते हैं, माइग्रेन ही अकेला क्यों? दरअसल बात ये है कि सभी को कैफीन से जुड़ी ये कोई भी चीज एक नियमित मात्रा में ही लेनी चाहिए। इसके अलावा अपने बाकी जीवनशैली का ख्याल रखें, क्योंकि कुछ प्रमाण हैं कि बार-बार माइग्रेन होने के पीछे न्यूट्रास्युटिकल कारण हो सकते हैं। इसके अलावा आपके खाने से मिलने वाले कुछ पदार्थों में राइबोफ्लेविन (विटामिन -बी 2) कोएंजाइम और मैग्नीशियम भी कारण हो सकते हैं। इसके लिए किसी भी डॉक्टर या सिरदर्द विशेषज्ञ से पूछें और वे आपको बताएंगे कि इसके इलाज में पूरक आहार को सर्वोत्तम रूप से कैसे और किस तरह से लें।

माइग्रेन से बचने का उपाय

आमतौर पर माइग्रेन को ट्रिगर में अल्कोहल, ग्लूटेन, मोनोसोडियम ग्लूटामेट और हिस्टामाइन युक्त खाद्य पदार्थ, डार्क चॉकलेट आदि शामिल हैं, तो इसे ठीक करने के लिए इन चीजों का सेवन कम करें या बंद करें, क्योंकि हर रोगी के शरीर में भोजन की प्रक्रिया अलग-अलग होती है। माइग्रेन से पीड़ित लोग के लिए सबसे अच्छा उपाय ये हैं, अपने माइग्रेन को ट्रिगर्स करने वाले कारणों को जानें और ज्यादा से ज्यादा उससे बचने की कोशिश करें। इसके साथ ही स्ट्रेस, गलत जीवनशैली और देर रात तक जागने की आदत पर कंट्रोल करने की कोशिश करें।

मिथक 3

केवल महिलाओं और वयस्कों को माइग्रेन होता है

माइग्रेन बच्चों को भी हो सकता है। वास्तव में, पांच साल से छोटे बच्चे माइग्रेन के सिरदर्द का अनुभव कर सकते हैं। वे पेट में दर्द, चिड़चिड़ापन, एपिसोडिक भ्रम, गंभीर चक्कर आना, एकाग्रता में कठिनाई और अत्यधिक थकान महसूस कर सकते हैं। महिलाओं को माइग्रेन होने की संभावना तीन गुना अधिक होती है, लेकिन पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित होते हैं, जैसे कि 18-20 प्रतिशत महिलाएं, तो 8-10 प्रतिशत पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित हैं। इसलिए किसी विशेष आयु वर्ग और लिंग को किसी भी बीमारी से जोड़ना गलत है।

मिथक 4

माइग्रेन को ठीक करने के लिए लें ज्यादा से ज्यादा दवाइयां

दुर्भाग्य से, व्यक्तिगत तौर पर माइग्रेन के इलाज के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा दवाइयों की मदद लेने के बारे में सोचते हैं। हालांकि ये गलत है। दवाईयां वास्तव में इसे बदतर बना सकती है। माइग्रेन के साथ रहने वाले कुछ लोग 'रिबाउंड सिरदर्द' की शिकायत करते हैं, लेकिन उस घटना के लिए चिकित्सा शब्द 'मेडिकेशन ओवर्यूज सिरदर्द' है। तीव्र माइग्रेन के दर्द का इलाज करने के लिए बहुत अधिक दवा लेने से भविष्य में अधिक लगातार और अधिक गंभीर माइग्रेन के होने का खतरा पैदा हो सकता है। यहां तक कि इसका इलाज करना और अधिक कठिन हो सकता है।

सेहत

रात में केला खाने से नहीं होता कोई नुकसान

वैसे तो लोग सभी फ्रूट्स को सेहतमंद मानते हैं, लेकिन कुछ फ्रूट्स ऐसे होते हैं, जो हमारे लिए काफी फायदेमंद होते हैं। केला एक ऐसा ही फल है, जो पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में खाया जाता है। केले में बहुत से जरूरी न्यूट्रीएंट्स और विटामिन मौजूद हैं, जो हमारे शरीर में कई तरह की पूर्ति करता है। येलो फ्रूट्स में फाइबर, पोटैशियम, मैगनेशियम, कैल्शियम और विटामिन मौजूद होते हैं। यह हमारे वजन को कम करने के साथ ही हमारे हार्ट को भी स्वस्थ रखता है, लेकिन कई लोग मानते हैं की केले का रात में सेवन करने से सर्दी और खासी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

नींद को और अच्छा बनाने में मददगार है येलो फ्रूट्स

रात में केले का सेवन करने से कोई परेशानी हो सकती है या नहीं इसका कोई साइंटिफिक प्रूफ सामने नहीं आया है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक केले का सेवन रात में करने से कई तरह की दिक्कत हो सकती है। जैसे की सर्दी होना या फिर गला बंद हो सकता है। फ्रूट्स की बात करें तो केला एक ऐसा फ्रूट है, जो भारी मात्रा में हमें स्वस्थ रखने का काम करता है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक, रात में केले का सेवन करना सही नहीं। रात में केले का सेवन करना इसलिए हानिकारक है, क्योंकि रात के समय हमारे शरीर में मैटाबॉलिसम कम होता है जिससे केला हमारे पेट में कई दिक्कतें पैदा करता है।

अध्ययन में इस बात का पता चला कि येलो फ्रूट्स में कई तरह के जरूरी न्यूट्रीएंट्स होते हैं, जो हमारी नींद को और अच्छा बनाने में मदद करता है। इसके अलावा आप अगर नींद के लिए किसी गोली या दवाई का सेवन कर रहे हैं तो आप उन दवाई को छोड़कर रात में पहले केले का सेवन कर सकते हैं। एक केले में लगभग 105 कैलोरी होती है। आप रात में 500 से कम कैलोरी का सेवन करना चाहते हैं तो, दूध के साथ 2 केले खाना आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। अगर आधी रात में मीठा खाने की इच्छा होने लगे तो केला खा लें। केले की मिठास आपकी लालसा को दूर करने में मददगार साबित होती है।

यदि आप शाम के समय में एक्सरसाइज करने के बाद केला खाते हैं, तो लाभदायक होगा। एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग मसालेदार फूड ज्यादा खाते हैं। उनके लिए रात में केला खाना फायदेमंद है। दरअसल, ज्यादा मसाले वाली चीजें खाने से सीने में जलन होने लगती है, लेकिन रात में एक केला खाने से जलन की समस्या दूर हो सकती है। इसके साथ ही मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा के कारण केला आसानी से पच जाता है, जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म दुरुस्त रहता है।

केले में पोटैशियम की मात्रा अधिक और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए यह ब्लड सर्कुलेशन और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में कारगर होता है। केले में खास तरह के प्रोबायोटिक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जो खाने से कैल्शियम को मात्रा को सोखते हैं। कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाती है और उम्र बढ़ने के साथ ही हड्डियों से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं को भी दूर रखती है। अगर आप फिर भी रात में केले का सेवन नहीं छोड़ना चाहते तो आप उसका सेवन कर सकते हैं, क्योंकि केले का सेवन रात में करने से किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता, लेकिन कभी कभी आपको इसका त्याग करना जरूरी है। आप जब सर्दी, खासी, अस्थमा या फिर वजन कम कर रहे हों तो आपको केले का सेवन छोड़ना होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 5000

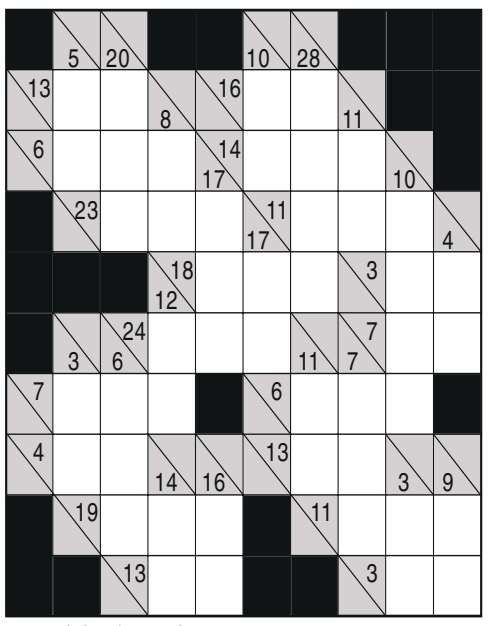

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 4099

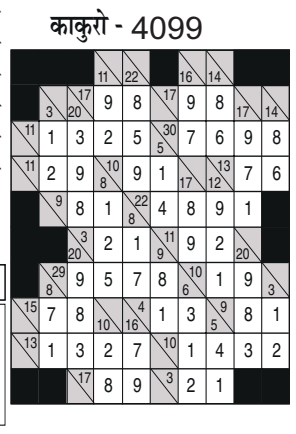

लॉफिंग ज़ोन

शादी के सीजन में जगह-जगह शादी में आने-जाने के कारण रमन के पास कपड़ों की कमी-सी हो जाती? है, फिर भी वो कुछ मैनेज करके अपने खास दोस्त की शादी में जाता है, वहाँ पर दोस्त के अंकल उससे पूछते है- बेटे! ये शर्ट तो बहुत अच्छी है!

रमन- जी, मेरी नहीं है।

अंकल- पैंट भी बहुत अच्छी है।

रमन- ये भी मेरी नहीं है।

अंकल- तो फिर किसकी है?

रमन- लाँड्री वाले की..!

□ □ □

रमन सर्कस देखकर आने के बाद अपने दोस्त से मिलने गया तो उससे कहा- यार! सर्कस में एक मोटी औरत एक दुबले जोकर को खूब मारती रहती है और वह सिर्फ हँसता ही रहता है।

परेश बोला- यार तू बता इसमें नया क्या है? यह तो मेरे घर में रोज ही होता है।

□ □ □

एडवोकेट (गवाह से)- अच्छा तो अब सही-सही बता दो फटाफट, नरेश की मौत आखिर हुई कैसे?

गवाह घबरा कर बोला- बड़ा ही भुलक्कड़ था हुजूर! हो सकता है घटना के समय वह साँस लेना भूल गया हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-5000

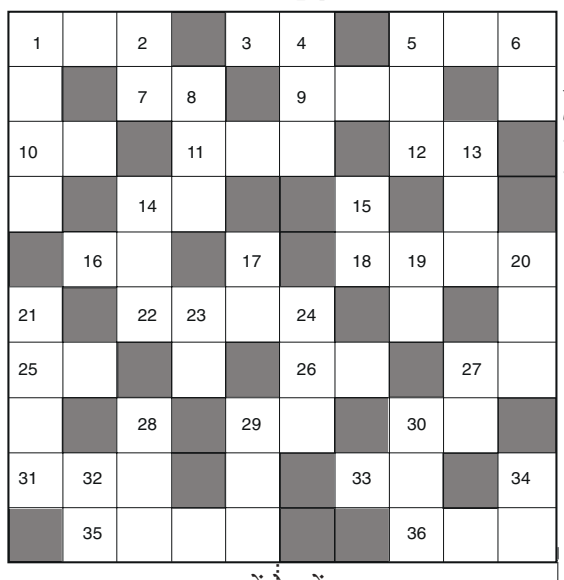

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डु' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, खवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, खवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4099

खु	शी		शो		द	श	र		फ
दा		प	र	ख		जे		खा	की
ग	द	र		त	ला	श			श
वा		दे	व	र		ख	ली	फा	
ह	व	स		ना		ऋ		गु	स
	क्ष		नौ	क	र		आ	न	
गु		श	ज		च	र	स		बा
म	स्त		वा	स	ना		श	जा	जी
ना		जा	न	स		सु			ग
म	शा	ल		र	फ्ता	र		ड	र

सूडोकु -5000

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4099

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली -5000

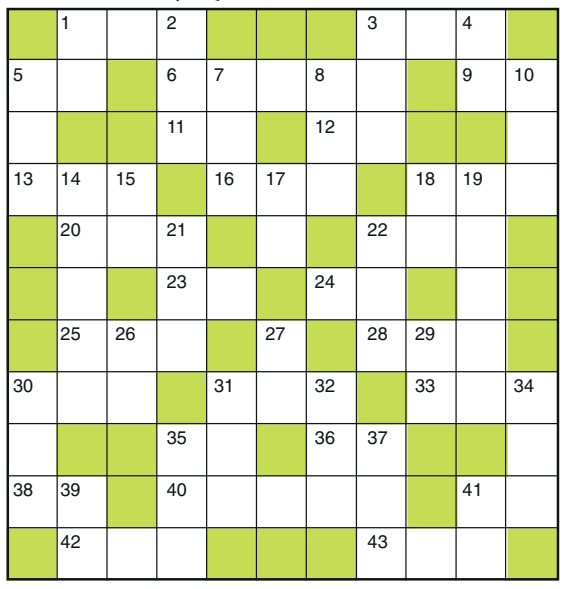

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली - 4099 हल

क	म	ला	का	र			कु	रा	न
था	न		र		कै	ला	श		भ	ला
वा			खा	वि	द		ल			य
च	म	क	ना			त		क	स	क
क		या		क	ल	क	ल		ली	
	आ	स		ल		रा		शा	म	
	रा		क	र	ता	र		म		ख
श	म	न		व			म	त	ल	ब
ह			म		दा	म	न			र
र	थ		ग	र	म		च		दा	दा
	ल	की	र			स	ली	के	दा	र

पिच्छिका बनाए जाने के लिए 20-25 लाख मोरों की हत्या की जाती है: मेनका गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता मेनका गांधी ने कहा कि धर्म के नाम पर पशु-पक्षियों पर अत्याचार करना सही नहीं होने के साथ अपराध भी है। उन्होंने दोहराया कि पिच्छिका बनाए जाने के लिए 20-25 लाख मोरों की हत्या की जाती है, जो सही नहीं है। इंडियन वुमेन प्रेस कोर्प में महिला पत्रकारों के साथ बातचीत में मेनका ने कहा कि जैन मुनियों अपने पिच्छिका बनाने के लिए बड़ी संख्या में मोरो की हत्या करते हैं। मोर इतनी संख्या में अपने पंखों को नहीं गिराती। मुनियों द्वारा यह कहना कि मोर द्वारा गिराए गए पंखों से पिच्छिका बनाई जाती है, यह बात सच से परे है। ग्रेट निकोबार द्वीप के विकास परियोजना सहित कई विकास परियोजनाओं के दौरान पर्यावरण हो रहे नुकसान पर पूछे गए सवाल पर मेनका गांधी ने कहा कि विकास लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए। अगर जीवन की गुणवत्ता बढ़ रही है तो विकास सही दिशा में है। आवारा कुत्तों के नसबंदी कार्यक्रम पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि कुत्तों को एक जगह से दूसरे जगह छोड़ देने से आवारा कुत्तों की संख्या नहीं बढ़ती । अलबत्ता नसबंदी कार्यक्रम को गंभीरता से लागू करने की आवश्यकता है। महिला सशक्तिकरण पर अपनी बात रखते हुए मेनका गांधी ने कहा कि महिलाएं हमेशा जंगलों और कुल्हाड़ी के बीच ढाल बनकर खड़ी रही हैं।

कोलकाता में एनिमल टैक्सोनॉमी समिट-2026 संपन्न, जैव विविधता संरक्षण पर बनीं अहम सिफारिशें

कोलकाता। प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण भारत (जेडएसआई) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय एनिमल टैक्सोनॉमी समिट 2026 का कोलकाता में समापन हो गया। यह सम्मेलन 30 जून से शुरू हुआ था और जेडएसआई के 111वें स्थापना दिवस पर आयोजित किया गया। समापन समारोह में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासीसम्मेलन में देशभर से 500 से अधिक वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने भाग लिया। तीन दिन के दौरान वर्गीकरण विज्ञान, जैव विविधता, प्राणी प्रणाली विज्ञान और वन्यजीव संरक्षण जैसे विषयों पर 10 तकनीकी सत्र और पोस्टर प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। सम्मेलन में तैयार की गई सिफारिशें भविष्य की पर्यावरण एवं संरक्षण नीतियों के लिए भारत सरकार को भेजी जाएंगी।

सड़क एम्बुलेंस की सुरक्षा, कार्य क्षमता बढ़ाने को एआईएस-125 में संशोधन का मसौदा जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर में सड़क एम्बुलेंस की सुरक्षा और कार्यक्षमता को मजबूत बनाने के लिए ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (एआईएस-125) में संशोधन का मसौदा जारी किया है। इसके तहत नवजात शिशुओं को उच्चस्तरीय चिकित्सा देखभाल वाले अस्पतालों तक पहुंचाने के लिए नवजात एम्बुलेंस और एक साथ कई स्ट्रेचर ले जाने के लिए मल्टी-स्ट्रेचर एम्बुलेंस शामिल किया जाएगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि 2016 में एआईएस-125 (भाग-1) को अधिसूचित किया गया था, जिसमें एम्बुलेंस के निर्माण और कार्यात्मक मानकों का उल्लेख था। इसके बाद एआईएस-125 (भाग-2) में विभिन्न श्रेणियों की एम्बुलेंस के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की सूची दी गई थी। अब इन दोनों मानकों में संशोधन कर सुरक्षा और कार्यक्षमता को और बेहतर बनाने का प्रस्ताव किया गया है। संशोधनों में विशेष प्रकार की एम्बुलेंस शामिल हैं, जैसे नवजात शिशुओं को उच्चस्तरीय चिकित्सा देखभाल वाले अस्पतालों तक पहुंचाने के लिए नवजात एम्बुलेंस और एक साथ कई स्ट्रेचर ले जाने के लिए मल्टी-स्ट्रेचर एम्बुलेंस। इसके अलावा, क्लास बी, सी और डी श्रेणी की सभी एम्बुलेंस में अनिवार्य रूप से बचाव उपकरण लगाए जाएंगे ताकि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से पीड़ितों को निकालने और स्वयं एम्बुलेंस के दुर्घटनाग्रस्त होने की स्थिति में भी राहत कार्य किया जा सके।

अदन की खाड़ी में भारतीय नौसेना को देख समुद्री डकैत भागे, चालक सुरक्षित

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने अदन की खाड़ी में भारत के लिए जरूरी कार्गो ले जा रहे जहाज में समुद्री डकैती को नाकाम कर दिया। भारतीय जहाज को पास आता देख समुद्री डकैत भाग निकले, जिससे चालक दल सुरक्षित बच गया और जहाज पर किसी भी तरह का नुकसान नहीं हुआ। नौसेना के कमांडो ने प्रभावित जहाज पर चढ़कर गहन तलाशी ली और यह सुनिश्चित किया कि जहाज पर अब कोई डाकू नहीं छिपा है। दरअसल, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस के झंडे वाला बल्क करियर एमवी गोल्डन आर्सेनल जहाज भारत के लिए जरूरी कार्गो ले जा रहा था। अदन की खाड़ी में गुजरते समय जिबूती से लगभग 300 नॉटिकल मील पूरब-उत्तर-पूर्व में समुद्री डाकुओं ने जहाज पर हमला कर दिया और उसे अपने कब्जे में लेने की कोशिश की। खतरा देख जहाज के चालक दल ने खुद को एक सेफ रूम में बंद कर लिया और इंडियन ओशन रीजन के इंफॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर को इस बारे में सूचना दी। इसके बाद इस इलाके में तैनात भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस त्रिकंद को उस तरफ रवाना करके मर्चेंट वेसल को रोकने का निर्देश दिया गया। नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने बताया कि 01 जुलाई को संकट का संदेश मिलते ही मिशन पर तैनात भारतीय युद्धपोत आईएनएस त्रिकंद तेजी से मदद के लिए रवाना हो गया। नौसेना के युद्धपोत के करीब आते ही डाकू वहां से भाग खड़े हुए, जिससे चालक दल सुरक्षित बच गया और जहाज पर किसी भी तरह का नुकसान नहीं हुआ।

उन्नत सेल और जीन थेरेपी के लिए सरकार ने ड्रग्स नियमों में किया संशोधन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन करते हुए सेल या स्टेम सेल-आधारित उत्पादों, जीन थेरेपी उत्पादों और ज़ेनोग्राफ्ट को केंद्रीय लाइसेंस अनुमोदन प्राधिकरण(सीएलएए) के दायरे में शामिल कर दिया है। इसका उद्देश्य इन उन्नत चिकित्सा तकनीकों के लिए पूरे देश में एक समान और सख्त नियामक व्यवस्था सुनिश्चित करना है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार ये उपचार अत्यधिक जटिल, विशेषीकृत और तेजी से विकसित होने वाली चिकित्सा तकनीकें हैं। इसलिए मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन पर अधिक कड़ी नियामक निगरानी आवश्यक है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नियमों में संशोधन से

उन्नत चिकित्सा तकनीकों के लिए नियामक व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। इसके साथ मरीजों की सुरक्षा बढ़ेगी तथा स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान क्षेत्र में नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

इस संशोधन से अब सीएलएए के तहत सेल या स्टेम सेल-आधारित उत्पाद , ज़ेनोग्राफ्ट (पशु ऊतकों से बने प्रत्यारोपण योग्य उत्पाद)आएंगे। उल्लेखनीय है कि स्टेम सेल आधारित उपचार और सीएआर-टी सेल थेरेपी का उपयोग ल्यूकेमिया और लिंफोमा जैसे रक्त कैंसर के इलाज में किया जाता है। वहीं, जीन थेरेपी का इस्तेमाल आनुवंशिक बीमारियों और कुछ प्रकार के कैंसर के उपचार में हो रहा है। ज़ेनोग्राफ्ट, यानी पशु ऊतकों से बने प्रत्यारोपण योग्य उत्पाद, हृदय और हड्डी संबंधी उपचारों में उपयोग किए जाते हैं। इस संशोधन से मरीजों की सुरक्षा और नियामक मानकों को और मजबूत किया जाएगा, साथ ही स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान के क्षेत्र में नई तकनीकों को बढ़ावा मिलेगा।

एनएचआरसी ने कोलकाता में इमारत हादसे पर लिया स्वतः संज्ञान

एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने कोलकाता में निर्माणाधीन इमारत गिरने से पांच मजदूरों की मौत और 20 अन्य के घायल होने की घटना का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव, कोलकाता पुलिस आयुक्त और नगर आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। प्रकाशित खबरों के अनुसार गत् 24 जून को निर्माण स्थल पर लगभग 40 मजदूर काम कर रहे थे, तभी निर्माणाधीन गोदाम की लोहे की संरचना का कंक्रीट का ढांचा अचानक ढह गया, जिससे कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए। आरोप है कि स्वीकृत भवन योजना में खामियां थीं, जिसके कारण यह त्रासदी हुई। आयोग ने रिपोर्ट में जांच

की स्थिति के साथ-साथ मृतकों और घायलों के परिजनों को दिए गए मुआवजे (यदि कोई हो) का विवरण भी शामिल होने का निर्देश दिया है।

मप्र के मुख्यमंत्री से मिले त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ मणिक साहा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर आए त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ माणिक साहा ने गुरुवार देर शाम राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इससे पहले उन्होंने सप्तनीक भोपाल के विभिन्न रमणीय स्थलों का भ्रमण किया। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ माणिक साहा गुरुवार देर शाम मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने डॉ साहा के मुख्यमंत्री निवास आगमन पर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ साहा की धर्मपत्नी स्वप्ना साहा भी उपस्थित थीं। डॉ साहा और उनकी धर्म पत्नी दंपति ने मुख्यमंत्री निवास परिसर की बनावट और सुविधाओं की भी सराहना की। इससे पहले त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ साहा भोपाल में आयोजित एओएमएसआई मिड-टर्म कन्वेंशन और एओएमएसआई पोस्टग्रेजुएट कन्वेंशन-मिडकॉम्स 2026 के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ साहा और उनकी धर्म पत्नी ने भोपाल के बड़े तालाब, सहित अन्य कई स्थलों का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री

डॉ. साहा को बड़ी झील और भोपाल का प्राकृतिक सौंदर्य बहुत पसंद आया। जूना अखाड़ा के महामण्डलेश्वर पूज्य स्वामी यतींद्रानंद गिरी महाराज ने भी गुरुवार शाम को भोपाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से समत्व भवन में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि आज भोपाल निवास पर महामण्डलेश्वर पूज्य स्वामी यतींद्रानंद गिरी महाराज का पावन सान्निध्य एवं शुभाशीष प्राप्त हुआ। संतों का आशीर्वाद सेवा, समर्पण और लोककल्याण के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की ऊर्जा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने नवान्न में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष और सिक्किम के मुख्यमंत्री से की मुलाकात

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य सचिवालय नवान्न में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी तथा सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से अलग-अलग मुलाकात की।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के बीच विभिन्न समसामयिक एवं पारस्परिक महत्व के विषयों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

इसके बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नवान्न में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग का स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रेम सिंह तमांग को पश्चिम बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक कृष्णनगर की स्वामी विवेकानंद की टेराकोटा कलाकृति तथा भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त डोकरा कला की कलाकृति भेंट की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन

पारंपरिक कलाकृतियों के माध्यम से बंगाल की समृद्ध कला, संस्कृति और शिल्प परंपरा को सम्मानपूर्वक प्रस्तुत किया गया है। दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित विधायकों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें शामिल होने के लिए उक्त दोनों नेता पहुंचे हुए हैं। इसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी शिरकत करेंगे। नवनिर्वाचित विधायकों को विधायी रीति-रिवाजों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मुंबई के साकीनाका में खुले मैनहोल में गिरकर 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत, चार अधिकारी निलंबित

एजेंसी

मुंबई । मुंबई के साकीनाका इलाके में खैरानी रोड पर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां खुले मैनहोल में गिरने से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान असलम इसाक शेख के रूप में हुई है। बीएमसी ने इस मामले में चार अफसरों को निलंबित किया है। यह हादसा उस समय हुआ जब बृहन्मुंबई महानगरपालिका का सीवेज ऑपरेशन विभाग मैनहोल पर सुरक्षा जाली लगाने का काम कर रहा था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, ठेकेदार की ओर से सुरक्षा के जरूरी इंतजाम नहीं किए गए थे, जिससे यह गंभीर लापरवाही सामने आई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, काम के दौरान मैनहोल के चारों ओर न तो बैरिकेड लगाए गए थे और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। इसी दौरान असलम शेख मोबाइल पर बात करते हुए वहां से गुजर रहे थे। बताया जा रहा है कि काम कर रहे कर्मचारियों ने उन्हें आवाज देकर रोकने की कोशिश भी की, लेकिन वे संतुलन खो बैठे और सीधे खुले मैनहोल में गिर गए। घटना के

बाद बीएमसी और मुंबई फायर ब्रिगेड की टीम ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

घटना को गंभीरता से लेते हुए बीएमसी आयुक्त अश्विनी भिड़े ने तत्काल जांच के आदेश दिए और प्रारंभिक रूप से लापरवाही मानते हुए 'एल' विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर समेत चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित अधिकारियों में असिस्टेंट कमिश्नर धनाजी हेर्लेकर, असिस्टेंट इंजीनियर दीपक चौगुले, जूनियर इंजीनियर अभिजीत चौगुले और सीवेज ऑपरेशन के असिस्टेंट इंजीनियर उत्तम पाटील शामिल हैं।

इसके साथ ही संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने के आदेश भी दिए गए हैं। मामले की जांच के लिए अतिरिक्त आयुक्त (पश्चिम उपनगर) की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है, जो 7 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। महापौर रितू तावडे ने मृतक के परिवार को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

बीएमसी ने यह भी निर्देश दिया है कि अगले 8 दिनों में पूरे मुंबई के सभी मैनहोल की 100 प्रतिशत सुरक्षा जांच (सेफ्टी ऑडिट) की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिक जांच में साफ हुआ है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।

दिल्ली के परिवहन मंत्री ने की नई ईवी नीति की परिचालन दिशा-निर्देशों की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली ईवी नीति की ऑपरेशनल(परिचालन) दिशा-निर्देशों की विस्तृत समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए डिजिटल पोर्टल, तय समय-सीमा, मजबूत संस्थागत व्यवस्था और सभी संबंधित हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

दिशा-निर्देशों की विस्तृत समीक्षा करते हुए परिवहन मंत्री ने कहा कि यह परिचालन ढांचा दिल्ली ईवी नीति की परिकल्पना को प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित व्यवस्था में परिवर्तित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

उन्होंने परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि दिशा-निर्देशों में निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। इस अहम बैठक के दौरान पंकज कुमार सिंह ने दिशा-निर्देशों के अंतर्गत प्रस्तावित व्यापक डिजिटल ढांचे की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल को सिंगल-विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसके माध्यम से पात्र इलेक्ट्रिक वाहन मॉडलों का अप्रूवल, खरीद और स्क्रैपिंग प्रोत्साहन के लिए आवेदन, पात्र इलेक्ट्रिक एन2 श्रेणी के माल वाहक वाहनों को नो-एंट्री प्रतिबंध से छूट, अप्रूवल वाहन मॉडलों का प्रकाशन, आवेदन की ऑनलाइन ट्रैकिंग के साथ नीति के कार्यान्वयन की रियल-टाइम निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। पंकज कुमार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नीति के कार्यान्वयन की प्रत्येक प्रक्रिया को न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ पूरी तरह से डिजिटल बनाया जाए। परिवहन मंत्री ने परिचालन दिशा-निर्देशों के अंतर्गत स्थापित संस्थागत व्यवस्था की भी समीक्षा की।

महापौर ने सांसद प्रवीण खंडेलवाल के साथ केशवपुरम जोन के लिए 75 अतिरिक्त स्वच्छता वाहनों को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में स्वच्छता अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने रानी झांसी स्टेडियम में आयोजित एक समारोह में केशवपुरम जोन के लिए 75 अतिरिक्त स्वच्छता वाहनों एवं मशीनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर महापौर के साथ सांसद प्रवीण खंडेलवाल भी उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि इन अतिरिक्त स्वच्छता संसाधनों के शामिल होने से एमसीडी के स्वच्छता बेड़े को और मजबूती मिलेगी तथा पूरे शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। महापौर ने बताया कि केशवपुरम जोन में कुल 75 नए स्वच्छता वाहन एवं मशीनें शामिल की गई हैं, जिनमें 30 लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी), 8 हाइवा ट्रक, 4 जेसीबी मशीनें, 30 थ्री-व्हीलर तथा 3 जेटिंग मशीनें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन आधुनिक

संसाधनों से कचरा संग्रहण, परिवहन, नालों की सफाई तथा अन्य स्वच्छता संबंधी कार्यों में गति आएगी और नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। महापौर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम राजधानी को स्वच्छ, हरित एवं सतत विकसित शहर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। सभी पार्षद इस कार्य में मिशन मोड़ में जुटे हुयें हैं। उन्होंने कहा कि एमसीडी के सभी जोनों में योजनाबद्ध एवं व्यवस्थित तरीके से स्वच्छता संसाधनों का विस्तार किया जा रहा है, ताकि निगम की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

वाही ने कहा कि पिछले कुछ महीनों के दौरान एमसीडी के स्वच्छता बेड़े में अनेक आधुनिक एवं अत्याधुनिक मशीनों को शामिल किया गया है, जिससे कार्यकुशलता बढ़ाने तथा पूरे शहर में स्वच्छता के स्तर को और बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में एमसीडी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'स्वच्छ भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने दिल्लीवासियों से भी अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने में एमसीडी का सहयोग करें तथा राजधानी को स्वच्छ एवं हरित बनाने के इस अभियान में सक्रिय भागीदार बनें।इस अवसर पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि आज शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक स्वच्छता मशीनों का शामिल किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इन मशीनों का अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, ताकि स्वच्छता के स्तर में अपेक्षित सुधार लाया जा सके।

विकसित भारत के लिए अकादमिक जगत, उद्योग और सरकार के बीच मजबूत साझेदारी जरूरी : डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी ने विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अकादमिक जगत, थिंक टैंक, उद्योग और सरकार के बीच मजबूत साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण, शोध-आधारित नवाचार और संस्थागत सहयोग पर निर्भर करेगी।

डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी ने ये विचार रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस), दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डीएसई) तथा एमएसएमई फॉर 2047 के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मान समारोह में व्यक्त किए। यह कार्यक्रम उन्हें नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।डॉ. लाहिड़ी ने कहा कि विश्वविद्यालय और शोध संस्थानों को समकालीन नीतिगत चुनौतियों के समाधान में अधिकसक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने शोध आधारित व्यावहारिक सुझावों के माध्यम से सरकारों के साथ निकट सहयोग बढ़ाने की अपील करते हुए कहा कि अकादमिक संस्थानों,

उद्योग, थिंक टैंक और नीति-निर्माताओं के बीच सशक्त संवाद ही भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा को दिशा देगा। कार्यक्रम में नीति आयोग के सदस्य एवं पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल, आरआईएस के महानिदेशक प्रो. सचिन कुमार शर्मा, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के निदेशक प्रो. राम सिंह, डीएसई के पूर्व निदेशक प्रो. पुलिन बी. नायक और प्रो. पामी दुआ, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. शमिक्का रवि सहित अनेक वरिष्ठ अर्थशास्त्री, शिक्षाविद और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। आरआईएस के महानिदेशक प्रो. सचिन कुमार शर्मा ने स्वागत भाषण में डॉ. लाहिड़ी को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए कहा कि उनका आरआईएस से दो दशकों से अधिक पुराना जुड़ाव रहा है। उन्होंने कहा कि आरआईएस ने नीति आयोग के साथ सतत विकास लक्ष्यों, भारत की स्वैच्छिक राष्ट्रीय समीक्षा, दीर्घकालिक विकास रणनीति, समुद्री अर्थव्यवस्था और ब्लू इकोनॉमी जैसे विषयों पर मिलकर कार्य किया है तथा भविष्य में भी साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण में सहयोग जारी रहेगा। राजीव गौबा ने डॉ. लाहिड़ी को देश के सबसे प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री-प्रशासकों में से एक बताते हुए कहा कि सार्वजनिक वित्त, प्रशासन, बहुपक्षीय संस्थाओं और विधायी कार्यों का उनका व्यापक अनुभव नीति आयोग को भारत की दीर्घकालिक विकास रणनीति तैयार करने में नई दिशा देगा। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के निदेशक प्रो. राम सिंह ने डॉ. लाहिड़ी के आर्थिक शोध, संस्थान निर्माण और सार्वजनिक नीति में योगदान की प्रशंसा करते हुए विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के लिए शिक्षण संस्थानों और नीति-निर्माताओं के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता बताई।

बैंक घोटाले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का सीनियर अकाउंट आफिसर गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों से जुड़े करीब 504 करोड़ रुपये के बैंक गबन मामले में सीबीआई ने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) के सीनियर एकाउंट आफिसर परवीन कुमार को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के अनुसार आरोपी ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की सेक्टर-32 स्थित शाखा में विभाग के नाम से बिना किसी प्रशासनिक अनुमति और अभिलेखीय स्वीकृति के गुप्त बैंक खाता खुलवाया था, जिसका इस्तेमाल सरकारी धन के गबन के लिए किया गया। समयऔर कैलेंडर सीबीआई की जांच में सामने आया है कि उक्त खाते से चेक और फर्जी डेबिट नोटों के माध्यम से सरकारी धनराशि निकाली गई और उसे आरोपी के नियंत्रण वाली शेल संस्थाओं के खातों में स्थानांतरित कर दिया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, खाता परवीन कुमार ने स्वयं हस्ताक्षरकर्ता (सिग्नेटरी) के रूप में खुलवाया था, लेकिन लेन-देन को छिपाने के उद्देश्य से खाते में विभाग से असंबंधित एक अन्य आरोपी का मोबाइल नंबर दर्ज कराया गया, ताकि धोखाधड़ी का आसानी से पता न चल सके।सीबीआई ने बताया कि जांच के दौरान जुटाए गए आपत्तिजनक साक्ष्यों से आरोपी की सक्रिय भूमिका सामने आने के बाद उसे 02 जुलाई 2026 को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में इससे पहले भी एचएसपीसीबी के दो अन्य अधिकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसी के अनुसार यह मामला आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की सेक्टर-32, चंडीगढ़ शाखा में हुए उस बड़े वित्तीय घोटाले का हिस्सा है, जिसमें हरियाणा सरकार के आठ विभागों की करीब 504 करोड़ रुपये की सरकारी राशि जाली अथवा अस्तित्वहीन सावधि जमा (एफडी) और फर्जी डेबिट नोटों के जरिए निकालकर शेल कंपनियों में भेज दी गई थी। सीबीआई ने अब तक इस प्रकरण में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया है। इनमें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के छह बैंक अधिकारी, हरियाणा सरकार के तीन आईएएस, दो कंपनियां और छह निजी व्यक्ति शामिल हैं। बतादें कि सीबीआई ने 17 जून को आईएफएस नवनीत श्रीवास्तव 75 करोड़ के घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया था, जबकि 18 जून को 18 जून आईएएस राम कुमार सिंह की 79 करोड़ के घोटाले के आरोप और 23 जून को आईएएस पंकज अग्रवाल की 60.54 करोड़ के घोटाले के आरोप में गिरफ्तारी की जा चुकी है।

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टी20 आज

-सैमसन पर प्रदर्शन का रहेगा दबाव, वैभव कर रहे डेब्यू की उम्मीद

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच शनिवार को यहां दूसरा टी20 क्रिकेट मैच खेला जाएगा। बारिश के कारण पहला टी20 मैच रद्द होने के कारण इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी। पहले टी20 में भी अभिषेक ने आक्रामक पारी खेली थी पर बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो पाया था।

वहीं पहले मैच में रन बनाने में विफल रहे बल्लेबाज संजू सैमसन पर मैच में अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव रहेगा क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ उनके असफल रहने के बाद से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उतारने की मांग तेज होती जा रही है। ऐसे में सैमसन को बेहतरीन पारी खेलकर अपनी जगह पक्की करनी होगी। अगर वह इस मैच में भी रन नहीं बना पाते तो उनके लिए अपनी जगह बनाये रखना कठिन होगा। बारिश से धुले पहले मैच में भी वह केवल 7 गेंदों का सामना करते हुए केवल एक रन बना पाये थे। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामक रुख नहीं दिखा था। तेज पिच पर उनकी तकनीक की कमी नजर आयी। इससे वह आयरलैंड के खिलाफ भी दोनो मैच में रन नहीं बना पाये थे। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद से ही सैमसन पर लोगों का भरोसा बना था पर वह इस दौरे में अब तक अपनी लय नहीं दिखा पाये हैं। वहीं इसी दौरान वैभव का तेजी से उदय हुआ और जिस प्रकार से उन्होंने आक्रामक पारियां खेली हैं उससे उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह देने का दबाव बढ़ गया है। अब देखना होगा कि उन्हें इस मैच में अवसर मिलता है या नहीं।

अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बनाकर अपने स्थान को और मजबूत किया है, जिससे सैमसन पर दबाव और बढ़ गया है। मध्यक्रम में तिलक वर्मा को भी तेज गति से रन बनाने होंगे, क्योंकि

स्पिनरों के आने के बाद उनकी रन गति धीमी पड़ जाती है। इस साल 12 टी20 मैचों में वह केवल 12 छक्के लगा पाये हैं जो एक फिनिशर के लिए अच्छा आंकड़ा नहीं माना जा सकता।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा पर आधारित रहेगी। भारतीय बल्लेबाजों को मेजबान गेंदबाजों जोफा आर्चर और आदिल राशिद से सावधान रहना होगा।

ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए सहायक साबित हो सकती है, ऐसे में गेंदबाजी में किसी बड़े बदलाव की संभावनाएं कम है। भारतीय टीम के गेंदबाजों को मेजबान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक, फिल सॉल्ट और टॉम बैंटन से सावधान रहते हुए इन्हें बड़ी पारी खेलने से रोकना होगा। हैरी आजकल काफी अच्छे फार्म में हैं और मैच का रुख पलटने में माहिर है। ऐसे में उन्हें जल्द आउट करना होगा।

टीम इस प्रकार है

भारत - श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड - हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम में आर्चर की वापसी

-कोल्स और टंग पहली बार शामिल किये गये

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारतीय टीम के खिलाफ इस महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में दो नए युवा खिलाड़ियों ऑलराउंडर जेम्स कोल्स और तेज गेंदबाज जोश टंग को पहली बार शामिल किया गया है। ये दोनो ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। इंग्लैंड ने अपनी टीम को मजबूत करने के लिए युवा प्रतिभाओं पर भरोसा दिखाया है। कोल्स अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन से टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं, वहीं टंग अपनी गति और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने की क्षमता रखते हैं। इनके अलावा, तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और साकिब महमूद को भी टीम में शामिल किया गया है।

तीन मैचों की यह एकदिवसीय श्रृंखला क्रमशः 14, 16 और 19 जुलाई को खेली जाएगी। पहला मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान में, दूसरा मुकाबला कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में और निर्णायक तीसरा मैच क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

इस टीम में तेज गेंदबाज जोफा आर्चर की वापसी हुई है। मार्च 2021 के बाद पहली बार एकदिवसीय क्रिकेट में वापसी कर रहे आर्चर इंग्लैंड के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकते हैं। अपनी रफ्तार, बाउंस और यॉर्कर से दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आर्चर की वापसी इंग्लैंड के लिए बेहद अहम है।

16 सदस्यीय टीम इस प्रकार है

हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, जो रूट, बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), विल जैक्स, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, लियाम डॉसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद और जोश टंग।

क्रोशिया ग्रैंड चैस टूर रैपिड : गुकेश नें अनीश को दी मात , दूसरे स्थान पर पहुँचे

जाग्रेब , क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश नें ग्रैंड चैस टूर के दूसरे रैपिड पड़ाव क्रोशिया में दूसरे दिन अच्छा खेल दिखाते हुए खुद को सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँचा दिया है , पहले दिन गुकेश को फ्रांस के मैक्सिम लाग्रेव से हार का सामना करना पड़ा था वहीं उन्होंने मेजबान देश के इवान सारिक को मात दी थी और दिन का अंत उन्होंने हमवतन प्रज्ञानन्दा से ड्रा खेलते हुए किया था वहीं दूसरे दिन के पहले राउंड में उन्हें रोमानिया के बोगदान डेनियल से हार का सामना करना पड़ा लेकिन उसके बाद गुकेश नें लगातार दो बाज़ियों में क्रमशः नीदरलैंड के यान फोरेस्ट जॉर्डन और अनीश गिरी को पराजित करते हुए 4 अंक हासिल किए और 7 अंकों के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँच गए है अब अंतिम दिन उन्हें उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तोरोव , जर्मनी के विंसेंट केमर और फ्रांस के अलीरेजा फ़िरोज़ा का सामना करना है , वहीं प्रज्ञानंदा के लिए पहले दिन की अच्छी शुरुआत को दूसरे दिन वह क़ायम नहीं रख पाये और उन्हें अब्दुसत्तोरोव और अलीरेजा से हार का सामना करना पड़ा हालांकि उन्होंने जॉर्डन को मात देते हुए एकमात्र जीत दर्ज की , फ़िलहाल फ्रांस के अलीरेजा 10 अंकों के साथ सबसे आगे चल रहे है गुकेश 7 और प्रज्ञानंदा 6 अंकों पर है .

फीफा विश्वकप : स्विट्जरलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया

88 साल बाद नॉकआउट मुकाबला जीता

वैंकूवर (एजेंसी)। ब्रिल एम्बोलो और डैन एनदोये के शानदार गोलों की सहायता से स्विट्जरलैंड ने नॉक आउट मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में प्रवेश किया है। अब स्विट्जरलैंड की टीम का मुकाबला मंगलवार को कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा

इस मैच की शुरुआत में अल्जीरिया ने लगाकर हमले कर दबाव बनाने का प्रयास किस पर इसके बाद स्विट्जरलैंड ने वापसी करते हुए मैच में अपना नियंत्रण बना लिय।। मैच में योहान मंजाम्बी के एक क्रास पर ब्रिल एम्बोलो ने गोल दागकर स्विस टीम को 1--0 की बढ़त दिला दी। इसी के साथ ही एम्बोलो ने अपना 26वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इसके

बाद अल्जीरिया ने काफी प्रयास किस पर वह गोल करने में असफल रही।

वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही डैन एनदोये के गोल से स्विट्जरलैंड ने अपनी बढ़त 2-0 कर दी। अल्जीरिया के गोलकीपर लुका जिदान ने डैन शॉट को रोकने का पूरा प्रयास किया पर वह सफल नहीं रहे। स्विट्जरलैंड की ओर से फैबियन रीडर ने इसके बाद एक अच्छा मूव बनाया पर वह गेंद को गोल में नहीं दाग पाये। स्विट्जरलैंड के लिए यह जीत ऐतिहासिक महत्व रखती है, क्योंकि उन्होंने 1938 में फ्रांस में खेले गए विश्व कप के बाद से नॉकआउट राउंड का कोई मैच नहीं जीता था। हालांकि, 1954 में उसकी टीम ने प्लेऑफ मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले तीन विश्व कप में भी स्विट्जरलैंड अंतिम 16 में पहुंचा था, लेकिन वह जीत दर्ज करने में विफल रहा था।

दूसरी ओर अल्जीरिया 2014 के बाद पहली बार विश्व कप में भाग ले रहा था। 2014 में भी वह नॉकआउट राउंड तक पहुंचा था, लेकिन तब जर्मनी से हार गया था। अल्जीरिया ने कैनसस सिटी में शनिवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलकर अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहते हुए अगले दौर में जगह बनाई थी। इस परिणाम से दोनों टीमें नॉकआउट राउंड में पहुंच गईं थीं जबकि ईरान टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

'सूर्यवंशी को थोड़ा सब्र करना सिखाना होगा', डेब्यू का इंतजार कर रहे युवा खिलाड़ी पर बोले पूर्व विकेटकीपर

स्पोर्ट्स डेस्क । वैभव सूर्यवंशी का इंडिया के लिए डेब्यू का इंतजार जारी है, जबकि उन्हें टीम में शामिल करने की मांग तेज होती जा रही है। 15 साल के इस शानदार बल्लेबाज को आयरलैंड के खिलाफ टी20आई सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला और इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच की प्लेइंग इलेवन में भी उन्हें जगह नहीं मिली। लगातार बाहर रहने के बावजूद उन्हें लेकर उत्साह कम नहीं हुआ है। IPL में शानदार प्रदर्शन के बाद सूर्यवंशी को पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों का भरपूर समर्थन मिला है। कई लोगों का मानना है कि उन्हें जल्द ही मौका मिलना चाहिए। लेकिन भारत के पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल का मानना है कि सूर्यवंशी को थोड़ा सब्र करना सिखाना होगा। पटेल ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे लगता है कि इस सीरीज में किसी न किसी समय वैभव सूर्यवंशी को जरूर मौका मिलेगा। लेकिन इस समय बातचीत बहुत जरूरी है। आप जानते हैं कि जब आप कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होते हैं, तो आपको यह पक्का करना होता है कि आप बल्लेबाज को सही संकेत दे रहे हैं।' भारत के पूर्व विकेटकीपर ने आगे कहा कि सूर्यवंशी को उनकी भूमिका के बारे में जानकारी देने से उन्हें डेब्यू का इंतजार करते समय सब्र बनाए रखने में मदद मिलेगी।

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 कप्तानों में भारत के शुभमन और गावस्कर भी शामिल

मुम्बई । क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में कप्तानी और बल्लेबाजी का संतुलन बनाए रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन कुछ ऐसे दिग्गज कप्तान हुए हैं, जिन्होंने अपनी टीम की अगुवाई करते हुए बल्ले से भी रनों का अंबार लगाया और एक ही सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है, इसमें दो भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और शुभमन गिल भी शामिल हैं। इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सर डॉन ब्रैडमैन का नाम आता है, जिनके नाम एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। सर डॉन ब्रैडमैन ने साल 1936-37 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की घरेलू सीरीज में यह महान रिकॉर्ड बनाया था। यह सीरीज उनके लिए कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की अग्निपरीक्षा थी। ब्रैडमैन ने विरोधी गेंदबाजों को धवस्त करते हुए 9 पारियों में अविश्वसनीय 90.00 की औसत से 810 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। भले ही वे दो बार शून्य पर आउट हुए, लेकिन उनकी इस ऐतिहासिक कप्तानी पारी ने ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। टेस्ट इतिहास में किसी कप्तान द्वारा एक सीरीज में बनाए गए यह सबसे अधिक रन हैं। आधुनिक क्रिकेट के उभरते सितारे और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी इसमें अपना नाम दर्ज कराया है। साल 2025 में इंग्लैंड दौरे पर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान गिल ने कप्तानी के दबाव को बाहर करते हुए इंग्लैंड की तेज पिचों पर रनों की नई परिभाषा लिखी। 5 मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। इस सीरीज में शुभमन ने कमाल की निरंतरता दिखाते हुए 4 शानदार शतक लगाये, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा। वे इस सीरीज में एक बार भी बिना खाता खोले आउट नहीं हुए, जो उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रमाण है।

फीफा विश्वकप में स्पेन के गोलकीपर साइमन ने 36 साल पुराना गोल न खाने का रिकॉर्ड तोड़ा

इंगलवुड (एजेंसी)। स्पेन के अनुभवी गोलकीपर उनाई साइमन ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबले में 3-0 की शानदार जीत के दौरान ही एक नया रिकार्ड बना दिया। साइमन ने इसी के साथ ही 36 साल पुराने सबसे अधिक तक तक गोल न खाने के रिकार्ड को तोड़ दिया है। साइमन ने मौजूदा विश्व कप में अब तक एक भी मैच में गोल नहीं होने दिया है।

साइमन के इस रिकार्ड की शुरुआत पिछले विश्व कप से हुई थी अब तक उन्होंने कुल 519 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल दागने से रोके रखा है। इस प्रदर्शन के साथ ही उन्होंने इटली के दिग्गज गोलकीपर वाल्टर जेंगा के 1990 में स्थापित किए गए 517 मिनट तक गोल न होने देने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जेंगा ने उस समय लगातार पांच मैचों में क्लीन शीट रखकर यह कीर्तिमान बनाया था। साइमन ने भले ही जेंगा की क्लीन शीट की संख्या को अभी नहीं छुआ हो, लेकिन गोल न खाने के समय के मामले में उन्होंने सभी को पछाड़ दिया है।

इस विश्व कप में साइमन को शायद सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों की सूची में शीर्ष पर नहीं रखा गया था पर इस खिलाड़ी ने अपने शानदार खेल से रिकॉर्ड बुक में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कर लिया है। स्पेन ने इस विश्व कप में अभी तक एक भी गोल नहीं खाया है, और इसका श्रेय काफी हद तक साइमन की गोलकीपिंग को जाता है।

उन्हें केवल चार बचाव करने पड़े हैं, जिसमें ऑस्ट्रिया के खिलाफ एक भी नहीं शामिल है, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी टीम के पांचों शॉट लक्ष्य से भटक गए थे। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने अपने गोलकीपर की जमकर सराहना की।

वह पिछले लगभग पांच वर्षों से, साइमन स्पेन के लिए गोलकीपर के तौर पर पहली पसंद बने हुए हैं। उन्होंने डेविड राया और जोन गार्सिया जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपनी जगह बनाए रखी है। साइमन का गोल न खाने का यह सिलसिला दरअसल 2022 में कतर में खेले गए विश्व कप से शुरू हुआ था।

रोनाल्डो और पुर्तगाल ने अपने पूर्व खिलाड़ी डियोगो जोटा को दी श्रद्धांजलि, कार दुर्घटना में हो गया था निधन

टोरंटो । दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल ने गुरुवार को टोरंटो में क्रोएशिया पर 2-1 से विश्व कप जीत के बाद अपने पूर्व साथी खिलाड़ी डियोगो जोटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। क्रोएशिया के खिलाफ पेनल्टी के जरिए राउंड-ऑफ-32 मुकाबले में पुर्तगाल के लिए अपना पहला गोल करने वाले रोनाल्डो ने अंतिम सीटी बजने के बाद जोटा की नंबर 21 पुर्तगाल जर्सी पहनी और भावुक होकर अपने साथियों के साथ इकट्ठा होते हुए आसमान की ओर इशारा किया। शुक्रवार को जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की पश्चिमी स्पेन में एक कार दुर्घटना में मृत्यु को ठीक एक साल पूरा हो जाएगा। डियोगो जोटा ने पुर्तगाल के लिए 49 मैच खेले और 14 गोल किए। रोनाल्डो ने फॉक्स न्यूज़ से कहा, 'हमें मैच से पहले ही पता था, यह एक बहुत ही खास पल था। आज हम सब मिलकर जीवन के इस संयोग के बारे में बात कर रहे हैं, यह अविश्वसनीय है। मैं आश्चर्यचकित था क्योंकि आज की स्थिति हमारे लिए बहुत मायने रखती है, न केवल इसलिए कि हमने मैच जीता बल्कि जिस तरह से हमने जीता।'

महिला विश्वकप फाइनल : पूरी तरह फिट नहीं होने के बाद भी पैरी को उतार सकती है ऑस्ट्रेलियाई टीम

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्वकप फाइनल के लिए पुरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी अपनी स्टार खिलाड़ी एलिस पेरी को उतारने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो एलिस का करियर संकट में फंस सकता है क्योंकि इस दौरान उनकी चोट गंभीर हो सकती है। इसका अंदाजा टीम की मुख्य कोच शेली निट्स्के के बयान से लगाया जा सकता है। जिसमें निट्स्के ने कहा है कि अगर पैरी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं भी होती हैं, तो भी वह फाइनल में खेल सकती हैं। गौरतलब है कि पेरी वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में चोटिल हो गयीं थी। जिसके बाद उसे रिटायर कर दिया गया था। टीम ने हालांकि उनकी चोट को मामूली क्वाड्रिसेप्स खिंचाव बताया था। उनकी स्थिति पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं जब निट्स्के से पूछा गया कि क्या पेरी पूरी तरह फिट न होने पर भी खेल सकती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, हाँ, संभव है। मुझे लगता है कि अभी भी कुछ चीजें हैं जो विश्वकप फाइनल को देखते हुए वह करना चाहती हैं, टीम में योगदान देने और अपनी जगह बनाए रखने के लिए। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन भी चाहता है कि फाइनल जैसे अहम मैच को देखते हुए पैरी खेलें। गौरतलब है कि पूरे टूर्नामेंट में पेरी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह इस ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे अच्छी बल्लेबाज बनकर उभरी हैं। उन्होंने पांच पारियों में 46.25 की औसत और 135.03 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से कुल 185 रन बनाए हैं। भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत में पैरी की पारी की अहम भूमिक रही थी।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 महिला विश्वकप के फाइनल में जगह बनाई

-रविवार को खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से होगी टक्कर

लंदन । इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीकी टीम को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। अब यहां उसका मुकाबला रविवार को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से होगा अगर इंग्लैंड की टीम ये मुकाबला जीतती है तो ये उसका दूसरा विश्वकप खिताब होगा। इससे पहले, इंग्लैंड ने साल 2009 में खेले गए अपने उद्घाटन टी20 विश्व कप सत्र में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की जीत में नैट साइवर-ब्रंट और कप्तान हीथर नाइट की शानदार पारियों की अहम भूमिका रही है। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 90 गेंदों पर 133 रन बनाये। साइवर-ब्रंट ने 47 गेंदों पर 75 रन बनाए, जबकि नाइट ने 47 गेंदों में 58 रन बनाये। इस शानदार प्रदर्शन की सहायता से इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में 169 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से अनुभवी तेज गेंदबाज इस्माइल ने अपनी पहली ही गेंद पर इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स को आउट कर टी20 महिला विश्वकप में अपने 50 विकेट पूरे किये। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने इसके बाद जोरदार पलटवार किया। म्लाबा ने लगातार तीन गेंदों के भीतर नाइट और साइवर-ब्रंट दोनों को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को विकेट दिलाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरआत अच्छी नहीं रही। कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने शुरुआती तीन ओवरों में दो रन बनाए। वह 13 रनों पर ही आउट हो गयी जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 43 रनों पर ही पहला विकेट खो दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते गये। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने इसके बाद अपनी सधी हुई गेंदबाजी से अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया।

हरभजन सिंह 46 के हुए: भारतीय क्रिकेट के टर्बनेटर का शानदार सफर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे महान ऑफ स्पिनरों में से एक हरभजन सिंह आज 46 साल के हो गए। इस खास मौके पर उन्हें देश-दुनिया के उनके साथी क्रिकेटरों, पूर्व खिलाड़ियों और असंख्य प्रशंसकों की ओर से ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। टर्बनेटर और भज्जी के नाम से क्रिकेट जगत में लोकप्रिय हरभजन सिंह को उन चुनिंदा स्पिन गेंदबाजों में गिना जाता है, जिन्होंने अपनी करिश्माई घूमती गेंदों और अदम्य साहस से बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले वह भारत के पहले ऑफ स्पिनर बने, जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को अपनी गेंदबाजी का दीवाना बनाया।

महानता तक पहुंचने की उनकी यह राह कभी भी आसान नहीं रही। मार्च 1998 में महज 17 साल की उम्र में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय करियर की दहलीज पर कदम रखा। अपने शुरुआती प्रदर्शन से उन्होंने सबको प्रभावित तो किया, लेकिन करियर की शुरुआत के करीब डेढ़ साल बाद ही खराब फॉर्म के चलते उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उस दौर में लेग स्पिनर अनिल कुंबले भारतीय स्पिन गेंदबाजी के मुख्य आधार थे, और जब कुंबले चोटिल हुए, तब भी चयनकर्ताओं ने हरभजन को अवसर देना उचित नहीं समझा। इसी बीच, साल 2000 में हरभजन के सिर से पिता का साया उठ गया, जिसके बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। आर्थिक संकट इतना गहरा था कि वह इस कदर मजबूर हो गए थे कि उन्होंने क्रिकेट छोड़ने और अपनी आजीविका चलाने के लिए अमेरिका जाकर ट्रक ड्राइवर बनने तक की योजना बना ली थी।

यह हरभजन के जीवन का सबसे कठिन दौर था, लेकिन उनकी बहनों ने इस समय उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें खेल पर ही ध्यान केंद्रित करने को कहा। इसके बाद, उन्होंने रणजी ट्रॉफी में लाजवाब प्रदर्शन करते हुए 28 विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। फिर साल 2001 में एक बार फिर उन्हें टीम में अवसर मिला, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के दौरे पर थी और अनिल कुंबले चोट के कारण बाहर थे। तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली ने इस युवा ऑफ स्पिनर पर गहरा भरोसा जताया और उन्हें टीम में शामिल करने का साहसिक निर्णय लिया। गांगुली के इस फैसले ने न केवल हरभजन के करियर को नई दिशा दी, बल्कि भारतीय क्रिकेट के इतिहास को भी हमेशा के लिए बदलकर रख दिया। इस ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज के तीन मैचों में हरभजन ने अकेले दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त करते हुए कुल 32 विकेट झटके। इसी सीरीज में उन्होंने शानदार हैट्रिक ली, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा ली गई पहली हैट्रिक थी। इस सीरीज ने न सिर्फ हरभजन का करियर पुनर्जीवित किया, बल्कि उन्हें टीम इंडिया का एक अविस्मरणीय और मुख्य गेंदबाज भी बना दिया।

हरभजन की सबसे बड़ी ताकत उनकी आक्रामक शैली, कभी न हार मानने वाला जज्बा और उनकी रहस्यमयी गेंद 'दूसरा' थी। एक ऑफ स्पिनर होते हुए भी गेंद को लेग स्पिनर की तरह बाहर की तरफ निकालने की इस दुर्लभ कला ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को भी भ्रमित कर दिया। भज्जी केवल टेस्ट क्रिकेट के ही नहीं, बल्कि सीमित ओवरों के भी बेताज बादशाह थे। वह भारत की दो सबसे बड़ी ऐतिहासिक जीतों - 2007 टी20 विश्व कप और 2011 एकदिवसीय विश्व कप - विजेता टीम के प्रमुख और अभिन्न सदस्य रहे। इसके अलावा, निचले क्रम में आकर जरूरत पड़ने पर तेजी से रन बनाकर टीम को मुश्किल परिस्थितियों से

निकालने में भी वह हमेशा आगे रहे। उनका करियर भारतीय क्रिकेट में संघर्ष, वापसी और शानदार सफलता की एक प्रेरक गाथा है, जिसे आज भी याद किया जाता है।

काम के प्रति सलमान के समर्पण के फैन हुए पुलकित

2012 में 'बिट्टू बॉस' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले पुलकित सम्राट ने 'फुकरे' से इंडस्ट्री में लोकप्रियता हासिल की। इसके बाद पुलकित कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। हाल ही में पुलकित ने सलमान खान की एक खास सलाह के बारे में बात की, जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। साथ ही पुलकित ने यह भी बताया कि बिना किसी मेंटर के इंडस्ट्री में आगे बढ़ना उनके लिए कितना मुश्किल रहा।

पुलकित ने बताया कि अपनी पहली फिल्म के समय हर नए कलाकार की तरह फिल्म के रिलीज होने से पहले वह भी घबराए हुए थे, लेकिन सलमान की बातों ने स्टारडम के बारे में उनका नजरिया बदल दिया। उन्होंने कहा कि मैं बहुत घबराया हुआ था और सोच रहा था कि दर्शक फिल्म और मेरी परफॉर्मेंस को कैसा रिस्पॉन्स देंगे। सलमान भाई ने बस मेरी तरफ देखा और कहा, 'पुलकित, मैं सलमान खान हूं। यहां तक कि मुझे भी अपने अगले शुक्रवार की कोई गारंटी नहीं है। तो तुम खुद को क्या समझते हो? इसके बारे में टेंशन लेकर तुम क्या हासिल कर लोगे?' सलमान की इस सलाह से मुझे यह एहसास हुआ कि अगर उनके कद का कोई व्यक्ति बॉक्स ऑफिस पर सफलता की गारंटी नहीं दे सकता, तो मेरे लिए इस बात की चिंता या तनाव करने का कोई कारण नहीं है।

पुलकित ने आगे सलमान के काम के प्रति समर्पण की तारीफ करते हुए कहा कि वो 24 घंटे फिल्मों के बारे में ही सोचते रहते हैं। कभी-कभी जब उन्हें सिर्फ तीन घंटे की नींद मिल पाती है, तब भी वे अपने प्रोजेक्ट्स के बारे में ही सोचते रहते हैं। चाहे वह किसी किरदार के लिए सही व्यक्ति को चुनना हो या फिर किसी बड़े एक्शन सीन पर विचार करना हो जिसे दर्शक थिएटर में पसंद करें। उनके इस समर्पण को देखकर मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं उनकी कामयाबी का 50% भी हासिल करना चाहता हूं, तो मुझे 500% ज्यादा मेहनत करनी होगी।

रश्मिका मंदाना फिर करेंगी अल्लू अर्जुन के साथ काम

शाहरुख कर सकते हैं कैमियो

'पुष्पा' में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जबरदस्त केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, और अब खबर है कि ये जोड़ी फिल्म 'राका' में फिर साथ नजर आएगी।

अहम भूमिका निभाएंगी रश्मिका!

वैरायटी की रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका मंदाना इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल जल्द ही मुंबई में शुरू होने वाला है और रश्मिका भी जल्द इस शेड्यूल को जॉइन करेंगी। डायरेक्टर एटली की इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, और रश्मिका की एंट्री से फैंस का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है। दर्शक इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हर नई अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या शाहरुख खान का होगा कैमियो?

खबरों की मानें तो इस फिल्म में रश्मिका के अलावा मृणाल ठाकुर और जाह्नवी

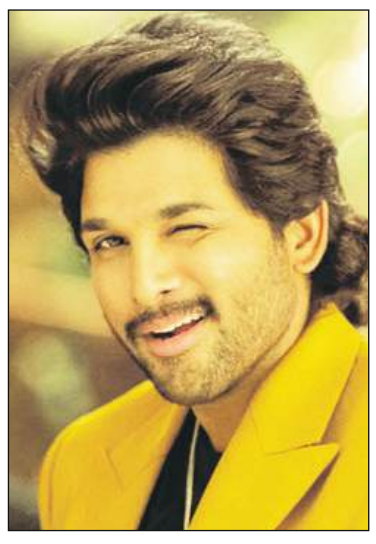

कपूर भी अहम किरदारों में नजर आ सकती हैं। वहीं, यह भी चर्चा है कि शाहरुख खान फिल्म में कैमियो कर सकते हैं, हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में ऐसी भी खबर आई थी कि फिल्म का टीजर एक वर्चुअल इवेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें एटली, अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण शामिल हो सकते हैं। अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'राका' का पहला पोस्टर रिलीज किया था। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन का चेहरा फर के पीछे आंशिक रूप से छिपा हुआ नजर आता है, जिसमें उनके लुक को काफी वाइल्ड और दमदार दिखाया गया है। उनकी आंखें काफी पावरफुल और रहस्यमयी लग रही हैं।

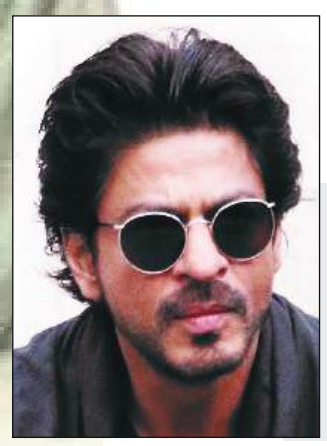

फिल्म से जुड़ी और जानकारी

बताया जा रहा है कि 'राका' को 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रही है। मुंबई में जल्द ही इसका अगला शूटिंग शेड्यूल शुरू होगा और पूरे साल इसकी शूटिंग जारी रह सकती है।

फिल्मों में स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म 'हॉन्टेड 3डी: इकोज ऑफ द पास्ट' से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर बातचीत की।

उन्होंने कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ें। चेतना पांडे ने कहा, ''करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है।''

अभिनेत्री ने कहा, 'मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे।' चेतना ने कहा, ''मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।'' चेतना ने कहा, ''मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता।'' 'हॉन्टेड 3डी' फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, 'पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।

हॉलीवुड में मेरा अभी बेस्ट काम आना बाकी है

एक्टर प्रियंका चोपड़ा उन चुनिंदा भारतीय एक्टर्स में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों जगह कामयाबी हासिल की है। अपने हिंदी फिल्मी करियर के पीक पर वह इंटरनेशनल मौकों की तलाश में अमेरिका चली गईं। हालांकि, कई ग्लोबल प्रोजेक्ट्स में काम करने के बावजूद प्रियंका को लगता है कि हॉलीवुड में उनका काम भारतीय सिनेमा में किए गए उनके काम के मुकाबले कम ही है।

प्रियंका ने हॉलीवुड में अपने करियर पर नजर डाली और अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के साथ इसे और आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रेजरेक्शन्स' और हाल ही में रिलीज हुई 'द ब्लफ' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में शानदार अभिनय के बावजूद प्रियंका ने कहा कि उन्हें लगता है कि हॉलीवुड में उनका बेस्ट काम अभी आना बाकी है। एक्ट्रेस ने कहा कि अपने हिंदी भाषा के करियर में मैंने सभी बेहतरीन फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं के साथ काम किया है, मैंने अद्भुत कहानियां सुनाई हैं और अलग-अलग जॉनर में काम किया है। जबकि अमेरिका में हॉलीवुड में अपने अंग्रेजी भाषा के काम में मैंने ऐसा उतना नहीं किया है।

प्रियंका ने कहा कि अब उनका अगला चरण इस बात पर केंद्रित होगा कि वो हॉलीवुड में भी बॉलीवुड की तरह अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाएं। अगला बदलाव यह पता लगाने के बारे में है कि मैं अपने हॉलीवुड के काम में अपने किरदारों में वैसी ही विविधता कैसे ला सकती हूं जैसी भारत में ला पाई हूं। इस दौरान प्रियंका ने शादी और मां बनने के बाद अपनी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की और माना कि उनकी जिंदगी बहुत ज्यादा बदल गई है। उन्होंने कहा कि आपकी प्राथमिकताएं सच में बदल जाती हैं। अब मैं बस अपना सामान पैक करके किसी फिल्म के लिए नहीं निकल जाती। मैं साल में पांच फिल्में नहीं करती। मैं पहले की तरह यात्रा नहीं करती। मैं इस बात को लेकर बहुत ज्यादा सोच-समझकर फैसला करती हूं कि मैं अपना समय कैसे और किसके साथ बिताती हूं। मैं एक कामकाजी मां के तौर पर जिंदगी को संभाल रही हूं। अब मुझे अपनी मां के लिए और भी ज्यादा सम्मान महसूस होता है।

कॉमेडी के नाम पर दायरा क्रॉस नहीं कर सकते

एक्टर अरशद वारसी इस वक्त धमाल मचाने की तैयारी में हैं। उनकी तीन-चार फिल्में और एक सीरीज आ रही हैं। उन्होंने इंटरव्यू में कॉमेडी से लेकर राजकुमार हिरानी संग काम, स्टारकिड्स और आज के स्टैंडअप कॉमेडियंस पर बात की।

अपने तीस साल लंबे करियर में एक्टर अरशद वारसी ने हर तरह के किरदार निभाए हैं, मगर कॉमेडी के मामले में उनका कोई सानी नहीं है। निजी जिंदगी में भी कमाल का सेंस ऑफ ह्यूमर रखने वाले अरशद वारसी 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'गोलमाल' और 'जॉली एलएलबी' जैसी यादगार कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। आने वाली दिनों में बड़े पर्दे पर वह 'गोलमाल 5', 'धमाल 4' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसी फिल्मों में भी लोगों को हंसाने को तैयार हैं। वहीं, ओटीटी पर डार्क कॉमिडी सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' में इंस्पेक्टर पेड्रो की भूमिका में नजर आएंगे।

क्या इतनी सारी कॉमेडी फिल्मों के खुशनुमा माहौल ने अरशद को किसी तरह से बेहतर इंसान बनाया? इस पर वह कहते हैं, 'नहीं, नहीं, मैं हमेशा से ही खुशदिल इंसान हूं। मुझमें एक सेंस ऑफ ह्यूमर है और मेरे हिसाब से हर इंसान के लिए थोड़ा सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत जरूरी है। आपको खुद पर हंसना आना चाहिए। आज लोग छोटी-छोटी बातों पर सीरियस हो जाते हैं, मैं वाकई चाहूंगा कि वो ऐसा ना करें। जिंदगी को ज्यादा सीरियसली न लें। वैसे ही, हम सबकी जिंदगी में बहुत सारी तकलीफें हैं। हालात अजीब से होते जा रहे हैं, इसलिए आप छोटी-मोटी चीजों को छोड़ना सीखें। हमारी कॉमेडी फिल्में देखें, खुश रहें।'

इन दिनों एक ओर कॉमेडियन हास्य पर तरह-तरह के पाबंदियों का रोना रोते हैं, तो कॉमेडी के आपत्तिजनक और अश्लील होने को लेकर विवाद भी सामने आते रहते हैं। इस पर अरशद वारसी का मत एकदम साफ है कि आप दायरा नहीं क्रॉस कर सकते। बकौल अरशद, 'आप साफ कॉमेडी लिख सकते हैं। थोड़ा सा मुश्किल होता है लेकिन यह संभव है। यह भी संभव है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए कॉमेडी करें। मैं अक्सर जोक मारता रहता हूं, बहुत कुछ कहता रहता हूं, पर मुझे पता है कि मैं वो लाइन कभी नहीं क्रॉस करूंगा जिससे किसी को तकलीफ हो। मुझे पता होता है कि मैं किससे कह रहा हूं और क्या कह रहा हूं, वह जानना जरूरी है। आप वो दायरा क्रॉस नहीं कर सकते।

राजकुमार हिरानी और उनके बेटे संग काम का एक्सपीरियंस

सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' की एक खास बात यह है कि फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी की इस डेब्यू सीरीज से उनके बेटे वीर हिरानी भी एक्टिंग में कदम रख रहे हैं। ऐसे में, पिता और बेटे दोनों की पहली फिल्म में काम करने के अनुभव पर पर अरशद ने अपने चुटीले अंदाज में कहा, 'मैं सोच रहा हूं कि उनके घर में जाकर रहने लगूं। कभी पिता से साथ काम पर चला जाऊं, कभी बेटे के साथ काम पर चला जाऊं (हंसते हैं)। असल में, मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव था। मुझे कभी नहीं लगा था कि वीर और मैं कभी साथ में काम करेंगे। 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' की शूटिंग के दौरान वह 4 साल का बच्चा था लेकिन बहुत अच्छा लगता है कि वीर की पहली फिल्म में मैं हूं। मैं चाहूंगा कि वो जिंदगी में बहुत अच्छा करे और मुझे यकीन है कि वो करेगा।' वहीं, फिल्मी बच्चों के फिल्म का ही रास्ता अख्तियार करने की बहस पर वह पलटकर सवाल करते हैं, 'वह राजू हिरानी का बेटा है तो उसमें उसकी क्या गलती है? ये हमारे बच्चे हैं उसमें उनकी क्या गलती है? मैं ऐसे सोचता हूं। बाकी, सबका अपना नजरिया है।'

गुलाबी छतरी

बाल कहानी

सोनू ने मन मारते हुए दूसरी छतरी खरीद ली। छतरी खरीद कर वे दोनों घर आ गए। सोनू ने पीले रंग की मोरपंखी छतरी खरीदी थी, लेकिन गुलाबी छतरी के सामने वह अत्यंत फीकी नजर आ रही थी। सोनू मन मारकर मोरपंखी छतरी को लेकर ही स्कूल जाने लगा

चिटू छातेवाले की दुकान पूरे नंदनवन में प्रसिद्ध थी। उसके पास ढेरों रंग-बिरंगे नए-नए छाते मिलते थे। नंदनवन के बच्चों के लिए तो वह

दूर-दूर से नए डिजाइन और काटरून से सजे छाते लेकर आता था। चिटू बंदर की छातों की दुकान बहुत पुरानी थी। उसके दादा टिकू ने नंदनवन में सबसे पहले छातों की दुकान खोली थी। टिकू दादा के गुजर जाने के बाद उनके बेटे मिटू ने दुकान संभाली। कुछ दिनों से मिटू बीमार था, इसलिए उनका बेटा चिटू दुकान को संभाल रहा था।

बारिश के दिन थे, इसलिए चिटू की बिक्री धड़ाधड़ हो रही थी। उसकी दुकान के छाते अत्यंत मजबूत और बेहतर क्वालिटी के होते थे। एक दिन जुडवां भाई सोनू-मोनू खरगोश उसके पास सुंदर छाते खरीदने के लिए आए।

सोनू-मोनू दोनों को ही एक गुलाबी रंग की छतरी बहुत पसंद आई। उस छतरी पर उनके जैसे ही छोटे-छोटे खरगोश बने हुए थे। सोनू ने उस छतरी को जैसे ही हाथ में उठाया, वैसे ही मोनू ने उससे छतरी छीनते हुए कहा कि यह गुलाबी छतरी मेरी है। तुम दूसरी छतरी देख लो।

वह गुलाबी रंग की छतरी डिजाइनर छतरी थी, इसलिए उसका एक ही पीस बचा था। सोनू ने मन मारते हुए दूसरी छतरी खरीद ली। छतरी खरीद कर वे दोनों घर आ गए। सोनू ने पीले रंग की मोरपंखी छतरी खरीदी थी, लेकिन गुलाबी छतरी के सामने वह अत्यंत फीकी नजर आ रही थी। सोनू मन मारकर मोरपंखी छतरी को लेकर ही स्कूल जाने लगा।

नंदनवन में जब झमाझम बारिश होती तो मोनू गुलाबी छतरी लेकर थिरकते हुए सबको चिढ़ाता। वह सोनू को भी उस छतरी को हाथ नहीं लगाने देता था।

सोनू समझदार था, इसलिए वह मोरपंखी छतरी के साथ ही खुश था। एक दिन जब सोनू-मोनू स्कूल से आ रहे थे तो बारिश होने लगी। बारिश रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी। घर पहुंचने के बाद सोनू-मोनू ने कपड़े बदले और खाना खाकर खेलने लग गए। सोनू ने अपने घर की खिड़की से झांका तो वह यह देखकर दंग रह गया कि पूरा नंदनवन पानी-पानी हो गया था।

सोनू-मोनू के घर के समीप ही चींटियों के ढेर सारे घर बने हुए थे। पानी में डूब जाने से कई चींटियां मर चुकी थीं। जो बची हुई थीं, वे डरी सहमी अपने लिए सुरक्षित स्थान तलाश रही थीं। सोनू-मोनू दोनों ने अपनी प्रिय दोस्त निक्की, मिक्की, टिक्की और रिक्की चींटियों को पानी के बहाव में बहत दखा ता दोनों का दिल धक्क से रह गया। उन्होंने उनको बचाने की सोची।

सोनू सोच ही रहा था कि वह पानी के बहाव से चींटियों को निकालकर कौन सी सुरक्षित जगह पर रखे तभी मोनू अपनी गुलाबी छतरी लिए हुए आया और उसे खोल कर बोला, छू, जल्दी करो निक्की, मिक्की, टिक्की और रिक्की के साथ मेरी बहुत सारी दोस्त पानी में बह कर मर जाएंगी। उन्हें पानी से निकालकर इस छतरी पर रख दो। यहां ये सुरक्षित रहेंगी। मेरी छतरी सूखी हुई है। जब पानी सूख जाएगा तो हम इन्हें नीचे छोड़ देंगे। तब तक इन्हें घर में ही हम कुछ खाना-पानी देंगे, जिससे कि ये जीवित रहे।'

मोनू की बात सुनकर सोनू ने जल्दी से अनेक चींटियों को बहते पानी से निकाला और उन्हें गुलाबी छतरी के ऊ पर रखता रहा। उसने मोनू से अपनी मोरपंखी छतरी भी खोलने को कहा। इसके बाद तो सोनू-मोनू दोनों ने ही मिलकर छोटे-छोटे जीवों को बारिश के बहाव में बहने से बचाकर उन्हें छातों के ऊपर रख दिया।

उनके छातों पर अनेक चींटियां सुरक्षित बैठी थीं। सभी की जान बच गई थी। कुछ देर बाद बाारश कम हुइ। उनक माता-ापता दाना नौकरी पेशा थे। वे नंदनवन के मॉल में काम करते थे। रात को वह किसी तरह बचकर भीगते-भीगते घर पहुंचे।

उन्होंने देखा कि सोनू-मोनू की छतरियों पर अनेक नन्हीं-नन्हीं चींटियां विराजमान हैं। सोनू-मोनू दोनों ने अपने माता-पिता को विस्तार से सारी बात बताई तो उन्हें अपने बच्चों पर गर्व हुआ। चींटियां उनकी खुली हुई छतरियों पर ही सो गईं। सुबह नंदनवन में ताजी खिली हुई धूप निकली। उस धूप ने पूरे नंदनवन के प्राणियों को जगा दिया। सोनू-मोनू भी जाग गए। कुछ ही देर में धूप से पूरा नंदनवन सूख गया। सोनू-मोनू ने चींटियों को छतरियों पर से जमीन पर उतारा तो मोनू यह देखकर दंग रह गया कि उसकी प्रिय छतरी एक जगह से फट गई थी।

मोनू को गुलाबी छतरी बहुत प्रिय थी। एक बार तो छतरी की हालत देखकर उसकी रुलाई ही फूट पड़ी। लेकिन जब उसने अपनी छतरी पर से अनेक नन्ही-मुन्नी चींटियों को जीवित हंसते-खिलखिलाते हुए गले मिलकर उतरते हुए देखा तो उसे सुकून और शांति का अनुभव हुआ। उसकी टूटी हुई छतरी को देखकर मोनू उसे गले लगाता हुआ बोला, 'दोस्त, छतरी टूटने के कारण दुखी मत होओ। मैं तुम्हें चिटू की दुकान से बिल्कुल ऐसी ही छतरी लाकर दे दूंगा।'

मानू का बात पर सानू बाला, 'यह छतरा ता बेजान और निर्जीव थी। इसी ने नंदनवन की अनेक चींटियों को बचाया है। मां-पापा और टीचर भी हमेशा यही कहते हैं कि वही व स्तु अच्छी होती है, जो सदुपयोग में लाई जाती है। इस छतरी को एक न एक दिन तो टूटना ही है।'

सोनू की यह बात सुनकर सभी चींटियों ने खूब सारी तालियां ब ज ा इ ं।

सोनू के माता-पिता और मोनू की आंखों में खुशी के आंसू झलक आए थे। सभी सोच रहे थे कि गुलाबी छतरा ने आखरकार उनक बट का सहा राह पर ला ही दिया था।

क्या आप जानते कट्टम-मोक्षपटम के बारे

खेल हर बच्चों को प्रिय खेल होता है। जिसमें कई प्रकार के खेल शामिल हैं। खासकर घर में खेले जाने वाले खेल बच्चों को खासे पसंद आते हैं।और आजकल तो बारिश भी शुरू हो गई है। यह मौसम ऐसा मौसम है जिसमें खेलने पर बच्चों को मम्मी-पापा से काफी डांट खानी भी पड़ जाती है।ऐसे में क्यों न तुम पचीसी और मोक्षपटम जैसे खेल खेलो। नाम पढ़ कर पड़ गए न चक्कर में।भला ये कौन-से खेल हैं! दरअसल, ये सैकड़ों साल पुराने भारतीय बोर्ड गेम्स हैं, जिन्हें आज तुम किसी और नाम से जानते हो। आज इनके बारे में जानते हैं।

पुराने तो हैं ही बेस्ट..

लूडो खेलो

लूडो एक पुराना गेम है। तुम्हारे मम्मी-पापा ने इसे बचपन में खेला होगा। तुम बाजार से इसे खरीद लाओ। ज्यादा महंगा नहीं होता।

फायदे: मम्मी-पापा या भाई-बहन के साथ खेल सकते हो। ग्रुप में खेल कर दोस्तों से अच्छा रिलेशन बना सकते हो। चोट लगने का डर भी नहीं। इसमें गोटी की चाल को सोच-समझ कर चलना होता ह ै ,

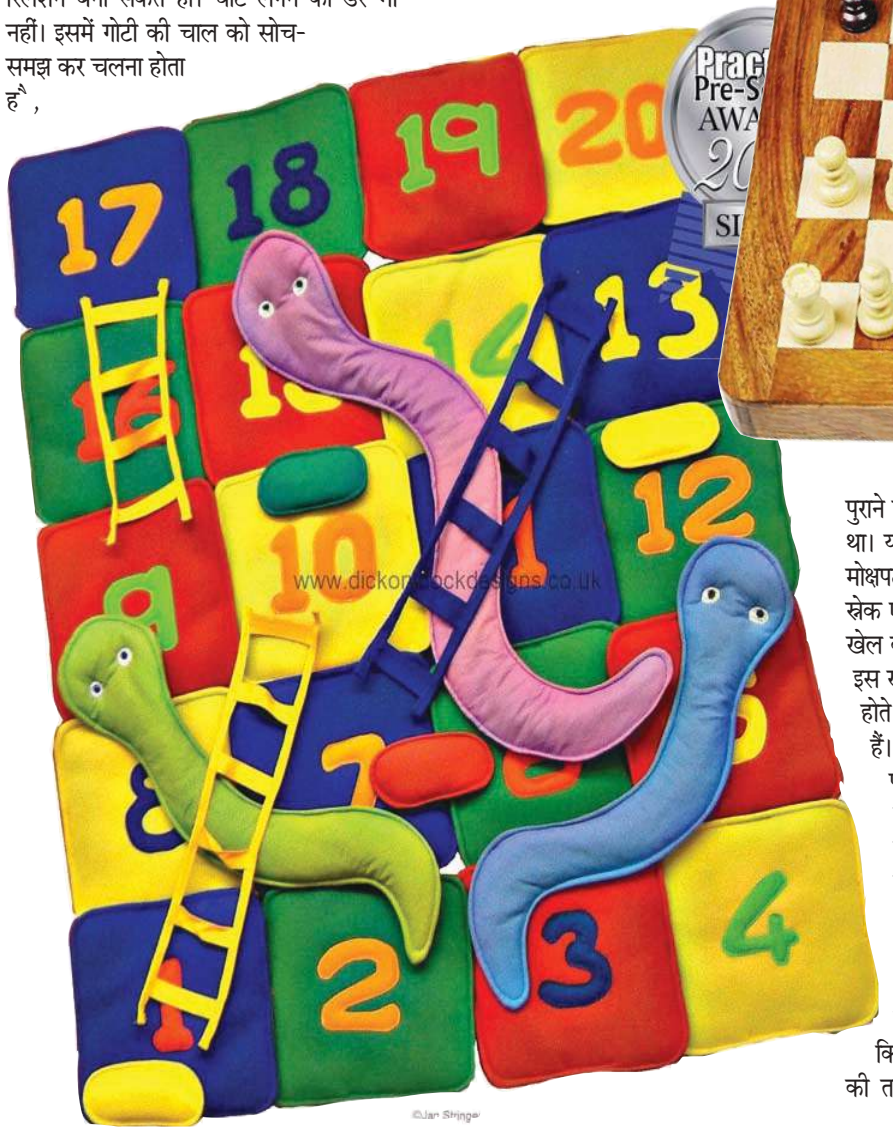

जिससे तुम्हारे दिमाग की कसरत होती है। इसमें जीतता हुआ खिलाड़ी भी अंत तक आते-आते हार जाता है। पूरे खेल में रोमांच बना रहता है।

चेस तो ट्राई करो

भारत में शुरू हुआ यह खेल दिमाग के विकास के लिए काफी अच्छा है। घर बैठे इसे खेल कर इंटेलिजेंट बनोगे और बोर भी नहीं होगे।

फायदे: कन्सन्ट्रेशन बढ़ता है। फोकस करना सीखते हो। इमेजिनेशन का विकास होता है, जो भविष्य के बारे में सोचने की क्षमता को बढमता है। क्या सही क्या गलत, क्या करना सही रहेगा, यह सोचते हैं। प्लानिग, अनुशासन सीखते हो। मैथ्स पर अच्छी पकड़ बनती है।

कैरम है खास

कैरम भी पुराना गेम है। इसे तुम कम खेलते होगे, पर ये बड़ा फायदेमंद है।

फायदे: तेज नजर और हाथों पर कंट्रोल होता है। मैथ्स अच्छा होता है। आंख और हाथ का समन्वय सही रहता है।

सांप-सीढ़ी वाला मोक्षपटम

सांप और सीढ़ी की शुरुआत भी भारत में ही हुई।

पुराने जमाने में इस खेल को मोक्षपटम कहा जाता था। यह भी डाइस बोर्ड गेम्स का ही हिस्सा है। मोक्षपटम धीरे-धीरे इंग्लैंड पहुंचा और वहां इसे स्नेक एंड लैडर्स के नाम से बेचा जाने लगा। इस खेल को एक साथ चार खिलाड़ी खेल सकते हैं। इस खेल में 1 से लेकर 100 तक के खाने बने होते हैं। बोर्ड पर ढेर सारे सांप और सीढियां होती हैं। सांप के काटने पर खिलाड़ी को सांप की पूंछ वाले खाने पर आना पड़ता है, वहीं सीढ़ी चढ़ कर खिलाड़ी कई खाने ऊपर भी पहुंच सकता है। इसमें सांप की संख्या, सीढियों से ज्यादा होती है।

चतुरंग बन गया है शतरंज

चतुरंग यानी शतरंज। इसे तुम चेस के नाम से भी जानते हो। ऐसा माना जाता है कि शतरंज का खेल भी लूडो और सांप-सीढ़ी की तरह सबसे पहले भारत में ही खेला गया। आज तुम इन सब खेलों को जिस रूप में खेल रहे हो, उसमें वक्त के साथ-साथ बदलाव आया है। चतुरंग संस्कृत के दो शब्दों से बना है, जिसका मतलब होता है- चार भाग। हाथी, घोड़ा, रथ और सिपाही चतुरंग के चार हिस्से होते हैं। यह खेल सफेद और काले रंग के बोर्ड पर खेला जाता था। आजकल तुम चेस का जो खेल खेलते हो, उसमें और चतुरंग के बीच की समानता को अनदेखा नहीं किया जा सकता। तब चतुरंग का यह खेल कैसे खेला जाता था, इस बारे में अब तक किसी को कुछ खास पता नहीं है। पर शतरंज के इतिहास को जानने वालों का कहना है कि दोनों खेल के नियम मिलते-जुलते होते होंगे।

इस बारिश इन्हें भी आजमाओ

पिलो गेम

दोस्तों को घर बुलाओ और म्यूजिक चलाओ, तकिए को पास करो, जिस पर म्यूजिक रुका वो डांस करेगा, गाना सुनाएगा, किसी फिल्म का डायलॉग बोलेगा या जानवर की आवाज निकालेगा।

न्यूजपेपर में नाम ढूंढ़ों

इसमें दो-चार से ज्यादा दोस्त मिल कर भी खेल सकते हैं। इसमें एक खिलाड़ी ए, बी, सी, डी या अ, आ, ई, क, ख, ग बोलता है। दूसरा खिलाड़ी जब स्टॉप बोल देता है तो जो अक्षर आता है, न्यूजपेपर में उस एल्फाबेट से शब्द ढूंढ़ने पड़ते हैं। जो पहले पांच शब्द ढूंढ़ लेगा, वह स्टॉप बोल देगा और फिर जिसके जितने शब्द, उसके उतने नम्बर।

गेम्स के कितने सारे फायदे...

वर्ड गेम में आंखों की कसरत होती है।

नए-नए शब्द पढ़ते हो और उनका मतलब भी जानने की कोशिश करते हो। लैंग्वेज अच्छी होती है। पिलो गेम में डांस करने से फिजिकल एक्सरसाइज होती है, जिससे टांगें मजबूत होती हैं।

स्टेज पर जाने से कैसा डर

हम सब कई बार बोलना कुछ और चाहते हैं लेकिन अपनी बेकार की हिचकिचाहट के कारण बोल नहीं पाते।जिससे हमें अक्सर किसी न किसी समस्या का सामना करना पड़ जाता है।देखा जाए तो बोलना भी एक कला है। दोस्तों के बीच बोलना और किसी प्रतियोगिता या सभा में बोलना बिल्कुल अलग ही बात होती है।जब हम दोस्तों से बातचीत कर रहे होते हैं तब हमें डर नहीं लगता, क्योंकि वहां कोई तुम्हें जज नहीं करता। लेकिन जब बच्चे पोडियम पर खड़े होते हैं तब उन्हें हॉल में बैठे मैडम, जज, बच्चे और बाहर के स्कूलों से आए दूसरे बच्चे भी सुन रहे होते हैं। ऐसे में कई बच्चे ठीक से नहीं बोल पाते। कुछ तो हकलाने लगते हैं तो कुछ बोलते-बोलते चुप हो जाते हैं। उन्हें याद किया हुआ भाषण, कविता कुछ भी याद ही नहीं आती। ऐसे में बच्चे रुआंसा सा चेहरा लेकर वापस आ जाते हैं। और दूसरा बच्चा जो बेधड़क बोल कर जाता है उसे अवॉर्ड मिल जाता है।

इसलिए अब तुम खुद तय करो कि तुम किस तरह के बनना चाहोगे।

बोलने से डरना नहीं है। बल्कि कैसे बोलना है, क्या बोलना है, किस तरह से बोलना है, इसकी तैयारी तुम्हें करनी चाहिए। जो भी विषय यानी विषय मिला है उस पर मैडम, पापा, भइया या दीदी से विचार-विमर्श यानी जानकारी हासिल कर अच्छे से तैयारी करनी चाहिए।

पोडियम पर सीधे खड़ा होना ही अच्छा रहता है। दूसरी जरूरी बात यह कि तुम्हारे सामने जो बैठे या खड़े हैं उनकी आंखों में आंखें डाल कर बोलना चाहिए। इससे पता चलता रहता है कि सुनने वाले तुम्हारी बात ध्यान से सुन भी रहे हैं या नहीं। हां, पता है कि जब तुम दूसरे बच्चों को देखते हो तो वो तुम्हें मुंह चिढ़ाते हैं, हंसाने की कोशिश करते हैं। लेकिन तुम्हें उन लोगों को ऐसे देखना है, जैसे वो कुछ नहीं कर रहे हैं। अगर एक बच्चे को ही देखोगे तब मुश्किल है, इसलिए किसी भी एक पर नजरें मत टिकाना। सभी की नजरों में देखने की कोशिश करना।

जिस भी विषय पर बोलना है उसकी प्रैक्टिस घर पर, ग्राउंड में, मिरर के सामने कई बार बोल कर करनी चाहिए। इससे पता चलता है कि कहां गलती हो रही है। कई बार बच्चे पॉकेट में हाथ डालकर खड़े होते हैं तो कई अपने कपड़े, बाल ही संवारते रहते हैं। ऐसे में तुम्हारे मार्क्स कटते हैं और दूसरा जीत जाता है।

बोलते समय तुम्हारा उच्चारण बिल्कुल साफ, शुद्ध और धाराप्रवाह होना चाहिए। तुम्हारी प्रस्तुति कैसी है इस पर भी ध्यान दिया जाता है। इसलिए हाथ, चेहरे, शरीर के हाव-भाव भी जीत दिलाने में मदद करते हैं।